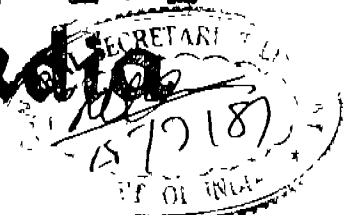




भारत का राजपत्र The Gazette of India



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 23, 1981/ज्येष्ठ 2, 1903

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1981/JYAISTHA 2, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

का० अ० 1537.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) और अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा कर रहे व्यक्तियों के संबंध में भारत के निषिद्ध महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (पॉवर-संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 10 के उपनियम (8) के खंड (क) के उपखंड (1) में "सरकार के" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के" शब्द रखे जाएंगे।

[मुख्यांक 38/2/81-पेंशन एकक]

एच० बी० राय, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 30th April, 1981

S.O. 1537.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Fifth Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In sub-clause (i) of clause (a) of sub-rule (8) of rule 10 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, for the words "by the Government" occurring at the end, the words "by the Central Government or a State Government" shall be substituted.

[No. F. 38/2/81-Pension Unit]

H. B. ROY, Dy. Secy.

विज्ञान मंत्रालय
(प्राथमिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली 25 अप्रैल, 1981

का० आ० 1538 —रूपि पुनर्वित्त तथा विकास निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10) की धारा 20 की उपधारा (1) के खड्ड (क) तथा इस विभाग के दिनांक 13 फरवरी, के समयअथवा आदेश में आंशिक सुधार करने व केन्द्रीय सरकार, एन० द्वारा रूपि पुनर्वित्त तथा विकास निगम द्वारा 12 वर्ष की परिपक्वता की अवधि के साथ 11 से 13 मार्च, 1981 तक की अवधि के दौरान 100 प्रतिशत पर जारी किये जाने वाले 35 125 करोड़ रुपये (केवल तैमि क करोड बारह लाख तथा पचास हजार रुपये) क ढाण्डो के संबंध मे मूल धन की वापसी और 6.75 (षोढे सात) प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के भुगतान की गारन्टी देसी है ।

[संख्या 10(12)/81-प०सी०]
इन्वार्नी सेन, अवर मजिस्टर

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 25th April, 1981

S.O. 1538.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of Section 20 of the Agricultural Refinance & Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963) and in partial modification to this Department's Notification of even number dated the 23rd February, 1981, the Central Government hereby guarantees, the repayment of the principal and payment of interest, at the rate of 6.75 per cent (six and three-fourth per cent) per annum in respect of the bonds of Rs. 35.125 crores (Rupees thirty five crore twelve lakh and fifty thousand only) to be issued at 100 per cent during the period 11th to 13th March, 1981 with a maturity period of 12 years by the Agricultural Refinance & Development Corporation.

[No. 10(12)/81-AC]

INDRANI SEN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं भीमा शुल्क, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, 27 मार्च, 1981

क्रा० आ० 1339 .—केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अधीन प्रकृत पत्रियों का प्रयोग करते हुए मैं एन० डब्ल्यू० केंद्रीय उत्पाद शुल्क पत्रिका में न समाहित पत्रों के केंद्रीय उत्पाद शुल्क सहायक समाहित पत्रों के केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली "44 के नियम 58 सी के उपनियम (1) के अधीन जहाँ तक उक्त नियम में निर्दिष्ट-प्रक्रिया के उपयोग करने के लिए प्राथमिक निर्माणों को अनुमति देने का संबंध है, घरेलू अधिकार क्षेत्र में मरहता की पत्रियों के प्रयोग के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

[प्रधिसूचना सं. 2/के. उ. प्र. ०/१०००/८१ दिनांक IV/(16) ८-१०-८०
प्र. ०/१०००/८१]

एस० मन्त्रोपाध्याय, समाहर्ता

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS, WEST BENGAL

Calcutta, the 27th March, 1981

S.O. 1539.—In exercise of the powers conferred on me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby authorise the Assistant Collectors of Central Excise in the Collectorate of Central Excise, West Bengal to exercise the powers of the Collector under Sub-rule (1) of Rule 56C of Central Excise Rule "44 in so far as granting of permission to primary manufacturers to avail of the procedure laid down in the said Rule is concerned in their respective jurisdiction.

[Notification No. 2/CE/WB/81/C. No. IV(16)*-CE/WB/81]

S. MUKHOPADHYAY, Collector

केन्द्रीय उत्पाद शतक समाहर्तव्य

कानपुर 27 फरवरी 1981

का० अ० 1540—फेडरल उत्पाद शुल्क नियमावली 1941 के नियम 5 द्वारा पदम शक्तिशो का प्रयोग करते हुए, मैं इसके द्वारा सतत विवरण के कालम 3 में उल्लिखित अधिकांशों को उनके सम्बन्धित कार्यक्षेत्र में समायोजित शक्ति का उपयोग करने की प्राधिकृत करता हूँ समायोजित शक्ति से सम्बन्धित नियम और प्राधिकृत शक्ति के स्वरूप या उल्लेख उक्त विवरण के कालम 1 और 2 में किया गया है तथा उनपर लागू होने वाले प्रतिबंध का उल्लेख कालम 4 में किया गया है।

वर्तमान नियमों के अधीन जहाँ तक शुल्क के छूट (परिहार) के लिए शक्तियाँ व प्रत्यायोजन (सीपेन) का संयोज है, विद्यमान शक्तियों का प्रत्यायोजन आगे प्राधिकार जारी किये जाने तक कायम रहनेगा।

हस्त अधिसूचना के कारण अमीन की विभिन्न अधिसूचनाओं तथा संलग्न विवरण के कारण । मे उल्लिखित विभिन्न नियमों को अर्थात् प्राशिक्षित शक्तियों को प्रयोजन रह संस्था जाए ।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के अंतर्गत समार्यों की शक्तियों के प्रत्यायोजन का विवरण			
केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम	प्रत्यायोजित शक्ति का स्वरूप	प्रत्यायोजित किया गया अधिकारी	प्रतिबंध
1	2	3	4
3	प्राधिकृत व्यक्ति/एजेंट का अनुमोदन	अधीक्षक	
9(1)	(i) उन प्रमाणों को निश्चित करना जहां उत्पाद लाहमें बनेवाला प्राप्तिदारी शुल्कयोग्य माना उत्पादिता है और उनसे अनुमतिपत्रिगर	लाहमें बनेवाला प्राप्तिदारी	
	(ii) बाय खाता खोलने की अनुमति	अधीक्षक	

1	2	3	4
9(1 क)	चालू खाता से रोकट निकालना	सहायक समाहर्ता	समाहर्ता द्वारा
9 ख (ख)	प्रतिरिक्त बन्ध-पत्र या प्रतिरिक्त सुरक्षा के लिए सामान्य बंध-पत्र तथा मांग की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	निर्धारित क्रिया विधि के अनुसार
12 क(3), (6) और (7)	समाहर्ता की सहमति पर रोकट खातों आदि का साध्य/सूचना के लिए मांगने की शक्ति नैयतिक बंध-पत्र ख. 1 (प्रतिभूति/प्रतिभू) की	लुट देने वाले समर्थ अधिकारी अधीक्षक	
13	स्वीकृति एवं निर्यात सबूत से सम्बन्धित बंध-पत्र की स्वीकृति।		
14	सामान्य बंध-पत्र तथा निर्यात के सबूत की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
14 क	निर्यात के सबूत को प्रस्तुत न करने पर दायित्व कार्यवाही।	ख 1 बंध-पत्र स्वीकृत करने वाला अधिकारी	
14 क	(ii) आगे निर्यात करने की अनुमति को अस्वीकार करने की शक्ति	उप समाहर्ता	
	(iii) परस्पर (ग) के अधीन की शक्तियां	बन्ध-पत्र स्वीकार करने वाला अधिकारी।	
14 ख(1)	(i) बंध-पत्र की राशि का 50 प्रतिशत तक की अधिक निकासी	सहायक समाहर्ता	
	(ii) बंध-पत्र की राशि का 75 प्रतिशत तक की अधिक निकासी।	उप समाहर्ता	
14 ख(2)	आगे निर्यात को अस्वीकार करने की शक्ति।	उप समाहर्ता	
18 (3)	प्रतिभूति का जमाना करने की शक्ति।	सहायक समाहर्ता।	
27 (1)	लाइसेंस देने, बन्ध-पत्रों तथा अन्य शर्तों से सम्बन्धित शक्तियां।	लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी	
30	प्रारम्भिक बजत	उप समाहर्ता	
38	समाधान एवं पैकेट बनाने के बाद अनिर्मित उत्पादों के लिए आवास प्राप्त करना।	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
43	सूचना की पावती	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
44	घोषणा प्राप्त करने की शक्ति	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
46	चिह्न प्राप्त करने की शक्ति।	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
47(1) एब (3)	भण्डारघर की अनुमति/के लिए छूट	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
48	बंध-पत्र और प्रतिभूति	लाइसेंस देनेवाला प्राधिकारी	
49 (1) 50	अनुपाद शुल्कधारक मालों को हटाने की अनुमति।	अधीक्षक	
51	(i) एस० आर० पी० पुस्तक के पैरा 15 के अंतर्गत आने वाले मामलों का स्वरूप	अधीक्षक	समाहर्ता द्वारा निर्धारित क्रियाविधि अनुसार
	(ii) अन्य किस्म के मामले	सहायक समाहर्ता	
52	हटाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की समर्थ सीमा में छूट	सहायक समाहर्ता	
52 (क)	निर्धारित प्रपत्र में गेट पास के बदले में निर्धारित के दस्तावेजों की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
53	वार्यध्यापार न होने की तारीखों में विनिर्माता को आर जी० 1 में प्रविष्टियां न करने की अनुमति	अधीक्षक	
54	अन्य उत्पादों के लिए विवरण लेने की शक्ति	उप समाहर्ता	
56 (क)	(i) एक विनिर्माता को क्रिया विधि के उपयोग करने की अनुमति देने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
	(ii) अनुमति वापस लेना।	उप समाहर्ता	
56 (ख)	अनुमति देना	सहायक समाहर्ता	
65 (3) एब (4)	(1) न्यास पावती और बंध-पत्र आदि	सहायक समाहर्ता	

1	2	3	4
75	कार्यव्यापार के समय का निर्धारण	सहायक समाहर्ता	
85	समाहर्ता द्वारा अधिकांश किये जाने वाले अधिकारी	मुख्यमार्ग/सम्बन्धित क्षेत्र, केन्द्रीय राजस्व निबंधन लेबोरेटरी	
92 क (1)	प्रथम ए० एम० पी० को स्वीकृत करने की शक्ति।	अधीक्षक सहायक समाहर्ता	निर्धारित अवधि के लिए। निर्धारित अवधि से कम समय के लिए।
92 क (3)	निवारण आदि करने को अवधि को माफ करना या निर्धारित करना	सहायक समाहर्ता	
92 क (4)	(i) तबीकरण के आवेदन को स्वीकार करना (ii) निवारण आदि करने की अवधि को माफ करना या निर्धारित करना	अधीक्षक/ सहायक समाहर्ता	15 दिन तक/15 दिन से अधिक
92 ख	शुल्क देयता की संगणना के प्रयोजनों के लिए बन्दी की अवधि को माफ करना	सहायक समाहर्ता	
92 ख (3)	सक्षिप्त अवधि के लिए सूचना स्वीकार करना	अधीक्षक	
92 ग (2)	माप्ताहिक जमा/आवेदन प्रेषण की देरी को माफ करना	अधीक्षक	माप्ताहिक जमा/आवेदन के सम्बन्ध में 2 दिन 1 माहवारी जमा/आवेदन के संबंध में 5 दिन। उपरोक्त अवधि से अधिक
92 ङ (iii)	विशेष क्रियाविधि के उपयोग से वंचित करना	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
92 ञ	विशेष क्रिया विधि के लिए आवेदन न करने की माफी	उप समाहर्ता	
93 ख (iii)	रैपर, आवरण या लेबुलो का अनुमोदन	अधीक्षक	सहायक समाहर्ता और समाहर्ता को भेजे जाने वाले नमूनों का अनुमोदन।
96-घ, 96-च, 96-ङ, 96-ड	नये बंध-पत्र/प्रतिग्रह प्रतिभूति के लिए सामान्य बंध-पत्र और मांगों की अनुमति	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता अधीक्षक	प्रमाण्डल में हटाने के मामले में प्रमाण्डल/समाहर्तालय के बाहर हटाने के मामले में। सभी मामलों में बंध-पत्र की स्वीकृति
96-झ (1)	ए० एम० पी० की स्वीकृति	अधीक्षक	
96-झ (2)	कम अवधि के लिए ए० एम० पी० स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
96-झ (3)	निवारण की अवधि निर्धारित करने के लिए।		
96-झ (4)	(i) प्रपत्र फॉर्म ए० एम० पी० में तबीकरण आवेदन स्वीकार करना (ii) निवारण अवधि का माफ/या निर्धारित करना	अधीक्षक अधीक्षक/सहायक समाहर्ता	15 दिन तक की देरी को माफ करना। 15 दिन से अधिक की देरी को माफ करना।
96-ट (2)	आवेदन देने की देरी को माफ करना	अधीक्षक	मासिक आवेदन की स्थिति में 2 दिन तक तथा वार्षिक आवेदन की स्थिति में 10 दिनों तक। उपरोक्त मामलों में ऊपर।
96-डडड	विशेष क्रिया विधि के लिए आवेदन न करने की माफी	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
96-ण (1)	ए० एम० पी० को स्वीकार करना।	अधीक्षक	
96-ण (2)	ए० एम० पी० को कम अवधि के लिए स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
96-ण (3)	निवारण की अवधि निर्धारित करना।	सहायक समाहर्ता	

1	2	3	4
96-ण (4)	(i) फार्म ए० एस० पी० में नवीकरण के लिए आवेदन स्वीकार करना। (ii) निवारण की अवधि को माफ करना और/या निर्धारित करना।	अधीक्षक अधीक्षक सहायक समाहर्ता	15 दिन तक की बेरी को माफ करना। 15 दिन से अधिक की बेरी को माफ करना।
96-थ (1)	अलग साप्ताहिक आवेदन को अनुमति देने के लिए परम्पुक	सहायक समाहर्ता	
96-थ (2)	आवेदन/जमा देने की बेरी को माफ करना।	सहायक समाहर्ता/अधीक्षक	साप्ताहिक आवेदन/ जमा देने के मामले में एक दिन की और साप्ताहिक/त्रैमासिक आवेदन जमा के मामले में दो दिन की। उपरोक्त सीमा से अधिक।
96-प	विशेष क्रिया विधि के लिए आवेदन न देने की माफी	उप समाहर्ता	
96-ण (1)	ए० एस० पी० को स्वीकार करना।	अधीक्षक	
96-ण (2)	कम अवधि के लिए ए० एस० पी० स्वीकार करना।	सहायक समाहर्ता	
96-ण (3)	निवारण की अवधि निर्धारित करना।	सहायक समाहर्ता	
96-ण (4)	(i) फार्म ए० एस० पी० में नवीकरण के लिए आवेदन स्वीकार करना (ii) निवारण की अवधि को माफ करना और/या निर्धारित करना	अधीक्षक अधीक्षक/सहायक समाहर्ता	15 दिन तक की बेरी को माफ करना। 15 दिन से अधिक की बेरी को माफ करना।
96-य (2)	आवेदन देने की बेरी को माफ करना	अधीक्षक/सहायक समाहर्ता	5 दिनों तक की/उपरोक्त सीमा से अधिक
96-यययय	विशेष क्रिया विधि के लिए आवेदन न देने की माफी।	उप समाहर्ता	
96-यज (1)	ए० एस० पी० स्वीकार करना	अधीक्षक	
96-यज (2)	कम अवधि के लिए ए० एस० पी० को स्वीकार करना।	सहायक समाहर्ता	
96-यज (3)	निवारण की अवधि निर्धारित करना	सहायक समाहर्ता	
96-यज (4)	(i) फार्म ए० एस० पी० में नवीकरण के लिए आवेदन (ii) निवारण की अवधि को माफ करना और/या निर्धारित करना	अधीक्षक अधीक्षक/सहायक समाहर्ता।	15 दिन तक की बेरी को माफ करना। 15 दिन से अधिक की बेरी को माफ करना।
96-यज (4)	भुगतान करने के हग और बेरी को माफ करना	अधीक्षक / सहायक समाहर्ता	5 दिन तक उपरोक्त सीमा से अधिक।
96-यड	विशेष क्रिया विधि के लिए आवेदन न देने की माफी।	उप समाहर्ता	
97 एब 97-क	(1) अनुदान की राशियाँ और गमाहर्ता की सहमति (ii) सालों की आपसी के लिए अवधि विस्तार	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
100	मृत्तक वापस करने की समाहर्ता की शक्ति।	सहायक समाहर्ता	
140	(1) भाण्डारण उपलब्ध करने के लिए लाइसेंस देना और नये बन्धन/प्रतिभूति के लिए मांग करना।	लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी	

1	2	3	4
	(ii) लाइसेंस को समाप्त करना और मालों को हटाने का निवेश ।	सहायक समाहर्ता या लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी यदि वह सहायक समाहर्ता से बड़े स्तर का हो ।	
145	तम्बाकू में भिन्न बस्तुओं के भाण्डागारण की अवधि का बढ़ाने की शक्ति	अधीक्षक	नियम के धारा (क) के अधीन
15.3	बन्ध-पत्र के याच हटाने की अनुमति की शक्ति और बन्ध-पत्र की स्वीकृति ।	सहायक समाहर्ता निरीक्षक	नियम के धारा (ख) के अधीन
15.1	बन्ध-पत्र में मालों को हटाने की अनुमति, बन्ध पत्र की स्वीकृति और नये बन्ध-पत्र/प्रतिभूति की मांग की शक्ति ।	अधीक्षक	
16.1	(i) व्यक्तिगत बन्धपत्र का निष्पादन । (ii) सामान्य बन्धपत्र का निष्पादन और नये बन्धपत्र प्रतिभूति/प्रतिभू की मांग ।	अधीक्षक सहायक समाहर्ता	
165 (2)	अग्रिम भुगतान की मांग	अधीक्षक	
169	भाण्डागार रखने वाले की नियुक्ति	उपसमाहर्ता	
173 (11-क)	आगू खाते से रकम निकालने की अनुमति	सहायक समाहर्ता	समाहर्ता द्वारा निर्धारित क्रिया विधि के अनुसार ।
173-ख (2) (ii)	गेट पास में दर तथा शुल्क की रकम न दिखाने की अनुमति देने की शक्ति	उपसमाहर्ता	
173 (ठ) और (ड)	(i) मालों की वापसी की अवधि को बढ़ाने की शक्ति (ii) समाहर्ता की अन्य शक्तियाँ	उपसमाहर्ता सहायक समाहर्ता	समूह (स्टोरेज) के बारे में शिथिल-करण समाहर्ता के द्वारा दिया जायेगा ।
173 (ब) (5)	बन्ध-पत्र की शर्तें	अधीक्षक	
173 (ड) (6)	पुनर्भाण्डागारण के प्रमाणपत्र के लिए समय बढ़ाने की शक्ति	उपसमाहर्ता	
173 (ण) (1)	(i) धक निर्धारित करने की शक्ति (ii) कम अवधि में उचित अधिकारी को पैकेज प्रस्तुत करना	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	
180	लाइसेंस में परिवर्तन या प्रतिस्थापना ।	लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी	
185	(i) किसी अन्य ढग बिपणन करने की अनुमति की शक्ति (ii) पैकेज प्रस्तुत करने के लिए कम अवधि निर्धारित करने के लिए समाहर्ता की शक्ति	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	
189, 189 (क) 189(ख) 191	शुल्क वापस स्वीकृत करने की शक्ति (i) सूत्र (फार्मुला) का अनुमोदन तथा छूट की समाप्ति (ii) समाहर्ता की स्थापना व्यय और छूट प्रस्वीकार करने की शक्ति को छोड़कर अन्य शक्तियाँ	सहायक समाहर्ता उपसमाहर्ता सहायक समाहर्ता	
191 (क)	तीन माह में अधिक समय बढ़ाना [उपनियम (7) प्रतिभूति का समापन] उपनियम (12) सूत्र का अनुमोदन समाहर्ता की अन्य शक्तियाँ लेकिन उपनियम (7 क) और (16) के अन्तर्गत की शक्तियों और छूट को प्रस्वीकार करने की शक्ति को छोड़कर	उपसमाहर्ता सहायक समाहर्ता	

1	2	3	4
191 (ख)	(i) रही/कचरा को नष्ट करना और शूलक को छूट (ii) शूल का अनुमोदन। (iii) उपनियम (4क) के अधीन, छूट और स्थापना व्यय को अस्वीकार करने की समाहर्ता की शक्तियों को छोड़कर सभी अन्य शक्तियाँ।	उप समाहर्ता सहायक समाहर्ता	
192	(i) अनुदान की अनुमति देने की शक्ति। (ii) लाइसेंस जारी करने और बंधपत्र की शक्ति और प्रतिभूति निर्धारित करने की शक्ति।	छूट अधिसूचना में उल्लिखित अधिकारी लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी	
193	पैकिंग करने का ढंग।	सहायक समाहर्ता	
196	(i) छूट हटा लेना (ii) प्रतिभूति और वडनीय कार्यवाई का समापन।	उप समाहर्ता न्याय-निर्णयन करने के लिए सक्षम अधिकारी	
206 (3)	(i) समापनार्थ यात्रियों का बन्ध-पत्र और प्रतिभूति पर अनन्तिम निर्युक्ति (ii) समापनार्थ सामानों का बन्ध पत्र और प्रतिभूति पर अनन्तिम निर्युक्ति	सहायक समाहर्ता या सहायक समाहर्ता से छोटे पक्की का न्याय-निर्णयन अधिकारी। न्याय-निर्णयन अधिकारी।	
210-क	डोष को बटाने और योगिक फीस को निर्धारित	(i) उपसमाहर्ता (ii) सहायक समाहर्ता (iii) अधीक्षक	मूल्य घना सीमा के प्रति मामले में योग करने की फीस 1500 रु० तक मूल्य 5000 रु० योगिक फीस 750 रु० मूल्य 1000 रु० योगिक फीस 250 रु०
212	(i) जस्त किये मालों की बिजरी (ii) जस्त मालों का वितरण	सहायक समाहर्ता या न्याय-निर्णयन अधिकारी यदि सहायक समाहर्ता से छोटा पत्र हो। मालों का मूल्य छूट/शूलक माफ करने के लिए समर्थ अधिकारी।	
212-क	भाण्डागारण प्रसार का भुगतान	न्याय-निर्णयन अधिकारी	
222	नयी बाधणा प्राप्त करने की शक्ति	उप समाहर्ता	
223-क	माप का वार्षिक हिसाब-किताब	सहायक समाहर्ता	
224 (1)	निर्धारित समय के बाव और छुट्टी के दिन माल भेजने की अनुमति	अधीक्षक	
227	माप (स्केल्स), बाट और वजन करने की मशीन आदि के लिए प्रावधान	सहायक समाहर्ता	
229	(i) कार्यालय के लिए जगह (आवास) प्राप्त करने की शक्ति (ii) निवास के लिए स्थान प्राप्त करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
230	मालों, यंत्रों और मशीन आदि की रक्काबट	सहायक समाहर्ता	

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE,
CALCUTTA

Calcutta, the 27th February, 1981

S.O. 1540.—In exercise of the powers conferred upon me by Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby authorise the officers shown in column 3 of the enclosed statement to exercise the powers of the Collector within their respective jurisdictions under the various Rules enumerated in column 1 and nature of power delegated specified in column 2, of the said Statement subject to the restrictions set out in column 4 thereof.

As regards delegations of powers on remission of duty under various Rules the existing delegation of powers will remain in force till such time further authorisation is issued.

In view of this Notification, delegation of powers authorised previously under different Notifications and under various Rules shown in column 1 of the enclosed statement shall be deemed to be cancelled

Encls : As above.

(20 shuts)

Statement showing delegation of Collector's powers under Central Excise Rules, 1944

Central Excise Rules	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitations
1	2	3	4
3	Approval of authorised person/agent	Superintendent	
9(1)	(i) Specifying places where excisable goods are produced, cured or manufactured and premises appurtenant thereto.	Licensing authority	
	(ii) Permission to open account current	Superintendent.	
9(1A)	Withdrawal of amount from account Current	Asstt. Collector	Subject to procedure prescribed by the Collector.
9B(3)	Acceptance of general bond and demand for additional bond or additional security.	Asstt. Collector	
12A(3), (6) & (7)	Satisfaction of Collector Power to call for evidence/information/books of account etc.	Officer competent to grant rebate.	
13	Acceptance of individual bond B.1 (Security/Surety) & acceptance of proof of export in respect of such bond.	Superintendent.	
14	Acceptance of general bond and proof of export.	Asstt. Collector	
14A	(i) Penal action for failure to produce proof of export.	Officer accepting B.1 bond.	
	(ii) Power to refuse permission to make further export.	Deputy Collector	
	(iii) Powers under proviso (C)	Officer accepting the bond.	
14B(1)	(i) Over-drawal upto 50% of the bond amount.	Asstt. Collector	
	(ii) Over-drawal upto 75% of the bond amount.	Deputy Collector.	
14B(2)	Power to refuse further export	Deputy Collector.	
18(3)	Power to forfeit security	Assistant Collector	
27(1)	Powers regarding licensing, bonds and other conditions.	Licensing authority.	
30	Preliminary weighing	Deputy Collector	
38	Securing accommodation for unmanufactured products after curing & packing.	Licensing authority.	
43	Receipt of Notice	Licensing authority.	
44	Power to require declaration.	Licensing authority.	
46	Power to require marking.	Licensing authority.	
47(1) & (3)	Exemption for/approval of store room.	Licensing authority.	
48 49(1)	Bond and security.	Licensing authority.	
50	Permission to remove non-excisable goods.	Superintendent.	
51-A	(i) Type of cases covered by Para 15 of SRP Hand Book.	Superintendent	Subject to the procedure prescribed by the Collector.
	(ii) Other type of cases.	Asstt. Collector.	

1	2	3	4
52	Reduction in time limit for putting in application for removal.	Asstt. Collector	
52A	Acceptance of assessee's documents in lieu of gate pass in prescribed form.	Asstt. Collector.	
53	Permission to manufacturer not to make entries in RG. 1 on dates when there is no transaction.	Superintendent.	
54	Power to require return for other products.	Deputy Collector.	
56A	(i) Power to permit a manufacturer to avail of the procedure. (ii) Withdrawal of permission	Asstt. Collector. Deputy Collector.	
56B	Grant of permission.	Asstt. Collector.	
65(3) & (4)	Trust receipt and bond etc. Fixing number of banderols.	Asstt. Collector. Superintendent.	
75	Prescribing hours for transaction	Asstt. Collector	
85	Officer to be empowered by the Collector	Chief Chemist/Incharge Central Rev. Control Laboratory of the respective area.	
92A(1)	Power to accept first ASP	Superintendent Asstt. Collector	For the prescribed period. For a period less than the prescribed one.
92A(3)	To condone or determine the period of preclusion etc.	Asstt. Collector	
92A(4)	(i) Acceptance of renewal application (ii) To condone or determine the period of preclusion etc.	Superintendent. Superintendent Asstt. Collector	Up to 15 days Beyond 15 days.
92B	Exclusion of the period of closer for purposes of computing duty liability	Asstt. Collector.	
92B(3)	Accepting notice for shorter period.	Superintendent.	
92C(2)	To condone delay in weekly deposits/ submission of application.	Superintendent Asstt. Collector	Upto 2 days in respect of weekly deposits/application. Upto 5 days in respect of monthly deposits/application. Beyond the period mentioned above.
92E(iii)	To debar availing of special procedure	Deputy Collector	
92F	To condone failure to apply for Special Procedure.	Deputy Collector.	
93(b) (iii)	Approval of wrapper, outer covering or labels.	Superintendent	Approved specimen to be sent to Assistant Collector and Collector.
96-D 96-DD 96-E 96-EE	Permission for general bond and demands for fresh bond/additional security.	Asstt. Collector Deputy Collector Superintendent	In case of removal within the division. In case of removal outside the division/collectorate. Acceptance of bond in all cases.
96-I(1)	To accept A.S.P.	Superintendent	
96-I(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asstt. Collector	
96-I(3)	To determine period of preclusion	Assistant Collector.	
96-I(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P. (ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent Superintendent Asstt. Collector	For condoning delay not exceed- ing 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-K(2)	To condone delay in making the application	Superintendent Assistant Collector	Upto two days in case of quarterly application and 10 days in case of annual appli- cation. Beyond above limits.

1	2	3	4
96-MMMM	To condone failure to apply for Special Procedure.	Deputy Collector.	
96-O(1)	To accept A.S.P.	Superintendent.	
96-O(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Assistant Collector.	
96-O(3)	To determine period of preclusion	Assistant Collector.	
96-O(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent Assistant Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-Q(1) Proviso	To permit separate weekly application	Assistant Collector	
96-Q(2)	To condone delay in making applications/ deposit.	Superintendent. Assistant Collector	Upto one day in case of weekly application/deposit and two days in the case of monthly/ quarterly application/deposits. Beyond above limits.
96-U	To condone failure to apply for Special Procedure.	Deputy Collector.	
96-Y(1)	To accept A.S.P.	Superintendent.	
96-Y(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Assistant Collector.	
96-Y(3)	To determine period of preclusion	Assistant Collector.	
96-Y(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent. Assistant Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-Z(2)	To condone delay in making application	Superintendent Asstt. Collector	Upto 5 days. Beyond above limits.
96-ZZZZ	To condone failure to apply for Special Procedure.	Deputy Collector.	
96-ZH(1)	To accept A.S.P.	Superintendent.	
96-ZH(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Assistant Collector.	
96-ZH(3)	To determine period of preclusion	Assistant Collector	
96-ZH(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent Asstt. Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-ZI(4)	To condone manner of and delay in making payment.	Superintendent Asstt. Collector	Upto 5 days. Beyond above limits.
96-ZM	To condone failure to apply for Special Procedure.	Deputy Collector.	
97 & 97A	(i) Grant of refund and satisfaction of Collector.	Assistant Collector.	
	(ii) Extension of period for return of the goods.	Deputy Collector.	
100	Collector's powers to refund duty.	Assistant Collector.	
140	(i) Licensing to provide warehousing and demand for a fresh bond/security.	Licensing Authority.	
	(ii) Revocation of licence and direction for removal of goods.	Assistant Collector or Licensing Officer if he is senior in rank to the Assistant Collector.	

1	2	3	4
145	Power to extend warehousing period of goods other than tobacco.	Superintendent Assistant Collector	Under clause (a) of the rule. Under clause (b) of the rule.
153	Power to allow in-bond movement and acceptance of bond.	Inspector.	
154	Power to allow in-bond movement of goods acceptance of bond and demand for fresh bond/security.	Superintendent.	
164	(i) Execution of individual bond (ii) Execution of general bond and demand for fresh bond/security/surety.	Superintendent. Assistant Collector.	
165(2)	Demand for advance payment.	Superintendent.	
169	Appointment of Warehouse-keeper	Deputy Collector	
173(1A)	Permission to withdraw amount from account current.	Assistant Collector	Subject to observance of the procedure prescribed by the Collector.
173G(2)(ii)	Power to permit assessee not to show rate and amount of duty on gate pass.	Deputy Collector	
173(L) & (M)	(i) Power to extend the period for return of goods. (ii) Collector's other powers	Deputy Collector. Assistant Collector.	Relaxation regarding storage be granted by the Collector.
173(N)(5)	Conditions of bond	Superintendent.	
173(N)(6)	Power to extend time for re-warehousing certificate.	Deputy Collector	
173(O)(1)	(i) Power to prescribe marks (ii) Presentation of packages to proper officer within shorter period.	Assistant Collector Superintendent.	
180	Alteration or substitution of licence.	Licensing Authority.	
185	(i) Power to permit marketing in any other manner. (ii) Collector's power to prescribe shorter period for presentation of packages.	Assistant Collector. Superintendent.	
189 } 189-A } 189-B }	Power to sanction refund.	Assistant Collector.	
191	(i) Approval of formula and withdrawal of concession. (ii) Other powers of the Collector except power to fix establishment cost and refuse concession.	Deputy Collector. Assistant Collector.	
191—A	Extension of time beyond three month. [Sub-rule (7)] Forfeiture of security [Sub-rule (12)] Approval of formula. Other powers of the Collector except powers under sub-rules (7A) & (16) and refusal of concession.	Deputy Collector. Assistant Collector.	
191—B	(i) Destruction of waste/refuse and remission of duty. (ii) Approval of formula. (iii) All other powers—except powers under sub-rule (4A), refusal of concession and establishment cost.	Deputy Collector. Assistant Collector.	
192	(i) Power to grant permission (ii) Power to issue licence, and fixing bond amount and security.	Officer mentioned in the remission notification. Licensing Authority.	
193	Manner of packing.	Assistant Collector.	

1	2	3	4
196	(i) Withdrawal of concession (ii) Forfeiture of security and other penal action.	Deputy Collector. Officer competent to adjudicate.	
206(3)	(i) Provisional release of seized vehicles on bond and security (ii) Provisional release of seized goods on bond and security.	Assistant Collector or the Adjudicating Officer lower in rank to the Assistant Collector. Adjudicating Officer.	
210-A	Power to compound an offence and fix compounding fee.	(i) Deputy Collector. (ii) Assistant Collector. (iii) Superintendent.	Value—Without limit. Compounding fee not exceeding Rs. 1500/- in each case. Value—Rs. 5,000. Compounding fee—Rs. 750. Value—Rs. 1000. Compounding fee—Rs. 250.
212	(i) Sale of confiscated goods (ii) Destruction of confiscated goods.	Assistant Collector or the Adjudicating Officer if lower in rank to the Assistant Collector. Officer competent to write off/commission value/duty of the goods	
212-A	Payment of storage charges	Adjudicating Officer.	
222	Power to require a new declaration.	Deputy Collector.	
223-A	Annual stock-taking	Assistant Collector.	
224(1)	Permission to deliver goods beyond fixed hours and on holidays.	Superintendent.	
227	Provision for scales, weights and weighing machines etc.	Assistant Collector.	
229	(i) Power to require office accommodation (ii) Power to require residential accommodation.	Assistant Collector. Deputy Collector.	
230	Detection of goods, plants and machinery etc.	Assistant Collector.	

[Notification No. 1/C.E./1981/C.No. IV(8)1-CE/81]

B.N. RANGWANI, Collector.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तारण

अधिसूचना

कानपुर, 20 मार्च, 1981

का०अ० 1541]—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अंतर्गत प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं सलग्न सारणी के कालम 3 के अंतर्गत उल्लिखित पदों के अधिकारियों को कालम एक के अंतर्गत उल्लिखित समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की शक्तियों का अपने-अपने क्षेत्राधिकार में उपयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ जहाँ तक किये (शक्तियों) सारणी के कालम 2 में वर्णित शक्तियों से सम्बन्धित हैं और सारणी के कालम 4 में वर्णित शर्तों और सीमाओं का अनुसरण करती हैं।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अंतर्गत इस समाहर्तारण में यह अधिसूचना सभी पूर्व अधिसूचनाओं का अधिकरण करते हुए जारी की जाती है।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के अंतर्गत समाहर्ता की शक्तियों के प्रत्यायोजन की दृष्टि वाली धिक्करी

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली	प्रत्यायोजित शक्तियों की प्रकृति	जिस अधिकारी को प्रत्यायोजित की गई	सीमाएं
1	2	3	4
3	प्राधिकृत व्यक्ति/एजेंट का अनुमोदन	अधीक्षक	
9(1)	(1) उन स्थानों और साथ लगे परिसर को विनिर्दिष्ट करना जहाँ शुल्क योग्य माप का उत्पादन सम्पादन या विनिर्माण किया जाता है	अनुज्ञापन (लाइसेंस दाता) प्राधिकारी	
9(1 क)	(i) बाह्य स्थानों से राशि की निष्पत्ति (ii) बाह्य स्थानों को खोलने की अनुमति	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	समाहर्ता के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अधीन समाहर्ता द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अधीन

1	2	3	4
9(बी) (3)	साधारण बंध पत्र की अनुमति स्वीकृति और अतिरिक्त बंधपत्र या प्रतिभूति मांगना		
12 क (3) (6) (7)	समाहर्ता का समाधान	छूट देने के लिए सक्षम अधिकारी	
6 और 7	माध्य/सूचना/लिखा पुस्तको इत्यादि को मगाने की शक्ति		
13	अक्षिणत बाण्ड की प्रतिभूति/प्रतिभू की स्वीकृति और ऐसे बाण्ड के सम्बन्ध में नियमित के प्रमाण की स्वीकृति	अधीक्षक	
14	सामान्य बाण्ड और नियमित प्रमाण की स्वीकृति	सहायक समाहर्ता	
14 क	नियमित प्रमाण प्रस्तुत न किए जाने पर दण्डान्तरक कार्यवाई	बी-1 बाण्ड स्वीकार करने वाले अधिकारी	
14 क	(ii) और नियमित करने की अनुमति प्रदान न करने की शक्ति	उप समाहर्ता	
	(iii) परन्तुक (ग) के अंतर्गत शक्तिया	बाण्ड स्वीकार करने वाले अधिकारी	
14 ख (1)	(i) 50 प्रतिशत बाण्ड राशि की अधिक निकासी	सहायक समाहर्ता	
	(ii) 75 प्रतिशत तक की बाण्डों की राशि की अधिक निकासी	उप समाहर्ता	
14 ख (2)	और नियमित को मना करने की शक्ति	उप समाहर्ता	
18 (3)	प्रतिभूति राशि जप्त करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
27 (1)	अनुज्ञापन, बाण्ड और अन्य शर्तों सम्बन्धी शक्तिया	अनुज्ञापन अधिकारी	
30	प्रारंभिक नाप-तोला	उप समाहर्ता	
38	गन्नाधन और पैकिंग के बाद अक्षिनिर्मित माल रखने के लिए स्थान (गोदाम) प्राप्त करना नोटिस की पावती	अनुज्ञापन अधिकारी	
43	नोटिस की पावती	अनुज्ञापन अधिकारी	
44	प्राप्त करने की घोषणा की शक्ति	अनुज्ञापन अधिकारी	
46	खिन्हू खराने की शक्ति	अनुज्ञापन प्राधिकारी	
47	(1) और (3)		
47 (1) और (3)	गोदाम के अनुमोदन/छूट	अनुज्ञापन प्राधिकारी	
48	बाण्ड और प्रतिभूति	अनुज्ञापन प्राधिकारी	
50	अशुल्क माल को हटाने की अनुमति	अधीक्षक	
50 क	(i) बी०ई०एम० के पैरा 101 के अंतर्गत आने वाले शुल्क योग्य विनिर्मित उत्पादन के अन्य प्रकार के मामले	अधीक्षक	बी०ई०एम० या समाहर्ता द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार
	(ii) अन्य प्रकार के मामले	सहायक समाहर्ता	
52	(माल) हटाने के लिए अवेदन पत्र प्रस्तुत करने में समय सीमा में कमी करना	सहायक समाहर्ता	
52 क	निर्धारित प्रपत्र में गेट पास के बदले में निर्धारित के दस्तावेजों को स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
53	उन तरीकों को जब कोई कार्य व्यापार नहीं हुआ है विनिर्माता को अंग्रेजी में प्रविष्टियां न करने की अनुमति देना	अधीक्षक	
54	अन्य उत्पादनों के लिए शिक्करणी मांगने की शक्ति	उप समाहर्ता	
56 क	(i) विनिर्माता को प्रक्रिया के उपभोग की अनुमति प्रदान करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
	(ii) ऐसी अनुमति के प्रत्याहार (वापसी) की शक्ति	उप समाहर्ता	
56 ख	अनुमति प्रदान करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
65(3) और (4)	व्याम पावती और बाण्ड इत्यादि	सहायक समाहर्ता	
71 (3)	दण्ड राशियों की संख्या नियत करना	अधीक्षक	

1	2	3	4
75	कार्य व्यापार के लिए घंटे निर्धारित करना	सहायक समाहर्ता	
85	समाहर्ता द्वारा सशक्त किए जाने/अधिकार दिए जाने वाला अधिकारी	मुख्य रासायनिक/प्रभारी सम्बन्धित क्षेत्र की केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला	
92 क (1)	प्रथम ए०एस०पी० को स्वीकार करने की शक्ति	अधीक्षक	निर्धारित अवधि के लिए
92 क (3)	निवारण इत्यादि की अवधि का निश्चय करना या मार्जन करना	सहायक समाहर्ता	निर्धारित अवधि से कम के लिए
92 क (4) (i)	नवीकरण प्रार्थना पत्र को स्वीकार करना	अधीक्षक	
	(ii) निवारण इत्यादि की अवधि का निश्चय करना या मार्जन माफ करना	अधीक्षक (15 दिन तक) सहायक समाहर्ता (15 दिन से अधिक)	
92 ख	शुल्क देयता की गणना करने के लिए कार्य बन्द रहने की अवधि का दर्ज करना।	सहायक समाहर्ता	
92 ख (3)	कम अवधि के लिए नोटिस स्वीकार करना	अधीक्षक	
92 ग (2)	साप्ताहिक जमा कराने/आवेदन प्रस्तुत करने में त्रुटि बेरी को माफ करना	अधीक्षक	साप्ताह में जमा कराने के सम्बन्ध में दो दिन तक और माह में जमा कराने के सम्बन्ध में पांच दिन तक
		सहायक समाहर्ता	उपरिलिखित अवधि के परे
92 (क) (iii)	विशेष प्रक्रिया के उपभाग से व्रजित करना	उप समाहर्ता	
92 (ख)	विशेष प्रक्रिया के लिए आवेदन न कर पाने की स्थिति में माफ करना	उप समाहर्ता	
93 (ख) (iii)	लपेटन, बाहर के कंवर या लेबलों का अनुमोदन	अधीक्षक	सहायक समाहर्ता और समाहर्ता को अनुमोदित नमूने भेजना
96 घ } 96 घघ } 96 ङ }	सामान्य बाण्ड मांगने/नए बाण्ड/अतिरिक्त प्रतिभूति मांगने के लिए अनुमति	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	मण्डल क्षेत्र के अन्दर माल हटाये जाने के मामलों में मण्डल/समाहर्तालय क्षेत्र से बाहर माल हटाए जाने के मामलों में
96 ङ		अधीक्षक	सभी मामलों में बाण्ड की स्वीकृति
96 ञ (1)	ए०एस०पी० को स्वीकार करना	अधीक्षक	
96 ञ (2)	कम अवधि के लिए ए०एस०पी० को स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
96 ञ (3)	निवारण की अवधि को निश्चित करना	सहायक समाहर्ता	
96 (न) (4)	(i) फार्म ए०एस०पी० में नवीकरण आवेदन को स्वीकार करना।	अधीक्षक	15 दिन तक की बेरी को माफ करना
	(ii) निवारण की अवधि को निश्चित करना/माफ करना	सहायक समाहर्ता	15 दिन से अधिक विलम्ब को माफ करना
96 ङ (2)	आवेदन करने/बेने में देरी हो जाने पर माफी	अधीक्षक	त्रैमासिक आवेदन के मामले में 2 दिन तक और वार्षिक आवेदन के मामले में 10 दिन तक
		सहायक समाहर्ता	उक्त सीमा से परे (अधिक)
96 ङङङ	विशेष प्रक्रिया के लिए आवेदन न करने पर माफी	उप समाहर्ता	
96 (0) (1)	ए०एस०पी० स्वीकार करना	अधीक्षक	
96 (0) (क) (2)	कम अवधि के लिए ए०एस०पी० स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
96 (0) (3)	निवारण की अवधि निश्चय करना	सहायक समाहर्ता	
96 (0) (4)	(i) फार्म ए०एस०पी० में नवीकरण आवेदन को स्वीकार करना	अधीक्षक	15 दिन से अधिक विलम्ब
	(ii) निवारण की अवधि को निश्चित करना या माफ करना	सहायक समाहर्ता	15 दिन से अधिक विलम्ब
96 प (1)	परन्तुक, अलग से साप्ताहिक आवेदन करने की अनुमति	सहायक समाहर्ता	

1	2	3	4
96(घ)(2)	आवेदन करने/घतराशि जमा करने में देरी होने पर माफी	अधीक्षक	माप्ताहिक आवेदन/राशि जमा के मामले में 1 दिन और मासिक/त्रैमासिक आवेदन/राशि जमा के मामले में 2 दिन तक। उक्त अवधि से परे (अधिक)
96 म (3)	विशेष प्रक्रिया के लिए आवेदन न करने पर माफी	सहायक समाहर्ता	
96 म आई (1)	ए०एस०पी० स्वीकार करना	उप समाहर्ता	
96 म (वाई) (2)	कम अवधि के लिए ए०एस०पी० स्वीकार	अधीक्षक	
96 म (वाई) (3)	निवारण की अवधि को निश्चित करना	सहायक समाहर्ता	
96 म (वाई) (4)	(i) फार्म ए०एस०पी० में नवीकरण आवेदन स्वीकार करना (ii) निवारण की अवधि को निश्चित/माफ करना	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	15 दिन से अधिक देरी माफ करना 15 दिन में अधिक देरी माफ करना
96 म (जेड) (2)	आवेदन करने में देरी के लिए माफी	अधीक्षक	उक्त अवधि से परे
96 म म (जेड जेड जेड)	विशेष प्रक्रिया के लिए आवेदन न कर पाने पर माफी	उप समाहर्ता	
96 म ज (जेड एच) (1)	ए०एस०पी० को स्वीकार करना	अधीक्षक	
96 म ज (जेड एच) (2)	कम अवधि के लिए ए०एस०पी० स्वीकार करना	सहायक समाहर्ता	
96 म ज (जेड एच) (3)	निवारण की अवधि को निश्चित करना	सहायक समाहर्ता	
96 म ज (जेड एच) (4)	(i) ए०एस०पी० फार्म में नवीकरण आवेदन स्वीकार करना (ii) निवारण की अवधि को निश्चित करना/माफ करना।	अधीक्षक अधीक्षक	15 दिन से अधिक देरी माफ करना। 15 दिन से अधिक देरी माफ करना
96 म झ (जेड आई) 4	सुगम बनाने की रीति/विनम्ब का मार्जन (माफी)	सहायक समाहर्ता	5 दिन तक उक्त सीमा से अधिक
96 म (जेड एम) 5	विशेष प्रक्रिया के लिए आवेदन न कर पाने पर माफी	उप समाहर्ता	
97 और 97 क	(i) धन आपसी की स्वीकृति और समाहर्ता का समाधान (ii) माल की आपसी के लिए अवधि का बढ़ाना	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
1000	गुल्फ आपसी के लिए समाहर्ता की शक्तियों के लिए लाइसेंस देना।	सहायक समाहर्ता	
140	(i) गोदाम और तग बाण्ड के लिए लाइसेंस देना/प्रतिभूति के लिए मांग करना (ii) लाइसेंस का प्रति संहण और माल के हटाने के लिए निर्वेश	अनुशासन प्राधिकारी सहायक समाहर्ता या अनुशासन प्राधिकारी यदि वह सहायक समाहर्ता से बरिण्ड वर्ग का हो।	
145	सम्बाध के अतिरिक्त माल को गोदाम में रखने की अवधि को बढ़ाने की शक्ति	अधीक्षक	नियम के खण्ड (क) के अंतर्गत
153	बंध पत्र के अधीन माल परिवहन की अनुमति देने और बाण्ड स्वीकार करने की अनुमति देने की शक्ति	सहायक समाहर्ता निरीक्षक	नियम के खण्ड (ख) के अंतर्गत
154	बाण्ड को स्वीकार करने/माल को बंध पत्र के अधीन ले जाने की अनुमति देने/प्रतिभूति मांगने की शक्तियाँ	अधीक्षक	
164	(i) व्यक्तिगत बाण्ड का निष्पादन (ii) सामान्य बाण्ड और तग बाण्ड/प्रतिभूति/प्रतिभू मांगना	अधीक्षक सहायक समाहर्ता	
165 (2)	अग्रिम अवधारणा के लिए मांग करना	अधीक्षक	
169	अण्डाशयपालन की नियुक्ति	उप समाहर्ता	
173 (1 क)	चार्ज खाते में घतराशि को निकालने की अनुमति	सहायक समाहर्ता	समाहर्ता द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुपालन करने हुए।

1	2	3	4
173 छ (जी 1 (2) (ii)	निर्धारित की गेट पास पर शुल्क दर और राशि न अंकित करने (दिखाने) की अनुमति देने की शक्ति	उप समाहर्ता	
183 (एन) और (एम) ठ ड	(i) माय की आपसी के लिए अवधि को बढ़ाने की शक्ति (ii) समाहर्ता की अन्य शक्तियाँ	उप समाहर्ता सहायक समाहर्ता	समाहर्ता की स्टोर में रखने की शक्तियाँ रियायत (छूट) दे सकेगे।
173 (एन) और (एम) ड ड	बाण्ड की शर्तें	अधीक्षक	
173 (एम) (6) ड	पुनः गोदाम (भण्डारण) प्रमाण-पत्र के लिए समय बढ़ाने की शक्ति	उप समाहर्ता	
173 (0) (1) ण	(i) चिन्ह निर्धारित करने की शक्ति (ii) कम अवधि के अन्दर उचित अधिकारी के समक्ष पैकेजों को प्रस्तुत करना	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	
180	लाइसेंस का परिवर्तन या प्रविस्थापन	अनुज्ञापन प्राधिकारी	
185	(i) किसी अन्य तरीके से विपणन की अनुमति देने की शक्ति (पैकेजों को प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित करना कम अवधि में समाहर्ता की शक्ति के अनुसार)	सहायक समाहर्ता अधीक्षक	
189	स्वीकृत प्रतिबाय स्वीकृत करने की शक्ति	सहायक समाहर्ता	
189 क			
189 ख			
191	(i) सूत्र (फार्मूला) का अनुमोदन और छूट आपस लेने की शक्ति (ii) संस्थान (कर्मियों) की लागत तय करना तथा छूट (रियायत) देने के अतिरिक्त समाहर्ता की अन्य शक्तियाँ	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता सहायक समाहर्ता	
191 क	तीन महीने से अधिक की अवधि बढ़ाना (उप नियम 7) } प्रतिभूति का समापहरण (उप नियम 12) फार्मूला का } अनुमोदन }	उप समाहर्ता	
	उप नियम (7 क) और 16 के अतिरिक्त समाहर्ता की अन्य शक्तियाँ तथा रियायत न देना।	सहायक समाहर्ता	
191 ख	(i) रद्दी माल/कचराओं को पष्ट करना और शुल्क समाप्त (माफ करना) करना। (ii) फार्मूलों का अनुमोदन (iii) उपनियम 4 (क) के अतिरिक्त अन्य सभी शक्तियाँ रियायत देने से इन्कार करना और संस्थान लागत	उप समाहर्ता सहायक समाहर्ता	
192	(i) अनुमति देने की शक्ति (ii) लाइसेंस देने बाण्ड राशि और प्रतिभूति नियत करने की शक्ति	अनुज्ञापन प्राधिकारी	
193	पैकिंग करने का ढग	सहायक समाहर्ता	
196	(i) छूट रियायत को आपस लेना (ii) प्रतिभूति का समापहरण और दण्डात्मक कार्रवाई	उप समाहर्ता अधिकारी जो न्याय निर्णयन करने को सक्षम हों	
206-3	(i) बाण्ड और प्रतिभूति पर अभिगृहीत खाने की अनन्तिम मुक्ति (ii) बाण्ड और प्रतिभूति पर अभिगृहीत मास की अनन्तिम मुक्ति	सहायक समाहर्ता या न्याय निर्णयन अधिकारी जो सहायक समाहर्ता के पद से नीचे हों। न्याय निर्णयन अधिकारी	

1	2	3	4
210 क	अंशका का समझौता और प्रशमन राशि निर्धार करने की शक्ति	(i) उप समाहर्ता (ii) सहायक समाहर्ता (iii) अधीक्षक	मूल्य सीमा दक्षिण प्रशमन शुल्क प्रत्येक मामले में रु० 1500 से अधिक नहीं है। मूल्य 5000 रुपये प्रशमन शुल्क 750 रुपये मूल्य 1000 रुपये प्रशमन शुल्क 250 रु०
212	(i) अधिहरित माल का विज्ञापन (ii) अधिहरित माल को नष्ट करना	सहायक समाहर्ता या न्याय निर्णयन अधिकारी यदि वह सहायक समाहर्ता के पद से नीचे है। माल के मूल्य/शुल्क को बढ़ा-चढ़ाते डालने समाप्त (माफ) करने के लिए सक्षम अधिकारी	
212 क	भण्डागार शुल्क की सहायगी	न्याय निर्णयन अधिकारी	
222	नई घोषणा मागने/कराने की शक्ति	उप समाहर्ता	
223 क	स्टाक की वार्षिक जांच	सहायक समाहर्ता	
224 (1)	नियत घंटों के अलावा और छुट्टियों में माल वितरित करने की अनुमति	अधीक्षक	
227	माप वण्ड, बाटों और तोलन-मशीनों इत्यादि के लिए उपबन्ध करना।	सहायक समाहर्ता	
229	(i) कार्यालय के लिए स्थान पाने की शक्ति (ii) आवासीय स्थान पाने (लिए जाने) की शक्ति	सहायक समाहर्ता उप समाहर्ता	
230	माल, मयक और मशीनरी इत्यादि का प्रवेशन (रोकना)	सहायक समाहर्ता	

[अधिसूचना सं० 2/81/सी० सं० V (30) 97/टी/III/81/10861]

जे० रामकृष्णन, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 20th March, 1981

S.O. 1541.—In exercise of the powers conferred under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I authorise the officers of the rank mentioned under Col. 3 of the table appended below, to exercise within their respective jurisdiction, the powers of the Collector of Central Excise under

Statements showing delegation of collector's powers under Central Excise Rules, 1944

the rules mentioned under col. 1 of the table, so far as they relate to the powers mentioned under col. 2 of the Table subject to conditions and limitations mentioned under col. 4 thereof (Table).

This issues in supersession of all notifications issued under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944.

Encls.—As above.

Central Excise Rules	Nature of power delegated	Officer to whom delegated	Limitations.
1	2	3	4
3	Approval of authorised person/agent	Superintendent.	
9(1)	(i) Specifying places where excisable goods are produced, cured or manufactured and premises appertenant thereto. (ii) Permission to open account current.	Licensing authority Superintendent.	
9(1A)	Withdrawal of amount from account current.	Asstt. Collector.	Subject to procedure prescribed by the collector.
9B(3)	Acceptance of general bond and demand, for additional bond or additional security.	Asstt. Collector.	
12A(3)(6)&(7)	Satisfaction of collector power to call for evidence/information/books of account etc.	Officer competent to grant rebate.	
13	Acceptance of individual bond B.1 (Security/Surety) and acceptance of proof of export in respect of such bond.	Superintendent	

1	2	3	5
14	Acceptance of general bond and proof of export.	Asstt. Collector.	
14A	(i) Penal action for failure to produce proof of export.	Officer accepting B.1 bond.	
14A	(ii) Power to refuse permission to make further export.	Deputy Collector.	
	(iii) Powers under proviso (C).	Officer accepting the bond.	
14(1)	(i) Over-draw up to 50 % of the bond amount.	Asstt. Collector.	
	(ii) Over-draw upto 75 % of the bond amount.	Deputy Collector.	
14B(2)	Power to refuse further export.	Deputy Collector.	
18(3)	Power to forfeit security.	Asstt. Collector.	
27(1)	Powers regarding licensing, bonds and other conditions.	Licensing authority.	
30	Preliminary weighing.	Deputy Collector.	
38	Securing accommodation for unmanufactured products after curing and packing.	Licensing authority.	
43	Receipt of notice.	Licensing authority.	
44	Power to require declaration.	Licensing authority.	
46	Power to require marking.	Licensing authority.	
47(1)&(3)	Exemption for approved storeroom	Licensing authority.	
48	Bond and security.	Licensing authority.	
50	Permission to remove non-excisable goods.	Superintendent.	
51—A	(i) Type of cases covered by para 101 of B.E.M. on excisable manufactured products.	Superintendent.	Subject to the procedure prescribed by the Collector or BEM.
	(ii) Other type of cases.	Asstt. Collector.	
52	Reduction in time limit for putting in application for removal.	Asstt. Collector.	
52-A	Acceptance of assessee's documents in lieu of gate pass in prescribed form.	Asstt. Collector.	
53	Permission to manufacture not to make entries in RG. 1 on dates when there is Superintendent no transaction.	Superintendent.	
54	Power to require return for other products.	Deputy Collector.	
56—A	(i) Power to permit a manufacturer to avail of the procedure.	Asstt. Collector.	
	(ii) Withdrawal of permission.	Deputy Collector.	
56—B	Grant of permission.	Asstt. Collector.	
65 (3)&(4) 71(3)	Trust receipt and bond etc.	Asstt. Collector.	
	Fixing Number of banderols	Superintendent.	
75	Prescribing hours for transaction.	Asstt. Collector.	
85	Officer to be empowered by the Collector.	Chief Chemist/Incharge Central Revenue Control Laboratory of the respective area.	
92A(1)	Power to accept first ASP	Superintendent. Asstt. Collector.	For the prescribed period.
92A(3)	To condone or determine the period of preclusion etc.	Asstt. Collector.	For the period less than the prescribed one.
92-A(4)	(i) Acceptance of renewal application	Superintendent.	
	(ii) To condone or determine the period of preclusion etc.	Superintendent Asstt. Collector.	Upto 15 days beyond 15 days.

1	2	3	4
92-B	Exclusion of the period of closure for purposes of computing duty liability.	Asstt. Collector.	
92B(3)	Accepting notice for shorter period.	Superintendent.	
92C(2)	To condone delay in weekly deposit/submission of application.	Superintendent.	Upto to 2 days in respect of weekly deposits/application up to 5 days in respect monthly deposits/appl.
92E(iii)	To debit availing of special procedure.	Asstt. Collector Deputy Collector.	Beyond the period mentioned above.
92F	To condone failure to apply for special Procedure.	Deputy Collector.	
93(b)(iii)	Approval of wrapper, outer covering or labels.	Superintendent.	Approved specimen to be sent to Asstt. Collector and Collector.
96-D	Permission for general bond and demands for fresh bond/additional security.	Asstt. Collector.	In case of removal within the division. In case of removal outside the division/Collectorate. Acceptance of bond in all cases.
96-DD		Deputy Collector.	
96-E		Superintendent.	
96-EE		Superintendent.	
96-I(1)	To accept A.S.P.	Superintendent.	
96-I(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asstt. Collector.	
96-I(3)	To determine period of preclusion.	Asstt. Collector.	
96-I(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent.	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent. Asstt. Collector.	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-K(2)	To condone delay in making application	Superintendent.	Upto two days in case of quarterly application and 10 days in case of annual application. Beyond above limit.
		Asstt. Collector.	
96-MMMM	To condone failure to apply for special procedure	Deputy Collector	
96-O(1)	To accept A.S.P.	Superintendent	
96-O(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asstt. Collector	
96-O(3)	To determine period of preclusion	Asstt. Collector	
96-O(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent Asstt. Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96-Q(1) PROVISIO	To permit separate weekly application.	Asstt. Collector	
96-Q(2)	To condone delay in making applications/ deposit.	Superintendent	Upto one day in case of weekly application/deposit and two days in case of monthly/quarterly application/deposits.
		Asstt. Collector	Beyond above limits.
96-U	To condone failure to apply for Special Procedure	Deputy Collector.	
96-Y(1)	To accept A.S.P.	Superintendent	
96-Y(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asstt. Collector	
96-Y(3)	To determine period of preclusion	Asstt. Collector	
96-Y(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P.	Superintendent	
	(ii) to condone and/or determine the period of preclusion	Superintendent Asstt. Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.

1	2	3	4
96—Z(2)	To condone delay in making application	Superintendent Asstt. Collector	Up to 5 days Beyond above limits.
96—ZZZZ	To condone failure to apply for special procedure	Deputy Collector	
96—ZH(1)	To accept A.S.P.	Superintendent	
96—ZH(2)	To accept A.S.P. for shorter period	Asstt. Collector	
96—ZH(3)	To determine period of preclusion	Asstt. Collector	
96—ZH(4)	(i) to accept renewal application in form A.S.P. (ii) to condone and/or determine the period of preclusion.	Superintendent Asstt. Collector	For condoning delay not exceeding 15 days. For condoning delay exceeding 15 days.
96—ZI(4)	To condone manner of and delay in making payment	Superintendent Asstt. Collector	Up to 5 days. Beyond above limits.
96—ZM	To condone failure to apply for special procedure	Deputy Collector	
97 & 97A	(i) Grant of refund and satisfaction of Collector. (ii) Extension of period for return of the goods.	Asstt. Collector Deputy Collector	
100	Collector's powers to refund duty	Asstt. Collector	
140	(i) Licensing to provide ware-housing and demand for a fresh bond/security. (ii) Revocation of license and direction for removal of goods.	Licensing Authority Asstt. Collector or Licensing Officer if he is senior in rank to the Asstt. Collector.	
145	Power to extend ware-housing period of goods other than tobacco.	Superintendent Asstt. Collector	Under clause (a) of the rule. Under Clause (b) of the rule.
153	Power to allow-in-bond movement and acceptance of bond.	Inspector.	
154	Power to allow in-bond-movement of goods acceptance of bond and demand for fresh bond/security.	Superintendent	
164	(i) Execution of individual bond. (ii) Execution of general bond and demand of fresh bond/security/surety.	Superintendent Asstt. Collector	
165(2)	Demand for advance payment	Superintendent	
169	Appointment of warehouse-keeper	Deputy Collector	
173(1A)	Permission to withdraw amount from account current	Asstt. Collector	Subject to observances of the procedure prescribed by the Collector.
173 G(2) (ii)	Power to permit assessee not to show rate and amount of duty on gate pass.	Deputy Collector	
173 (L & M)	(i) Power to extend the period for return of goods. (ii) Collector's other powers	Deputy Collector Asstt. Collector	Relaxation regarding storage by granted by the Collector.
173(N)(3)	Conditions of bond	Superintendent	
173(N)(6)	Power to extend time for rewarehousing certificate	Deputy Collector.	
173(O)(1)	(i) Power to prescribe marks (ii) Presentation of packages to proper officer within shorter period	Asstt. Collector Superintendent	
180	Alteration or substitution of licence	Licensing Authority	
185	(i) Power to permit marketing in any other manner. (ii) Collector's power to prescribe shorter period for presentation of packages.	Asstt. Collector Superintendent	

1	2	3	4
189			
189—A	Power to sanction refund	Asstt. Collector	
189—B			
191	(i) Approval of formula and withdrawal of concession	Deputy Collector	
	(ii) Other powers of the Collector—except power to fix establishment cost and refuse concession	Asstt. Collector	
191 A	Extension of time beyond three months [Sub-rule (7)] Forfeiture of security [Sub-rule (12)] Approval of formula.	Deputy Collector	
	Other powers of the Collector except powers under sub-rules (7A) & (16) and refusal of concession.	Asstt. Collector	
191—B	(i) Destruction of waste/refuse and remission of duty (ii) Approval of formula	Deputy Collector	
	(iii) All other powers—except powers under sub-rule (4A), refusal of concession and establishment cost.	Asstt. Collector	
192	(i) Power to grant permission	Officer mentioned in the remission notification.	
	(ii) Power to issue licence, and fixing bond amount & security.	Licensing authority	
193	Manner of packing	Asstt. Collector	
196	(i) Withdrawal of concession (ii) Forfeiture of security and other penal action	Deputy Collector Officer competent to adjudicate	
206(3)	(i) Provisional release of seized vehicles on bond and security.	Asstt. Collector or the adjudicating officer lower in rank to the Asstt. Collector.	
	(ii) Provisional release of seized goods on bond and security.	Adjudicating Officer	
210—A	Power to compound on offence and fix compounding fee	(i) Deputy Collector (ii) Asstt. Collector (iii) Superintendent	Value—Without limit, compounding fee—not exceeding Rs. 1500/- in each case. Value—Rs. 5,000/- compounding fee 750/- Value —Rs. 1,000/- Compounding fee—Rs. 250/-
212	(i) Sale of confiscated goods	Asstt. Collector or the Adjudicating Officer if lower in rank to the Asstt. Collector	
	(ii) Destruction of confiscated goods	Officer competent to write off remission value/duty of the goods	
212A	Payment of storage charges	Adjudicating Officer	
222	Power to require a new declaration	Deputy Collector	
223—A	Annual Stock taking	Asstt. Collector	
224(1)	Permission to deliver goods beyond fixed hours and on holidays	Superintendent	
227	Provision for scales, weights and weighing machines etc.	Asstt. Collector	
229	(i) Power to require office accommodation (ii) Power to require residential accommodation	Asstt. Collector Deputy Collector	
230	Detention of goods, plants and machinery etc.	Asstt. Collector	

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश

इन्दौर, 29 अप्रैल, 1981

का० आ० 1542 :—श्री जे० एन० शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के रूप में पदोन्नति पर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में 23-3-1981 के पूर्वार्द्ध में लेखा परीक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

[अधिसूचना संख्या 6/81 प०स०/II(3) 4-गोप/81]

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P.

Indore, the 29th April, 1981

S.O. 1542.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' Shri J. N. Sharma assumed charge as Examiner of Accounts, Central Excise Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 23rd March, 1981.

[Notification No. 6/81/C. No. II(3)4-Con.81]

का० आ० 1543 :—मध्य प्रदेश समाहर्तालय, इन्दौर के सर्वश्री के० आर० एलकावार तथा जे० एन० शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी/लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' निर्वहन की प्राप्ति प्राप्त करने पर 31-3-1981 के अपरान्ध्र में शासकीय सेवा में निवृत्त हुए।

[अधिसूचना संख्या 7/81 प०स०/II(3) 4-गोप/81]

एम० के० धर, समाहर्ता

S.O. 1543.—S/Shri K. R. Yelkarwar and J. N. Sharma, Administrative Officer/Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' of M.P. Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation have retired from Government service in the afternoon of 31st March, 1981.

[Notification No. 7/81/C. No. II(3)4-Con.81]

S. K. DHAR, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1981

निरस्त आदेश

का० आ० 1544. —मैसर्स प्रमोक्ष जिप फास्टर प्रा० लि० प्लाट नं० ई-293 आर० आर० एम०डी० सी० इन्डस्ट्रियल एस्टेट, भीवाडी जिला अलवर को एक आयात लाइसेंस सं० पी/सी/1921199/सी/XX/72/डी/78 दि० 12-7-79 बास्ते 599844 रु० एक सम्पूर्ण जिप-फास्टर मशीनरी प्लाट के आयात के लिए दिया गया था। इन्होंने एक शपथ-पत्र आयात निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1981-82 के पैरा 351 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि उनके ला० सं० पी/सी/1921199/सी/XX/72/डी/78 दि० 12-7-79 बास्ते 599,844 रु० अप्रैल-मार्च 1979 की अवधि के लिए की एक्सचेंज एवं कस्टम हेतु दोनों कापिया बम्बई कस्टम पर पंजीकृत होमे तथा आगिक रूप से इन्वेन्स के पश्चात् खो गयी है। उन्हें उक्त लाइसेंस की एक्सचेंज तथा कस्टम कापी की अनुलिपि बकाया राशि 1,68,983 रु० की पूर्ति के लिए चाहिए।

2 में संतुष्ट हैं कि उक्त लाइसेंस की एक्सचेंज तथा कस्टम हेतु कापिया खो गई है।

3. अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथासंशोधित) की धारा 9(CC) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम एक्सचेंज दोनों कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूँ।

4. आदेशक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1980-81 के पैरा 351 के अनुसार उपरोक्त लाइसेंस सं० पी०सी० 1921199 दि० 12-7-79 बकाया राशि 1,68,983 रु० की पूर्ति के लिए की कस्टम/एक्सचेंज दोनों कापी की अनुलिपि (डूब्लिकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं० सी०जी०एम एम आर०/89/ए एम-79/ए यू-II/सी एल ए]

कु० माथा राम गुप्ता, उप मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात

कृत संयुक्त मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE**OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS**

(General Licensing Area)

New Delhi, the 21st April, 1981

CANCELATION ORDER

S.O. 1544.—M/s. Ashok Zip Fasteners Pvt. Ltd., Plot No. E-293, RIMDC Indul. Estate, Bhiwadi, District Alwar were granted import licence No. P/C/1921199/C/XX/72/D/78 dated 12th July, 1979 for Rs. 5,99,844 for import of One No. Complete Zip Fasteners Machinery Plant. They have filed an affidavit as required under Para. 351 of Hand Book of Import Export Procedure 1981-82 wherein they have stated that both the copies of the import licence (Exchange Control & Custom Purpose) of licence No. P/C/1921199/C/XX/72/D/78 dated 12th July, 1979 for Rs. 5,99,844 for the period AM-79 has been lost after having been registered with Bombay Custom House and utilised partly and the duplicate Exchange Control & Custom copies is required to cover the balance of Rs. 1,68,983.

2. I am satisfied that the Exchange Control & Custom Purpose copies of the said licence has been lost.

3. In exercise of the power conferred on me under clause 9(cc) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7th December, 1955 and amended upto date, the Exchange Control & Custom Purpose copies of the said licence No. P/C/1921199 dated 12th July, 1979, for Rs. 5,99,844 is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued duplicate Exchange Control & Custom Purpose copies of Import licence No. P/C/1921199 dated 12th July, 1979 to cover the balance unutilised value of Rs. 1,68,983 in accordance with the provision of para 351 of Hand Book of Import Export Procedure, 1981-82.

[No. CG/SSI/89/AM-79/AU.II/CLA]

MISS MAYA DAS GUPTA, Dy. Chief Controller of I&E,
for Jt. Chief Controller of I&E

आदेश

मद्रास, 24 अप्रैल, 1981

का० आ० 1545 :—सर्वश्री डी.मेटल पावर कम्पनी लिमिटेड, भरवतकुलम पुदुत्तर पि० ओ० 626709 को रुपये 49,800 तक अप्रैल-मार्च 81 के आयात मीत पुस्तक के परिशिष्ट 5 में दर्ज की गयी किसी भी अनुमति कच्चाभाल, संघटकी और उपभोग्य सामग्री का आयात करने के लिए लाइसेंस सं० पी-डी-22/1787-सी एक्सएम 78 एम 80 दि० 24-2-81 जारी किया गया था। उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति दोनों खो जाने के कारण उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसधारी ने आवेदन किया है। उनसे यह भी कहा गया है कि उपर्युक्त लाइसेंस (सीमाशुल्क प्रति तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति), उसकी उपयोग कर लिये बिना खो दिया गया है।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अप्रोवस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट हैं कि लाइसेंस संख्या पी-डी 221787 सी एक्सएम 78 एम-80 दि० 24-2-81 की सीमाशुल्क प्रति तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की मूल प्रतियां खो दी गयी हैं और आवेदक देता है कि आवेदक को उपर्युक्त लाइसेंस (सीमाशुल्क प्रति तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रति जारी किया जाये। लाइसेंस की मूल प्रति एनद्वारा रद्द किया जाता है।

सीमाशुल्क प्रति तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रतियां अलग जारी किया गया है।

[सं० डीजीईटी 427/ए एम-81/एयू-1]

ORDER

Madras, the 24th April, 1981

S.O. 1545.—M/s. The Metal Powder Co. Ltd., Maravankulam, Pudunagar P.O. 626709 were granted a licence No. P/D/221787/C/XX/78/M/80 dated 24th February, 1981, for Rs. 49,800 for import of any of the permissible Raw Materials and components and consumables listed in Appendix 3 of A.M. 81 period. They have requested to issue a duplicate copy of the above licence (Both Customs and Exchange Control copy) have been lost by them. Further it has been stated by them that the above licences (Both Customs and Exchange Control copy) have lost by them without being utilised at all.

In support of their contention the applicant Firm have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original of the Exchange Control copy as Customs purpose copy of the licences No. P/D/221787/C/XX/73/M/80 have been lost and directs that two duplicate copies of the above said licence (Customs and Exchange Control copy) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

The duplicate copies of the licence (Customs and Exchange Control copy) have been issued separately.

[No. DGTD/427/AM'81/AU.I]

आदेश

विषय. सर्वश्री स्टीलिज इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, मद्रास-98 को जारी किये गये रद्दीकरण आदेश संख्या ऐटिसी डीजीटीडी 294 एएम-80 एवं 1 दिनांक, 15-3-1980 सम्बन्धी संशोधन।

क्रा० आ० 1546.—सर्वश्री स्टीलिज इन्डस्ट्रीज लिमिटेड प्लाट संख्या 98 बी (नार्थ फेज), अम्बतूर इन्डस्ट्रीयल एमटेड, मद्रास-600098 को जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी-सी-1442338-सी एक्सचेंज-73-एम-79 दिनांक 2-11-79 को रद्द करने हुए उप मुख्य नियंत्रक, आयात तथा

निर्यात, मद्रास द्वारा पारित आदेश संख्या ऐटिसी डीजीटीडी 294 एएम-80-एम् 1 दिनांक, 15-3-80 के पैरा एक और दो में आने वाली "मिथ्या स्थापन" शब्द एतद्वारा निकाय दिया जाता है। उपर्युक्त आदेश के पैरा दो पंक्ति तीन में "प्राप्त किये गये लाइसेंस" शब्द के पहले "इस प्रकार से" शब्द को भर दिया जाये। और उपर्युक्त आदेश के पैरा 4 के अंतिम वाक्य "और उन्होंने मिथ्या स्थापन द्वारा लाइसेंस को प्राप्त कर लिया है" एतद्वारा निकाय दिया जाता है। पैरा ऊपर बताया गया है उस सीमा तक उपर्युक्त आदेश तथा संशोधित संशोधन जाय।

[एटिसी-डी०जी०टी०डी-294-ए०एम०-80-एम्-1]

टी० एन० वेंकटेश्वरन,

उप मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात

ORDER

Subject.—Amendment to cancellation ORDER No. ITC/DGTD/294/AM'80/AU.I, dated 15th March, 1980—M/s. Steelage Industries Ltd., Madras-98.

S.O. 1546.—In the order No. ITC/DGTD/294/AM'80/AU.I dated 15th March, 1980 passed by the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Madras, cancelling the Import licence No. P/D/1442338/C/XX/73/M/79, dated 2nd November, 1979, issued to M/s. Steelage Industries Ltd., Plot No. 98-B (North Phase) Ambattur Industrial Estate, Bangalore, the words "misrepresentation" in paragraphs (1) and (2) are hereby deleted. The word "so" may be inserted between the words "licence" and "obtained" in the 3rd line of second paragraph of the said order. The words "and that they have obtained the licence by misrepresentation" occurring in the last sentence of paragraph 4 of the said order are also hereby deleted. The said order may, therefore, be treated as amended to the extent indicated above.

[No. ITC/DGTD/294/AM'80/AU.I]

T. N. VENKATESWARAN, Dy. Chief Controller of Imports & Exports

नागरिक प्रति मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 1981-04-21


क्रा० आ० 1547.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) अधिनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक विज्ञानों की डिजाइन उनके शाब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्वाचित किये गए हैं।

आ मा संस्था (प्रमाणन विज्ञान) अधिनियम 1952 और उनके अधीन बने विधियों और विनियमों के विहित ये मानक विज्ञान उनके आगे की गई विधियों से लागू होंगे

अनुसूची

क्रम सं०	मानक विज्ञान के डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक विज्ञान के डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS: 1391-71	कमरों के वातानुकूलक	IS: 1391-1971 कमरों के वातानुकूलकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या और वर्ष दिया गया है।	1980-12-01



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2	IS : 9182-79 	सर्विस के लिए रस्सों में लगाने के स्नेहक ग्रेड 1 और 2	IS : 9182 (भाग 3)—1979 सार रस्सों और रेशकोरो के लिए स्नेहकों की विशिष्टि भाग 3 सर्विस के लिए रस्सों में लगाने के स्नेहक	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या और वर्ष तथा मोनोग्राम के नीचे की ओर तत्सम्बन्धी भाग की संख्या दी गई है।	1981-02-01

[सं० सी० एम० डी० 13 : 9]



MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1981-04-24

S.O. 1547 :—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian standards institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian standards Institution hereby, notifies that the Standards Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

प्राप्त 3 चिह्न Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard mark	Product/class of product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 1391-71 	Room air conditioners	IS : 1391-1971 Specification for room air conditioners (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col. (2); the number of the Indian standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-12-01
2.	IS : 9182-79 Part III 	Lubricants for rope dressing in service, grades 1 and 2	IS : 9182 (part III)—1979 specification for lubricants for wire ropes and fibre cores: part III lubricants for rope dressing in service	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side and the relevant part number being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design	1981-02-01

[No. CMD/13 : 9]

क्र० आ० 1548 :—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है और ये फीस उनके मामले दिखाई गई तिथियों से लागू होंगी :

अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने का शुल्क	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	कमरों के वातानुकूलक IS : 1391-1971 कमरों के वातानुकूलकों की विशिष्टि (पहला पुनरांकन)	एक प्रदक्ष	1. रु० 1.00 प्रति इकाई पहली 5000 इकाइयों के लिए ; 2. 50 पैसे प्रति इकाई 5001वीं से 15000 तक की इकाइयों के लिए, और 3. 25 पैसे प्रति इकाई 15001वीं और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1980-12-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	सर्विस के लिए रस्सों में लगाने के स्नेहक ग्रेड 1 और 2	IS : 9182 (भाग 3)—1979 ताररस्सों और रेशा कारों के लिए स्नेहकों की विशिष्टि भाग 3 सर्विस के लिए रस्सों में लगाने के स्नेहक	एक कि० ग्रा०	1. 2 पैसे प्रति इकाई पड़ती 100000 इकाइयों के लिए, 2. 1 पैसा प्रति इकाई 100001 बी से 300000 तक की इकाइयों के लिए और 3. 1/2 पैसा प्रति इकाई 300001 बी और इससे ऊपर की इकाइयों के लिए	1981-02-01

[सं० सी० एम० डी० - 13: 10]

S.O. 1548:—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the schedule hereto annexed have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Product/class of product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Room air Conditioners	IS : 1391—1971 specification for room air conditioners (first revision)	one piece	(i) Re. 1.00 per unit for the first 5000 units ; (ii) 50 paise per unit for the 5001st to 15000 units and (iii) 25 paise per unit for the 15001st unit and above	1980-12-01
2.	Lubricants for rope dressing in service, grades 1 & 2	IS : 9182 (part III)—1979 specification for lubricants for wire ropes and fibre cores : part III Lubricants for rope dressing in service	One kg.	(i) 2 paise per unit for the first 100000 units ; (ii) One paise per unit for the 100,001st to 300,000 units and (iii) 1/2 paise per unit for the 300,001st unit and above	1981-02-01

[No. CMD /13 : 10]

क्रा० प्र० 1549:— समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिम्ब) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 320 लाइसेंसों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका अक्टूबर 1980 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सी एम/एल संख्या	वैध	भारतीय मानक ब्रिडि की पत्र संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	195	80-10-01	81-09-80 IS : 303—1975
2.	348	80-10-01	81-09-30 IS : 916—1975
3.	385	80-11-01	81-10-31 IS : 10 (भाग II)—1976
4.	403	80-09-01	81-08-31 IS : 561—1978
5.	427	80-09-01	81-08-31 IS : 1675—1971
6.	454	80-09-16	81-09-15 IS : 62—1950 IS : 1305—1967
7.	610	80-10-01	81-09-30 IS : 694—1977
8.	622	80-10-01	81-09-30 IS : 1653—1964
9.	684	80-08-16	81-08-15 IS : 1977—1975
10.	701	80-10-16	81-10-15 IS : 1675—1971
11.	774	80-09-16	81-09-15 IS : 16 (भाग II)—1973

1	2	3	4	5
12.	975	80-10-16	81-10-15	IS : 1660 (भाग I)—1967; IS : 1660 (भाग II और III)—1972 और IS : 1660 (भाग IV) 1977
13.	1008	80-09-16	81-09-15	IS : 1977—1975
14.	1144	80-10-16	81-10-15	IS : 1135—1973
15.	1150	80-10-01	81-09-30	IS : 1554 (भाग I) 1976 IS : 1554 (भाग II)—1970
16.	1276	80-10-01	81-09-30	IS : 226—1975
17.	1277	80-10-01	81-09-30	IS : 1977—1975
18.	1282	80-10-01	81-09-30	IS : 2553—1971
19.	1338	80-10-01	81-09-30	IS : 692—1974
20.	1465	80-09-01	81-09-31	IS : 2567—1978
21.	1480	80-11-01	81-10-31	IS : 780—1969
22.	1514	80-10-01	81-09-30	IS : 1011—1968
23.	1525	80-10-01	81-09-30	IS : 1507—1977
24.	1531	80-10-01	81-09-30	IS : 10 (भाग IV)—1976

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
25.	1789	80-10-01	81-09-30	IS : 3470—1966	70.	3042	80-10-16	81-10-15	IS : 10 (भाग II)— 1976
26.	1814	80-10-16	81-10-15	IS : 1660 (भाग I)— 1967 IS : 1660 (भाग II और III)—1972	71.	3108	80-08-01	81-07-31	IS : 5604—1970
27.	1841	80-10-01	81-09-30	IS : 562—1978	72.	3168	80-10-01	81-09-30	IS : 1601—1960
28.	1954	80-10-01	81-09-30	IS : 158—1968	73.	3171	80-10-01	81-09-30	IS : 2566—1965
29.	2014	80-10-01	81-09-30	IS : 565—1975	74.	3182	80-10-16	71-10-15	IS : 2566—1965
30.	2016	80-07-01	81-06-30	IS : 3829—1978 और IS : 4510—1978	75.	3190	80-10-01	81-10-31	IS : 1601—1960
31.	3043	80-10-16	83-10-15	IS : 561—1978	76.	3206	80-11-01	86-10-31	IS : 1601—1960
32.	2070	80-09-16	81-09-15	IS : 226—1975	77.	3418	80-09-16	81-09-15	IS : 398 (भाग II)— 1976
33.	2081	80-11-01	81-10-31	IS : 564—1975	78.	3541	80-10-16	81-12-31	IS : 4985—1968
34.	2082	80-11-01	81-10-31	IS : 565—1975	79.	3544	80-10-01	71-09-30	IS : 1660 (भाग IV)— 1977
35.	2083	80-11-01	81-10-31	IS : 632—1978	80.	2549	80-10-01	81-09-30	IS : 6914—1978
36.	2084	80-11-01	81-10-31	IS : 1307—1973	81.	3550	80-10-01	91-09-30	IS : 6915—1978
37.	2086	80-11-01	81-10-31	IS : 2667—1978	82.	3556	80-10-01	81-09-30	IS : 398—(भाग I और II)—1976
38.	2104	80-10-16	81-10-15	IS : 10 (भाग IV)—1976	83.	3562	80-10-16	81-10-15	IS : 2509—1973
39.	2107	80-10-16	81-10-15	IS : (भाग IV)—1976	84.	3593	80-09-16	81-09-15	IS : 1786—1966
40.	2110	80-10-16	81-10-15	IS : 245—1970	85.	3675	80-10-01	81-09-30	IS : 5410—1969
41.	2115	80-10-16	81-10-15	IS : 774—1971	86.	3844	80-10-01	81-09-30	IS : 10 (भाग IV)— 1976
42.	2117	80-10-16	81-10-15	IS : 10 (भाग IV)—1976	87.	3911	80-10-01	81-09-30	IS : 2596—1964
43.	3158	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978	88.	3931	80-09-01	81-08-31	IS : 494—1977
44.	2161	80-10-01	81-09-30	IS : 2865—1978	89.	3989	80-09-10	81-08-31	IS : 633—1975
45.	2170	80-10-01	81-09-30	IS : 564—1975	90.	3943	80-09-16	81-09-15	IS : 563—1973
46.	2230	80-10-01	81-09-30	IS : 633—1975	91.	3944	80-10-01	81-09-30	IS : 563—1973
47.	2237	80-10-01	81-09-30	IS : 1307—1974	92.	3959	80-10-01	81-09-30	IS : 303—1960
48.	2259	80-08-16	81-08-15	IS : 10 (भाग III)— 1974	93.	3959	80-10-01	11-09-30	IS : 1596—1977
49.	2262	80-10-01	81-09-30	IS : 3236—1965	94.	2960	80-01-01	81-09-30	IS : 561—1978
50.	2282	80-10-01	81-09-30	IS : 2567—1978	95.	3964	80-10-01	81-09-30	IS : 10 (भाग II)—1976
51.	2294	80-10-01	81-09-30	IS : 2480—1973	96.	3967	80-11-01	81-10-31	IS : 10 (भाग II)— 1976
52.	2393	80-10-16	81-10-15	IS : 4031—1968	97.	3983	80-10-16	81-10-15	IS : 21—1975
53.	2595	80-10-01	81-09-30	IS : 2682—1966	98.	3985	80-10-16	81-10-15	IS : 1786—1966
54.	2658	80-10-01	81-09-30	IS : 434 (भाग I और II) 1964	99.	3995	80-10-01	81-09-30	IS : 3470—1966
55.	2668	80-11-01	81-10-31	IS : 633—1975	100.	3999	60-10-01	80-11-01	IS : 1520—1972
56.	3706	80-11-01	81-10-31	IS : 633—1975	101.	4003	80-11-01	81-10-31	IS : 6595—1972
57.	2730	80-11-01	81-10-31	IS : 4323—1967	102.	4010	80-11-01	81-10-31	IS : 560—1969
58.	2730	80-08-16	81-08-15	IS : 1786—1966	103.	4110	80-10-01	81-09-30	IS : 7185—1973
59.	2754	80-09-16	91-09-15	IS : 1783—1974	104.	4123	80-10-01	81-08-30	IS : 6950—1971
60.	2772	80-11-01	81-10-31	IS : 5277—1969	105.	4216	80-09-01	81-08-31	IS : 562—1978
61.	2777	80-11-01	81-10-31	IS : 2566—1965	106.	4252	80-10-01	81-09-30	IS : 7122—1973
62.	2783	80-10-16	81-10-15	IS : 5516—1969	107.	4284	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978
63.	2806	80-09-16	81-09-15	IS : 1554 (भाग I)— 1976	108.	4316	80-09-01	81-08-31	IS : 2567—1978
64.	2874	80-11-01	81-10-31	IS : 5281—1969	109.	4412	80-11-01	81-10-31	IS : 2582—1966
65.	2875	80-11-01	81-10-31	IS : 2861—1964	110.	4413	80-11-01	81-10-31	IS : 6419—1978
66.	2910	80-08-16	81-08-15	IS : 1786—1966	111.	4512	80-08-01	81-07-31	IS : 1239 (भाग I) 1979
67.	2966	80-08-01	81-07-31	IS : 5604—1970	112.	4550	80-10-16	81-10-15	IS : 226—1975
68.	2999	80-10-01	81-09-30	IS : 779—1968	113.	4586	80-09-16	81-09-15	IS : 6914—1978
69.	3005	80-10-01	81-09-30	IS : 1601—1960	114.	4587	80-09-16	81-09-15	IS : 6915—1978
					115.	4604	80-10-16	81-10-15	IS : 261—1966
					116.	4613	80-10-01	81-09-30	IS : 565—1975
					117.	5616	80-09-16	81-09-15	IS : 561—1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
118.	4618	80-11-01	81-10-31	IS : 565-1975	165.	5537	80-10-01	81-09-30	IS : 1308-1974
119.	4622	80-09-16	81-09-15	IS : 2864-1973	166.	5540	80-10-01	81-09-30	IS : 398 (भाग I और II)
120.	4627	80-09-16	81-09-15	IS : 4985-1968					1976
121.	4638	80-09-16	81-09-15	IS : 3558-1974	167.	5541	80-10-01	81-09-30	IS : 226-1975
122.	4640	80-09-16	81-09-15	IS : 2924-1974	168.	5542	80-10-01	81-09-30	IS : 1977-1975
123.	4644	80-09-16	81-09-15	IS : 2552-1970	169.	5544	80-09-16	81-09-15	IS : 1786-1966
124.	4648	80-10-01	81-09-30	IS : 326-1970	170.	5549	80-10-01	81-09-30	IS : 561-1978
125.	4672	80-10-01	81-09-30	IS : 398 (भाग I और II)	171.	5562	80-10-16	81-10-15	IS : 561-1978
				-1976	172.	5564	80-10-16	81-10-15	IS : 564-1975
126.	4686	80-10-01	81-09-30	IS : 564-1975	173.	5568	80-10-01	81-09-30	IS : 3431-1975
127.	4702	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971	174.	5569	80-10-16	81-10-15	IS : 7538-1975
128.	4704	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971					IS : 6595-1972
129.	4705	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971	175.	5570	80-10-16	81-10-15	IS : 325-1978
130.	4708	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971	176.	5573	80-10-16	81-10-15	IS : 5346-1975
131.	4714	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971	177.	5577	80-10-16	81-10-15	IS : 1925-1974
132.	4715	80-10-01	81-09-30	IS : 1848-1971	178.	5597	80-11-01	81-10-31	IS : 5346-1975
133.	4717	80-10-16	81-10-15	IS : 694-1977	179.	5842	80-10-16	81-10-15	IS : 562-1978
134.	4722	80-10-16	81-10-15	IS : 1601-1960	180.	5843	80-10-16	81-10-15	IS : 565-1973
135.	4733	80-10-01	81-09-30	IS : 325-1978 और	181.	5844	80-10-16	81-10-15	IS : 632-1978
				IS : 1520-1972	182.	5845	80-10-16	81-10-15	IS : 633-1975
136.	4745	80-10-16	81-10-15	IS : 1925-1974	183.	5846	80-10-16	81-10-15	IS : 1307-1973
137.	4756	80-11-01	81-10-31	IS : 564-1975	184.	5848	80-10-16	81-10-15	IS : 2567-1973
138.	4759	80-11-01	81-10-31	IS : 1307-1973	185.	5849	80-10-16	81-10-15	IS : 2682-1966
139.	4768	80-10-01	81-09-30	IS : 1601-1960	186.	5850	80-10-16	81-10-15	IS : 2861-1964
140.	4899	80-10-16	81-10-15	IS : 3975-1967	187.	5851	80-10-16	81-10-15	IS : 4323-1967
141.	4898	80-10-16	81-10-15	IS : 562-1978	188.	5852	80-10-16	81-10-15	IS : 5277-1969
142.	4949	80-11-01	81-10-31	IS : 1601-1960	189.	5853	80-10-16	81-10-15	IS : 5281-1969
143.	5071	81-01-01	81-09-30	IS : 1970-1974	190.	5854	80-10-16	81-10-15	IS : 6439-1978
144.	5083	80-10-01	81-09-30	IS : 3062-1974	191.	5873	80-10-01	81-09-30	IS : 3237-1965
145.	5084	80-10-01	81-09-30	IS : 3652-1974	192.	5943	80-11-01	81-10-31	IS : 633-1975
146.	5155	80-09-16	81-09-15	IS : 7681-1975	193.	5957	80-10-16	81-10-15	IS : 2834-1964
147.	5160	80-11-01	81-10-31	IS : 1786-1966	194.	5991	80-09-16	81-09-15	IS : 7538-1975
148.	5398	80-08-01	81-07-31	IS : 5852-1977	195.	6044	80-05-01	81-04-30	IS : 561-1978
149.	5451	80-09-01	81-08-31	IS : 2567-1978	196.	6055	80-04-16	81-04-15	IS : 1970 (भाग I) -
150.	5467	80-09-16	81-09-15	IS : 6914-1978					1974
151.	5468	80-09-16	81-09-15	IS : 6915-1978	197.	6105	80-10-01	81-09-30	IS : 691-1966
152.	5471	80-09-16	81-09-15	IS : 1601-1960	198.	6129	80-10-01	81-09-30	IS : 419-1967
153.	5473	80-09-16	81-09-15	IS : 916-1975	199.	6306	80-10-01	81-09-30	IS : 1601-1960
154.	5496	80-09-01	81-08-31	IS : 1868-1968	200.	6329	80-08-16	81-08-15	IS : 934-1976
				IS : 1660 (भाग I) -	201.	6336	80-08-16	81-08-15	IS : 4174-1967
				1967	202.	6381	80-09-01	81-08-31	IS : 4588-1977
155.	5499	80-09-01	81-08-31	IS : 7407-1974	203.	6382	80-09-01	81-05-15	IS : 4431-1967
156.	5504	80-08-01	82-01-31	IS : 3885 (भाग I) -	204.	6390	80-09-16	81-09-15	IS : 780-1969
				1977	205.	6394	80-09-16	81-09-15	IS : 1879 (भाग I)
				IS : 3885 (भाग II) -					-1975
				1979	206.	6401	80-09-16	81-09-15	IS : 5430-1969
157.	5505	80-09-16	81-09-15	IS : 1026-1966	207.	6420	80-10-01	81-09-30	IS : 1729-1964
158.	5507	89-09-16	81-09-15	IS : 4654-1974	208.	6426	80-10-01	81-09-30	IS : 694-1977
159.	5509	80-10-01	81-09-30	IS : 398 (भाग II) -	209.	6427	80-10-01	81-09-30	IS : 325-1975
				1976	210.	6436	80-10-01	81-09-30	IS : 5086-1969
160.	5515	80-09-16	81-09-15	IS : 4323-1967	211.	6439	80-10-01	81-09-30	IS : 427-1965
161.	5518	80-09-16	81-09-15	IS : 7680-1975	212.	6440	80-10-01	81-05-31	IS : 427-1965
162.	5524	80-10-01	81-09-30	IS : 4588-1977	213.	6442	80-10-01	81-09-30	IS : 2645-1964
163.	5527	80-10-01	81-09-30	IS : 6914-1973	214.	6443	80-10-16	81-10-15	IS : 5456-1969
164.	5536	80-09-16	81-09-15	IS : 1307-1973	215.	6447	80-10-16	81-11-30	IS : 133-1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
216.	6449	80-10-01	81-09-30	IS : 916-1975	262.	7260	80-10-16	81-10-15	IS : 1977-1975
217.	6452	80-10-16	81-10-15	IS : 325-1970	263.	7263	80-10-16	81-10-15	IS : 2707-1973
218.	6458	80-10-16	81-10-15	IS : 4175-1967	264.	7265	80-10-16	81-10-15	IS : 834-1975
219.	6459	80-10-16	81-10-15	IS : 4964 (भाग II) 1975	265.	7266	80-10-16	81-10-15	IS : 325-1978
220.	6466	80-11-01	81-10-31	IS : 6595-1972	266.	7272	80-10-16	81-10-15	IS : 934-1976
221.	6475	80-10-16	81-10-15	IS : 8057-1976	267.	7273	80-10-16	81-10-15	IS : 6595-1972
222.	6482	80-11-01	81-10-31	IS : 6073-1971	268.	7274	80-10-01	81-09-30	IS : 1153-1975
223.	6483	80-11-01	81-10-31	IS : 5482-1968	269.	7284	80-11-01	81-10-31	IS : 7466-1974
224.	6512	80-11-01	81-10-31	IS : 1601-1960	270.	7285	80-11-01	86-10-31	IS : 4467-1967
225.	6531	80-10-01	81-09-30	IS : 5557-1969	271.	7286	80-11-01	81-10-31	IS : 4588-1977
226.	6537	80-12-01	81-11-30	IS : 780-1969	272.	7288	80-11-01	81-10-31	IS : 2568-1978
227.	6631	80-10-01	81-09-30	IS : 2567-1978	273.	7290	80-11-01	81-10-31	IS : 4323-1967
228.	6632	80-10-01	81-09-30	IS : 564-1975	274.	7298	80-02-16	81-02-15	IS : 3564-1975
229.	6768	80-10-01	81-09-30	IS : 6595-1972	275.	7715	80-05-01	81-04-30	IS : 7347-1974
230.	6801	80-09-16	81-09-15	IS : 7312-1974	276.	7839	80-10-01	81-09-30	IS : 2832-1964
231.	6936	80-10-01	81-09-30	IS : 398 (भाग I और II) —1976	277.	7874	80-08-01	81-07-31	IS : 2208-1962
232.	6965	80-10-01	81-09-30	IS : 1161-1979	278.	7894	80-08-16	82-08-15	IS : 5086-1969
233.	6971	80-09-16	81-09-15	IS : 1786-1966	279.	7937	80-09-01	81-08-31	IS : 3055-1965
234.	6978	79-11-16	80-11-15	IS : 285-1974	280.	7959	80-09-01	81-08-31	IS : 3589-1966
235.	7104	80-09-16	81-09-15	IS : 7406-1974	281.	7966	80-09-16	81-09-15	IS : 4654-1974
236.	7141	82-01-01	81-09-30	IS : 7121-1973	282.	7974	80-09-16	81-09-15	IS : 2879-1975
237.	7160	80-09-01	81-08-31	IS : 1856-1977	283.	7975	80-09-16	81-09-15	IS : 208-1972
238.	7166	80-09-01	81-08-31	IS : 226-1975	284.	7976	80-09-16	86-09-15	IS : 204-1974
239.	7169	80-09-01	81-08-31	IS : 2266-1977 IS : 2581-1977 IS : 2365-1977	285.	7984	80-09-16	81-09-15	IS : 226-1975
240.	7172	80-09-01	81-08-31	IS : 789-1971	286.	7985	80-09-16	81-09-15	IS : 1977-1975
241.	7207	80-10-01	81-09-30	IS : 4323-1967	287.	7995	80-10-01	81-09-30	IS : 722 (भाग II)--- 1977
242.	7209	80-09-16	81-09-15	IS : 410-1977	288.	8001	80-10-01	81-09-30	IS : 2568-1978
243.	7211	80-10-01	81-09-30	IS : 280-1972	289.	8003	80-10-01	81-09-30	IS : 6248-1971
244.	7215	80-09-16	81-09-15	IS : 6914-1973	290.	8004	80-10-01	81-09-30	IS : 226-1975
245.	7216	80-09-16	81-09-15	IS : 6915-1973	291.	8005	80-10-01	81-09-30	IS : 6914-1978
246.	7218	80-09-16	81-09-15	IS : 2550-1965	292.	8007	80-11-01	81-10-11	IS : 1554-1976
247.	7220	80-09-16	81-09-15	IS : 2818 (भाग II) 1971	293.	8008	80-10-01	81-09-30	IS : 694-1977
248.	7221	80-10-01	81-09-30	IS : 2653-1964	294.	8010	80-10-01	81-09-30	IS : 4654-1974
249.	7222	80-10-01	81-09-30	IS : 2653-1964	295.	8014	80-10-01	81-09-30	IS : 4654-1974
250.	7223	80-10-01	81-09-30	IS : 2653-1964	296.	8020	80-10-01	81-09-30	IS : 2834-1964
251.	7224	80-10-01	81-09-30	IS : 2653-1964	297.	8027	80-10-01	81-09-30	IS : 561-1978
252.	7231	80-10-01	81-09-30	IS : 1785 (भाग I) 1966 और IS : 1785 (भाग II) 1967	298.	8030	80-10-16	81-10-15	IS : 226-1975
253.	7234	80-10-01	81-09-30	IS : 1786-1966	299.	8031	80-10-16	81-10-15	IS : 7406-1974
254.	7235	80-09-16	81-09-15	IS : 7371-1975	300.	8035	80-10-16	81-10-15	IS : 274 (भाग II)--- 1976
255.	7236	80-10-01	81-09-30	IS : 1879-1975	301.	8036	80-10-16	81-10-15	IS : 398 (भाग II)--- 1975
256.	7239	80-10-01	81-09-30	IS : 226-1975	302.	8042	80-10-16	81-10-15	IS : 1786-1966
257.	7240	80-10-01	81-09-30	IS : 1977-1975	303.	8044	80-10-16	81-10-15	IS : 226-1975
258.	7245	80-10-01	81-09-30	IS : 371-1966	304.	8045	80-10-16	81-10-15	IS : 3976-1975
259.	7251	30-10-01	81-09-30	IS : 6048-1970	305.	8047	80-10-16	81-10-15	IS : 6595-1972 IS : 7538-1975
260.	7255	80-10-01	81-09-30	IS : 8487-1977					
261.	7258	80-10-16	81-10-15	IS : 2818 (भाग II)--- 1971					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
306.	8048	80-10-16	81-10-15	IS : 6914-1978	18.	1282	80-10-01	81-09-30	IS : 2553-1971
307.	8049	80-10-16	81-10-15	IS : 2924-1974	19.	1338	80-10-01	81-09-30	IS : 692-1974
308.	8058	80-10-16	81-10-15	IS : 1694-1974	20.	1465	80-09-01	81-08-31	IS : 2567-1978
309.	8054	80-10-16	81-10-15	IS : 1695-1974	21.	1480	80-11-91	81-10-31	IS : 780-1959
310.	8055	80-10-16	81-10-15	IS : 1686-1974	22.	1514	80-10-01	81-09-30	IS : 1011-1963
311.	8056	80-10-16	81-10-15	IS : 2558-1974	23.	1525	80-10-01	81-09-30	IS : 1507-1877
312.	8057	80-10-16	81-10-15	IS : 2923-1974	24.	1531	80-10-01	81-09-30	IS : 10 (part IV)-1976
313.	8058	80-11-01	81-10-31	IS : 2074-1962	25.	1789	80-10-01	81-09-30	IS : 3470-1966
314.	8063	80-11-01	81-10-31	IS : 1786-1966	26.	1814	80-10-16	81-10-15	IS : 1650(part I)-1967 IS : 1660(part II and III)-1972
315.	8070	80-11-01	81-10-31	IS : 1601-1960	27.	1841	80-10-01	81-09-30	IS : 562-1968
316.	8078	80-11-01	81-10-31	IS : 4964 (भाग II) 1975	28.	1954	80-10-01	81-09-30	IS : 153-1973
317.	8079	80-11-01	81-10-31	IS : 4964 (भाग II) 1975	29.	2014	80-10-01	81-09-30	IS : 565-1975
318.	8085	80-11-01	81-10-31	IS : 4964 (भाग II) 1975	30.	2016	80-07-01	81-05-30	IS : 3829-1978 and IS : 4510-1978
319.	8086	80-11-01	81-10-31	IS : 4964 (भाग II) 1975	31.	2043	80-10-16	81-10-15	IS : 561-1978
320.	8087	80-11-01	81-10-31	IS : 4964 (भाग II) 1975	32.	2070	80-02-16	81-09-15	IS : 226-1975

[सं० सीएमसी/13/12]

S.O. 1549:—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 320 licences, particulars of which are given in the following schedule, have been renewed during the month of October 1980.

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid		Indian Standard specification No.
		From	To	
1	2	3	4	5
1.	195	80-10-01	81-09-30	IS : 303-1975
2.	348	80-10-01	81-09-30	IS : 916-1975
3.	385	80-11-01	81-10-31	IS : 10(part II)-1976
4.	403	80-09-01	81-08-31	IS : 561-1978
5.	427	80-09-01	81-08-31	IS : 1675-1971
6.	454	80-09-16	81-09-15	IS : 62-1950 IS : 1305-1967
7.	610	80-10-01	81-09-30	IS : 694-1977
8.	622	80-10-01	81-09-30	IS : 1653-1964
9.	684	80-08-16	81-08-15	IS : 1977-1975
10.	701	80-10-16	81-10-15	IS : 1675-1971
11.	774	80-09-16	81-09-15	IS : 16(part II)-1973
12.	975	80-10-16	81-10-15	IS : 1660(part I)-1967 IS : 1660(Part II and III)-1972 IS : 1660 (part IV)-1977
13.	1008	80-09-16	81-09-15	IS : 1977-1975
14.	1144	80-10-16	81-10-15	IS : 1135-1973
15.	1150	80-10-10	81-09-30	IS : 1554(part I)-1976 IS : 1554(part II)-1970
16.	1276	80-10-01	81-09-30	IS : 226-1975
17.	1277	80-10-01	81-09-30	IS : 1977-1975

18.	1282	80-10-01	81-09-30	IS : 2553-1971
19.	1338	80-10-01	81-09-30	IS : 692-1974
20.	1465	80-09-01	81-08-31	IS : 2567-1978
21.	1480	80-11-91	81-10-31	IS : 780-1959
22.	1514	80-10-01	81-09-30	IS : 1011-1963
23.	1525	80-10-01	81-09-30	IS : 1507-1877
24.	1531	80-10-01	81-09-30	IS : 10 (part IV)-1976
25.	1789	80-10-01	81-09-30	IS : 3470-1966
26.	1814	80-10-16	81-10-15	IS : 1650(part I)-1967 IS : 1660(part II and III)-1972
27.	1841	80-10-01	81-09-30	IS : 562-1968
28.	1954	80-10-01	81-09-30	IS : 153-1973
29.	2014	80-10-01	81-09-30	IS : 565-1975
30.	2016	80-07-01	81-05-30	IS : 3829-1978 and IS : 4510-1978
31.	2043	80-10-16	81-10-15	IS : 561-1978
32.	2070	80-02-16	81-09-15	IS : 226-1975
33.	2081	80-11-10	81-10-31	IS : 564-1975
34.	2082	80-11-01	81-10-31	IS : 565-1975
35.	2083	80-11-01	81-10-31	IS : 632-1973
36.	2084	80-11-01	81-10-31	IS : 1307-1973
37.	2086	80-11-01	81-10-31	IS : 2557-1973
38.	2104	80-10-16	81-10-15	IS : 10(part IV)-1976
39.	2107	80-10-16	81-10-15	IS : 10(part IV)-1976
40.	2110	80-10-16	81-10-15	IS : 245-1973
41.	2115	80-10-16	81-10-15	IS : 774-1971
42.	2117	80-10-16	81-10-15	IS : 10(part IV)-1975
43.	2158	80-01-01	81-09-30	IS : 561-1978
44.	2161	80-10-01	81-09-30	IS : 2365-1973
45.	2170	80-10-10	81-09-30	IS : 554-1975
46.	2230	80-10-01	81-09-30	IS : 633-1973
47.	2237	80-10-01	81-09-30	IS : 1307-1973
48.	2259	80-08-16	8-08-15	IS : 10(part III)-1974
49.	2262	80-10-01	81-09-30	IS : 3235-1955
50.	2282	80-10-01	81-09-30	IS : 2567-1978
51.	2294	80-10-01	81-09-30	IS : 2481-1973
52.	2393	80-10-16	8-10-15	IS : 4031-1968
53.	2599	80-10-01	81-09-30	IS : 2682-1956
54.	2658	80-10-01	81-09-30	IS : 434(part I and III)-1964
55.	2668	80-11-01	81-10-31	IS : 633-1975
56.	2706	80-11-01	81-10-31	IS : 633-1975
57.	2730	80-11-01	81-10-31	IS : 4323-1957
58.	2740	80-08-16	81-03-15	IS : 1785-1865
59.	2754	80-09-16	81-09-15	IS : 1783-1974
60.	2772	80-11-01	81-10-31	IS : 5277-1950
61.	2777	80-11-01	81-10-31	IS : 2555-1955
62.	2783	80-10-16	81-10-15	IS : 5516-1960
63.	2806	80-09-16	81-09-15	IS : 1554(part I)-1975
64.	2874	80-11-01	81-10-31	IS : 5281-1950
65.	2875	80-11-01	81-10-31	IS : 2861-1964
66.	2910	80-10-16	81-03-15	IS : 1785-1965
67.	2966	80-03-01	81-07-31	IS : 5501-1970
68.	2999	80-10-01	81-09-30	IS : 7.719-1968
69.	3005	80-10-01	81-09-30	IS : 1691-1950
70.	3042	80-10-16	81-10-15	IS : 10(part II)-1975
71.	3108	80-08-01	81-07-31	IS : 5534-1979
72.	3168	80-10-01	81-09-30	IS : 1591-1960
73.	3171	80-10-01	81-09-30	IS : 2565-1965
74.	3182	80-10-16	81-10-15	IS : 2555-1955
75.	3190	80-11-01	81-10-31	IS : 1591-1950
76.	3206	80-11-01	81-10-31	IS : 1591-1950
77.	3418	80-09-16	81-09-15	IS : 398(part II)-1976
78.	3541	80-09-16	81-12-31	IS : 4935-1968

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
79.	3544	80-10-01	81-09-30	IS : 1660(Part IV) —1977	135.	4733	80-10-01	81-09-30	IS : 325—1978 and IS : 1520—1972
80.	3549	80-10-01	81-09-30	IS : 6914—1978	136.	4745	80-10-16	81-10-15	IS : 1925—1974
81.	3550	80-10-10	81-09-30	IS : 6915—1978	137.	4756	80-11-01	81-10-31	IS : 554—1975
82.	3556	80-10-01	81-09-30	IS 398(Part I and II) —1976	138.	4759	80-11-01	81-10-31	IS : 1307—1973
83.	3562	80-10-16	81-10-15	IS : 2509—1973	139.	4768	80-10-01	81-09-30	IS : 1601—1969
84.	3593	80-10-15	81-09-15	IS : 1786—1966	140.	4899	80-10-16	81-10-15	IS : 3975—1967
85.	3675	80-10-01	81-09-30	IS : 5410—1969	141.	4898	80-10-16	81-10-15	IS : 552—1973
86.	3844	80-10-01	81-09-30	IS : 10(Part IV)—1976	142.	4949	80-11-01	81-10-31	IS : 1601—1950
87.	3911	80-10-01	81-09-30	IS : 2596—1964	143.	5071	80-10-01	81-09-30	IS : 1970—1974
88.	3831	80-09-01	81-08-31	IS : 694—1977	144.	5083	80-10-01	81-09-30	IS : 3052—1974
89.	3938	80-09-01	81-08-31	IS : 633—1975	145.	5084	80-10-01	81-09-30	IS : 3652—1974
90.	3943	80-09-16	81-09-15	IS : 553—1973	146.	5155	80-09-15	81-09-15	IS : 7681—1975
91.	3944	80-10-01	81-09-30	IS : 563—1973	147.	5160	80-11-01	81-10-31	IS : 1786—1965
92.	3957	80-10-01	81-09-30	IS : 303—1969	148.	5398	89-08-01	81-07-31	IS : 5852—1977
93.	3959	80-10-01	81-09-30	S : 1596—1977	149.	5451	80-09-01	81-08-31	IS : 2567—1978
94.	3960	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978	150.	5467	80-09-16	81-09-15	IS : 6914—1978
95.	3964	80-10-01	81-09-30	IS : (Part II)—1976	151.	5468	80-09-16	81-09-15	IS : 6715—1978
96.	3967	80-11-01	81-10-31	IS : 10(Part II)—1976	152.	5468	80-09-16	81-09-15	IS : 1601—1960
97.	3983	80-10-16	81-10-15	IS : 21—1975	153.	5473	80-09-16	81-09-15	IS : 1916—1975
98.	3985	80-10-16	81-10-15	IS : 1785—1965	154.	5496	80-09-01	81-08-31	IS : 1868—1968 IS : (1660/Part I)—1967
99.	3995	80-10-01	81-09-30	IS : 3470—1965	155.	4599	80-09-01	81-08-01	IS : 7407—1974
100.	3999	80-11-01	81-10-31	IS : 1520—1972	156.	5504	80-09-01	81-01-31	IS : 3885/Part I—1977 IS : 3885(Part II)—1967
101.	4003	80-11-01	81-10-31	IS : 6595—1972	157.	5505	80-09-16	81-09-15	IS : 2026—1966
102.	4010	80-11-01	81-10-31	IS : 560—1969	158.	5507	80-09-16	81-09-15	IS : 4654—1974
103.	4110	80-10-01	81-09-30	IS : 7185—1973	159.	5509	80-10-01	81-09-30	IS : 378(Part II)—1976
104.	4123	80-10-01	81-09-30	IS : 5950—1971	160.	5515	80-09-15	81-09-15	IS : 4323—1967
105.	4216	80-09-01	81-08-31	IS : 562—1978	161.	5518	80-09-16	81-09-15	IS : 7680—1975
106.	4252	80-10-01	81-09-30	IS : 7122—1973	162.	5524	80-10-01	81-09-30	IS : 4588—1977
107.	4284	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978	163.	5527	80-10-01	81-09-30	IS : 6914—1973
108.	4316	80-09-01	81-08-31	IS : 2567—1978	164.	5536	80-09-15	81-09-15	IS : 1307—1973
109.	4412	80-11-01	81-10-31	IS : 2582—1965	165.	5537	80-10-01	81-09-30	IS : 1308—1974
110.	4413	80-11-01	81-10-31	IS : 6439—1978	166.	5540	80-10-01	81-09-30	IS : 398(Part I and II) —1976
111.	4512	80-08-01	81-07-31	IS : 1239(Part I)—1979	167.	5541	80-10-01	81-09-30	IS : 226—1975
112.	4550	80-10-16	81-10-15	IS : 226—1975	168.	5542	70-10-01	81-09-30	IS : 1977—1975
113.	4586	80-09-16	81-09-15	IS : 6914—1978	169.	5544	80-09-16	81-09-15	IS : 1786—1966
114.	4587	80-09-16	81-09-15	IS : 6915—1978	170.	5547	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978
115.	4604	80-10-16	81-10-15	IS : 261—1965	171.	5562	80-10-16	81-10-15	IS : 561—1978
116.	4613	80-10-01	81-09-31	IS : 565—1975	172.	5564	80-10-16	81-10-15	IS : 564—1975
117.	4616	80-09-16	81-09-15	IS : 561—1978	173.	5568	80-10-01	81-09-30	IS : 3431—1975
118.	4618	80-11-01	81-10-31	IS : 565—1975	174.	5569	80-10-16	81-10-15	IS : 7538—1975 IS : 6595—1972
119.	4622	80-09-16	81-09-15	IS : 2864—1973	175.	5570	80-10-16	81-10-15	IS : 325—1978
120.	4627	80-09-16	81-09-15	IS : 4935—1958	176.	5573	80-10-16	81-10-15	IS : 5346—1975
121.	4638	80-09-15	81-09-15	IS : 2553—1974	177.	5577	80-10-16	81-10-15	IS : 1925—1974
122.	4640	80-09-16	81-09-15	IS : 2924—1974	178.	5597	80-11-01	81-10-31	IS : 5346—1975
123.	4644	80-09-16	81-09-15	IS : 2552—1970	179.	5842	80-10-16	81-10-15	IS : 562—1978
124.	4648	80-10-01	81-09-30	IS : 325—1970	180.	5843	80-10-16	81-10-15	IS : 565—1973
125.	4672	80-10-01	81-09-30	IS : 398(Part I and II) —1976	181.	5844	80-10-16	81-10-15	IS : 632—1978
126.	4686	80-10-10	81-09-30	IS : 564—1975	182.	5845	80-10-16	81-10-15	IS : 633—1975
127.	4702	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	183.	5846	80-10-16	81-10-15	IS : 1307—1973
128.	4704	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	184.	5848	80-10-16	81-10-15	IS : 2567—1973
129.	4705	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	185.	5849	80-10-16	81-10-15	IS : 2682—1966
130.	4708	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	186.	5850	80-10-16	81-10-15	IS : 2861—1964
131.	4714	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	187.	5851	80-10-16	81-10-15	IS : 4323—1967
132.	4715	80-10-01	81-09-30	IS : 1848—1971	188.	5852	80-10-16	81-10-15	IS : 5277—1969
133.	4717	80-10-16	81-10-15	IS : 694—1977	189.	5853	80-10-16	81-10-15	IS : 5281—1969
134.	4722	80-10-16	81-10-15	IS : 1601—1960	190.	5854	80-10-06	81-10-15	IS : 6437—1978
					191.	5873	80-10-01	81-09-30	IS : 3237—1965
					192.	5743	80-11-01	81-10-31	IS : 633—1975
					193.	5957	80-10-16	81-10-15	IS : 2834—1964
					194.	5991	80-09-16	81-09-15	IS : 7583—1975
					195.	6044	80-05-01	81-04-30	IS : 561—1978

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
196.	6055	80-04-16	81-04-15	IS : 1970 (Part I)—1974	255.	7236	80-10-01	81-09-30	IS : 1879 -1975
197.	6105	80-10-01	81-09-30	IS : 679—1966	256.	7239	80-10-01	81-09-30	IS : 226—1975
198.	6129	80-10-01	81-09-30	IS : 419 —1967	257.	7240	80-10-01	81-09-30	IS : 1977—1975
199.	6306	80-10-01	81-09-30	IS : 1601—1960	258.	7245	80-10-01	81-09-30	IS : 371—1966
200.	6329	80-08-16	81-08-15	IS : 934—1976	259.	7251	80-10-01	81-09-30	IS : 6048—1970
201.	6336	80-08-16	81-08-15	IS : 4174—1967	260.	7255	80-10-01	81-09-30	IS : 8487—1977
202.	6381	80-09-01	81-08-31	IS : 4588 —1977	261.	7258	80-10-16	81-10-15	IS : 2818 (Part II)—1971
203.	6382	80-09-01	81-05-15	IS : 4431—1967	262.	7260	80-10-16	81-10-15	IS : 1977—1975
204.	6390	80-09-16	81-09-15	IS : 780 —1969	263.	7263	80-10-16	81-10-15	IS : 2707—1973
205.	6394	80-09-16	81-07-15	IS : 1879 (Part I to X) —1975	264.	7265	80-10-16	81-10-15	IS : 834—1975
206.	6401	80-09-16	81-09-15	IS : 5430—1969	265.	7266	80-10-16	81-10-15	IS : 325—1978
207.	6420	80-10-01	81-09-30	IS : 1729 —1964	266.	7272	80-10-16	81-10-15	IS : 934—1976
208.	6426	80-10-01	81-09-30	IS : 694—1977	267.	7273	80-10-16	81-10-15	IS : 6595—1972
209.	6427	80-10-01	81-09-30	IS : 325—1975	268.	7274	80-10-01	81-09-30	IS : 1153—1975
210.	6436	80-10-01	81-09-30	IS : 5086—1969	269.	7284	80-11-01	81-10-31	IS : 7466—1974
211.	6439	80-10-01	81-09-30	IS : 427 —1965	270.	7285	80-11-01	81-10-31	IS : 4467—1967
212.	6440	80-10-01	81-05-31	IS : 427—1965	271.	7286	80-11-01	81-10-31	IS : 4588—1977
213.	6442	80-10-01	81-09-30	IS : 2645—1964	272.	7288	80-11-01	81-10-31	IS : 2568—1978
214.	6443	80-10-16	81-10-15	IS : 5456—1969	273.	7270	80-11-01	81-10-31	IS : 4323—1967
215.	6447	80-10-16	81-11-30	IS : 133—1975	274.	7298	80- 2-16	81-02-15	IS : 3564—1975
216.	6449	80-10-01	81-09-30	IS : 916—1975	275.	7715	80-05-01	81-04-30	IS : 7347—1974
217.	6452	80-10-16	81-10-15	IS : 325—1970	276.	7839	80-10-01	81-09-30	IS : 2832—1964
218.	6458	80-10-16	81-10-15	IS : 4175—1966	277.	7874	80-08-01	81-07-31	IS : 2208—1952
219.	6459	80-10-16	81-10-15	IS : 4964(Part II)—1975	278.	7894	80-08-16	81-08-15	IS : 5086—1967
220.	6466	80-10-01	81-10-31	IS : 6595—1972	279.	7937	80-09-01	80-08-01	IS : 3055—1965
221.	6475	80-10-16	81-10-15	IS : 8057—1976	280.	7959	80-09-01	81-08-31	IS : 3589—1966
222.	6482	80-11-01	81-10-31	IS : 6073—1971	281.	7966	80-09-16	81-09-15	IS : 4654—1974
223.	6483	80-11-01	81-10-31	IS : 5482—1968	282.	7974	80-09-16	81-09-15	IS : 2879—1975
224.	6512	80-11-01	81-10-31	IS : 1601—1960	283.	7975	80-09-16	81-09-15	IS : 208—1972
225.	6531	80-10-01	81-09-30	IS : 5557—1969	284.	7976	80-09-16	81-09-15	IS : 204—1974
226.	6537	80-12-01	81-11-30	IS : 780—1969	285.	7984	80-09-16	81-09-15	IS : 226—1975
227.	6631	80-10-01	81-09-30	IS : 2567—1978	286.	7985	80-09-16	81-09-15	IS : 1977—1975
228.	6632	80-10-01	81-09-30	IS : 564—1975	287.	7975	80-10-01	81-09-30	IS : 722(Part II) —1977
229.	6768	80-10-01	81-09-30	IS : 6595—1972	288.	8001	80-10-01	81-09-30	IS : 2568—1978
230.	6801	80-09-16	81-09-15	IS : 7312—1974	289.	8003	80-10-01	81-09-30	IS : 6248—1971
231.	6936	80-10-01	81-09-30	IS : 398(Part I and II) —1976	290.	8004	80-10-01	81-09-30	IS : 226—1975
232.	6965	80-10-01	81-09-30	IS : 1161—1979	291.	8005	80-10-01	81-09-30	IS : 6914—1978
233.	6971	80-09-16	81-09-15	IS : 1786—1966	292.	8007	80-11-01	81-10-31	IS : 1554—1976
234.	6978	79-11-16	80-11-15	IS : 285—1974	293.	8008	80-10-01	81-09-30	IS : 694—1977
235.	7104	80-09-16	81-09-15	IS : 7406—1974	294.	8010	80-10-01	81-09-30	IS : 4654—1974
236.	7141	80-10-01	81-09-30	IS : 7121—1973	295.	8014	80-10-01	81-09-30	IS : 4654—1974
237.	7160	80-09-01	81-08-31	IS : 1856—1977	296.	8020	80-10-01	81-09-30	IS : 2834—1964
238.	7166	80-09-01	81-08-31	IS : 226—1975	297.	8027	80-10-01	81-09-30	IS : 561—1978
239.	7169	80-09-01	81-08-31	IS : 2266—1977 IS : 2581—1977 IS : 2365—1977	298.	8030	80-10-16	81-10-15	IS : 226—1975
240.	7172	80-09-01	81-08-31	IS : 789—1971	299.	8031	80-10-16	81-10-15	IS : 7406—1974
241.	7207	80-10-01	81-09-30	IS : 4323—1967	300.	8035	80-10-16	81-10-15	IS : 274(Part I)—1976
242.	7209	80-09-16	81-09-15	IS : 410—1977	301.	8036	80-10-16	81-10-15	IS : 378(Part II)—1975
243.	7211	80-10-01	81-09-30	IS : 280—1972	302.	8042	80-10-16	81-10-15	IS : 1786—1966
244.	7215	80-09-16	81-09-15	IS : 6914—1973	303.	8044	80-10-16	81-10-15	IS : 226—1975
245.	7216	80-09-16	81-09-15	IS : 6915—1973	304.	8045	80-10-16	81-10-15	IS : 3976—1975
246.	7218	80-09-16	81-09-15	IS : 2580—1965	305.	8047	80-10-16	81-10-15	IS : 6595—1972
247.	7220	80-09-16	81-09-15	IS : 2818(Part II)—1971	306.	8048	80-10-16	81-10-15	IS : 7538—1975
248.	7221	80-10-01	81-09-30	IS : 2653—1964	307.	8049	80-10-16	81-10-15	IS : 6914—1978
249.	7222	80-10-01	81-09-30	IS : 2653—1964	308.	8053	80-10-16	81-10-15	IS : 2924—1974
250.	7223	80-10-01	81-09-30	IS : 2653—1964	309.	8054	80-10-16	81-10-16	IS : 1694—1974
251.	7224	80-10-01	81-09-30	IS : 2653—1964	310.	8055	80-10-16	81-10-15	IS : 1695—1974
252.	7231	80-10-01	81-09-30	IS : 1785(Part I)—1966 and IS : 1785(Part II)—1967	311.	8056	80-10-16	81-10-15	IS : 1696—1974
253.	7234	80-10-01	81-09-30	IS : 1786—1966	312.	8057	80-10-16	8x-10-15	IS : 2558—1974
254.	7235	80-09-16	81-09-15	IS : 7371—1975	313.	8058	80-11-01	81-10-31	IS : 2923—1974
					314.	8063	80-11-01	81-10-31	IS : 2074—1962
					315.	8070	80-11-01	81-10-31	IS : 1786—1966
					316.	8078	80-11-01	81-10-31	IS : 1601—1960
					317.	8079	80-11-01	81-10-31	IS : 4764(Part II)—1975
					318.	8085	80-11-01	81-10-31	IS : 4764(Part II)—1975
					319.	8086	80-11-01	81-10-31	IS : 4764(Part II)—1975
					320.	8087	80-11-01	81-10-31	IS : 4964(Part II)—1965
									IS : 4764(Part II)—1975

नई दिल्ली, 1981-04-30

का० भा० 1550.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम एवं विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) और विनियम 3 के उपविनियम (2) एवं (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के ब्योरे दिए गए हैं, 31 अगस्त 1978 को निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं०	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए हुए भारतीय मानक या मानकों की पद संख्या और शीर्षक यदि कोई हो	टिप्पणी यदि कोई हो
1.	2.	3.	4.
1.	IS : 193-1977 नरम टांके की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 193-1966 नरम टांके की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	1978-07-31 को स्थापित भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 193-1977 1978-11-01 से लागू होगा।
2.	IS : 210-1978 भूरे लोहे की ठली वस्तुओं की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 21-1970 भूरे लोहे की ठली वस्तुओं की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	*भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 210-1978 1978-11-30 से लागू होगा।
3.	IS : 1448 (पी० : 86)-1977 पैट्रोलियम और इसके उत्पाद की परीक्षण पद्धतियाँ : पी० : 86 परकलोरिक विभवमापी अनुमापन से कुल बैक नम्बर निर्धारित करना	---	---
4.	IS : 1479 (भाग III)-1977 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियाँ भाग 3 दूध का जीवाणु-विश्लेषण (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1479 (भाग III)-1962 डेरी उद्योग के लिए परीक्षण पद्धतियाँ भाग 3 दूध का जीवाणु विश्लेषण	1978-07-31 को स्थापित
5.	IS : 1829 (भाग I)-1978 पुस्तकालय के लिए फर्नीचर और फिटिंग की विशिष्ट भाग I भारतीय लकड़ी (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1829 (भाग I)-1961 पुस्तकालय के लिए फर्नीचर और फिटिंग की विशिष्ट भाग I लकड़ी	---
6.	IS : 2654-1977 तांबा और तांबे मिश्रधातु के तनाव की परीक्षण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2654-1964 तांबा और तांबे मिश्रधातु के तनाव परीक्षण की पद्धति	---
7.	IS : 3003 (भाग I)-1977 बिजली की मशीनों के लिए कार्बन ब्रूशों की विशिष्ट भाग I परिभाषाएं और नामावली (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3003 (भाग I)-1966 बिजली की मशीनों के लिए कार्बन ब्रूशों की विशिष्ट भाग I परिभाषाएं और प्रायाम और परीक्षण की पद्धतियाँ	---
8.	IS : 3337-1978 सामान्य कार्यों के लिए बल्लियों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3337-1965 सामान्य कार्यों के लिए बल्लियों की विशिष्ट	---
9.	IS : 3397-1978 समुदाय रेडियो रिसेवर की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 706-1955 ऐ० सी० सेन्स से चलने वाले समुदाय रेडियो रिसेवर की विशिष्ट (अंतरिक) और IS : 3397-1965 ग्रुफ बैटरियों से चलने वाले ट्रांजिस्टर लगे करने वाले समुदाय रेडियो रिसेवरों की विशिष्ट	---
10.	IS : 3622-1977 टुकड़ियों बलुआ पत्थर (पट्टी और खप-रेल) की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3622-1966 कर्श में लगाने वाले बलुआ पत्थर की टुकड़ियों की विशिष्ट	---
11.	IS : 3657-1978 रेडियोग्राफी बिम्ब गुणता सूचक की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3657-1978 रेडियोग्राफी बिम्ब गुणता सूचक की विशिष्ट	---

12 IS : 3959-1978 चमगाण्डों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3959-1966 चमगाण्डों की विशिष्टि	---
13 IS : 4004-1978 प्रत्यावर्ती प्रणालियों के लिए धरेखीच परिवर्तित नुमा सर्ज प्ररेस्टर की उपयोग संदर्शिका (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4004-1967 प्रत्यावर्ती धारा प्रणालियों के लिए धरेखीच सर्ज प्ररेस्टर की उपयोग संदर्शिका	---
14 IS : 4212-1978 ड्राईंग कार्यालयों के लिए प्राप्त सर्वभारणियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4212-1967 ड्राईंग कार्यालयों के लिए प्राप्त सर्वभारणियों की विशिष्टि	---
15 IS : 4218 (भाग 6)-1978 आई० एस० ओ० मोटरी चूड़ियाँ भाग 6 व्यापारिक काबलों और टिबरियों की माहजों की सीमाएं (व्यास 1 से 52 मिमी तक) (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4218 (भाग 6)-1967 आई० एस० ओ० मो० 1978-01-31 को स्थापित मीट्रिक पेंच चूड़ियाँ भाग 6 व्यापारिक काबलों और टिबरियों की माहजों की सीमाएं (व्यास 1 से 39 मिमी तक)	---
16 IS : 4247 (भाग 1)-1978 सतह पर बने बिजली केन्द्रों की संरचना डिजाइन की रीति संहिता भाग 2 अधिरचनाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4247 (भाग 1)-1967 सतह पर बने पन बिजली केन्द्रों की संरचना डिजाइन की रीति संहिता भाग 1 डिजाइन के लिए आंकड़े	---
17 IS : 4247 (भाग 1)-1978 सतह पर बने पन बिजली केन्द्रों की संरचना डिजाइन की रीति संहिता भाग 2 अधिरचनाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4247 (भाग 2)-1968 सतह पर बने पन बिजली केन्द्रों की संरचना डिजाइन की रीति संहिता भाग 2 अधिरचनाएं	---
18 IS : 4268-1978 वायु गीली प्राथमिक बैटरियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4268-1978 वायु गीली प्राथमिक बैटरियों की विशिष्टि	---
19 IS : 4321-1978 2, 4-डी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4321-1967 2, 4-डी तकनीकी की विशिष्टि	---
20 IS : 4434-1978 मृत्तिकाओं के सौके पर बैन परीक्षण की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4434-1967 मृत्तिकाओं के सौके पर बैन परीक्षण की रीति संहिता	---
21 IS : 4780-1978 ताजी पामफेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4780-1968 ताजी मफेट और भरी पामफेट की विशिष्टि	---
22 IS : 4805-1978 ईट के भट्टे की रचना की संदर्शिका (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4805-1968 ईट के भट्टे की डिजाइन और निर्माण संदर्शिका	---
23 IS : 4837-1978 स्कूलों में काम आने वाले फर्नीचर और स्कूल की कक्षा-कुर्सियों और मेजों की सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4837 (भाग 1)-1968 कनिष्ठ स्कूल में काम आने वाले फर्नीचर और स्कूल की कक्षा-कुर्सियों और मेजों के लिए सिफारिशें भाग 1 आयु वर्ग 5 से 11 वर्ष 2. IS : 4837 (भाग 2)-कनिष्ठ स्कूल में काम आने वाले फर्नीचर और स्कूल कक्षा-कुर्सियों और मेजों के लिए सिफारिशें भाग 2 आयु वर्ग 12 से 16 वर्ष	---
24 IS : 4929-1978 डाईस्फोरबोस तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4929-1968 डाईस्फोरबोस तकनीकी की विशिष्टि	भा मा संस्था प्रमाणन मूद्र योजना के लिए IS : 4929-1978 1979-03-01
25 IS : 5041-1978 जूने और लेखन सामग्री के आइलेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5041-1969 जूने और लेखन सामग्री के आइलेट की विशिष्टि	---

1	2	3	4
26.* IS : 5277-1978 ड्राईक्लोरबोम पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5241-1969 ड्राईक्लोरबोम पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	1978-07-31 को स्थापित * भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए। IS : 6439-1978 1978-03-01 से लागू	
27. IS : 5383-1978 दस्त मंजन के लिए विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5383-1969 दस्त मंजन के लिए विशिष्टि	---	
28. IS : 6356-1978 दस्त पेस्ट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6356-1971 दस्त पेस्ट की विशिष्टि	---	
29. IS : 6439-1978 ड्राईक्लोरबोम पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6439-1971 ड्राईक्लोरबोम पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	1978-07-31 को स्थापित * भा मा संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS : 6439-1978 1979-01-01 से लागू होगा	
30. IS : 7074 (भाग 2)-1978 बायु पैकेट की विशिष्टि भाग 2 परीक्षण	---	---	
31. IS : 7160 (भाग 6) ---1977 पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण क्षेत्र हाशियों टाइप साइज की संदर्शिका भाग 6 सामिल पाठ्य पुस्तकों	---	---	
32. IS : 7884-1978 संश्लेषित प्रक्षालक से बने शेंपू (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7884-1975 संश्लेषित प्रक्षालक से बने शेंपू	---	
33. IS : 8422 (भाग 6)-1977 अंतर्बाही इंजनों के लिए पिस्टन रिंगों की विशिष्टि भाग 6, 50 से 200 मि०मी० तक सांकेतिक व्यास वाली खोलदार तेल नियंत्रक प्ले रिंग	---	---	
34. IS : 8422 (भाग 7)-1977 अंतर्बाही इंजनों के लिए पिस्टन रिंगों की विशिष्टि भाग 6, 50 से 200 मि०मी० तक सांकेतिक व्यास वाली खोलदार तेल नियंत्रक, सी रिंग	---	---	
35. IS : 8659-1978 टोकरी तुला अणुकेन्द्रीक के लिए प्रोत्सा की आंकड़ा शीट	---	---	
36. IS : 8707-1978 सैनिकोजेब तकनीकी की विशिष्टि	---	---	
37. IS : 8714-1978 अणुसंयोज क्षेत्रों में उपयोग के लिए बिजली के सुरक्षा रिले की विशिष्टि	---	---	
38. IS : 8715-1978 भिराल के लिए साइकिलों की पैकिंग की रीति संहिता	---	---	
39. IS : 8716-1978 अरेख बिजली उपकरणों की पैकिंग की रीति संहिता	---	1978-07-31 को स्थापित	
40. IS : 8727-1978 कांच इन्सुल बड़े इस्पात की बिजली-मिश्रणों की विशिष्टि	---	1978-07-31 को स्थापित	
41. IS : 8729-1977 आयतन शीशे के सामान के निर्माण और संयोजन के सिद्धांत	---	---	
42. IS : 8731-1978 सामान्य कार्यों के लिए गीजर हल्ल की तकनीकी प्रति की शर्तें	---	---	
43. IS : 8736-1977 धातु भारक बैरिडिंग के लिए निकेल और निकल-मिश्र से बड़े इलेक्ट्रोड की विशिष्टि	---	---	
44. IS : 8733-1978 मिगल स्टार्ट गीजर हल्ल के लिए कूटें	---	---	
45. IS : 8757-1978 भाग बजाय पारिभाषिक शब्दावली	---	---	

1	2	3	4
46. IS: 8760-1978 लोचन-चित्रण वाले चित्रकारी बरतनों में खाने में लगे तालों की विशिष्टि		--	--
47. IS: 8761-1978 इस्पात की मुकुनं वाला चारपाइया की विशिष्टि		--	--
48. IS: 8762-1978 उच्च क्षमता वाले वायुयानों के लिए भाड़े प्रकार वाले मुके हुए प्रभावित डिब्बों का परीक्षण और सामान्य अपेक्षाएं		--	--
49. IS: 8763-1978 शान्ति वानु के बानगी लेने की संदर्भिका		--	--
50. IS: 8767-1978 कैल्शियम कार्बोनेट अप्लेपित और सक्रियकृत रंग रोगन के लिए		--	--
51. IS: 8775-1978 सिलिडर में रखी स्थायी गैसों के लिए भारने का दाब और अनुकूल विकसित दाब		--	--
52. IS: 8776-1978 5 लिटर जल समता तक पैट्रोलियम गैस सिलिडरों के साथ लगने वाले आलव फिटिंग की विशिष्टि		--	--
53. IS: 8779-1978 ठलाई खानों में काम आने वाली कोर गोबों (सॉडियम सिलिकेट पर आधारित) की विशिष्टि		--	--
54. IS: 8780-1988 इस्पात की ठली वस्तुओं की प्रताणी परीक्षण की रीति संहिता		--	--
55. IS: 8783-1978 हस्तचालित हकदूरे पक्ति वाले जूट बाजपत्तित की विशिष्टि		--	--
56. IS: 8782-1978 कागज उत्पाद के लिए रसायनिक सूई की विशिष्टि		--	--
57. IS: 8784-1978 थर्मोकपल अनिमूर्तिकारी केवल की विशिष्टि		--	--
58. IS: 8789-1978 तीन फेज प्रेरित मोटरों की कार्य-कारिता लक्षणों के मान		--	--
59. IS: 8798-1978 बहु श्रेणी चक्र की विशिष्टि		--	--
60. IS: 8800-1978 इस्पात की ठली वस्तुओं की तकनीकी प्रती की गतें		--	--
61. IS: 8810-1978 रॉलेट पेंटने के लेक्सीमल बेनिया के लिए नमीन की विशिष्टि		--	--
62. IS: 8815-1978 दंत कार्यों के लिए दास्त पद्धति		--	--
63. IS: 8819 (भाग 1)-1978 झोल्ट लोडिंग इस्पात की मृक नोकाओं की विशिष्टि भाग 1 धारिता और माप		--	--
64. IS: 8820 (भाग 1)-1978 वो करने के हुकों की विशिष्टि भाग 1 कर्षण प्रयास का पैमाना		--	--
65. IS: 8821 (भाग 1)-1978 स्टोयॉरिंग नीमर की विशिष्टि भाग 1 टांक के मान		--	--
66. IS: 9000 (भाग 14)--वैद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल भूत वातावरणीय परीक्षण की विधि 14 तापक्रम में परिवर्तन		--	--
67. IS: 9000 (भाग 31)-1978 वैद्युत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल भूत वातावरणीय परीक्षण की विधि 31 मिश्रित ठंडी अन्य वायु दाब परीक्षण		--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिस्की के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और इसकी शाखा कार्यालय, अहमदाबाद, बंगलोर, भोपाल, बम्बई, मुम्बैनगर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कोलपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम में प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं० पी एच जी/13: 2]

New Delhi, the 1981-04-30

S.O. 1550.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the schedule hereto annexed, have been established on 1978-03-31 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 193—1977 Specification for soft solder (Third Revision)	IS : 193—1966 Specification for soft solder (second revision)	Established on 1978-07-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 193—1977 shall come into force w.e.f. 1978-11-01
2.	IS : 210—1978 Specification for grey iron castings (third revision)	IS : 210—1970 Specification for grey iron castings (Second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 210—1978 shall come into force w.e.f. 1978-11-30.
3.	IS : 1448 (P : 86)—1977 Methods of test for Petroleum and its products : P 86 Determination of total base number by potentiometric per chloric acid titration method.	—	—
4.	IS : 1479 (Part III) - 1977 Methods of test for dairy industry Part III Bacteriological analysis of milk (first revision)	IS : 1479 (Part III)—1962 Methods of test for dairy industry Part III Bacteriological analysis of milk	Established on 1973-07-31
5.	IS : 1829 (Part I)—1978 Specification for library furniture and fittings Part I Timber (First revision)	IS : 1829 (Part I)—1961 Specification for library furniture and fittings : Part I Timber	—
6.	IS : 2654—1977 Method for tensile testing of copper and copper alloys (first revision)	IS : 2654—1964 Method for tensile testing of copper and copper alloys	—
7.	IS : 3003 (Part I)—1977 Specification for carbon brushes for electrical machines Part I Definitions and nomenclature (first revision).	IS : 3003 (Part I)—1965 Specification for carbon brushes for electrical machines : Part I Nomenclature, dimensions and test methods.	—
8.	IS : 3337—1978 Specification for Ball bearings for general purposes (first revision)	IS : 3337—1965 Specification for Ball bearings for general purposes	—
9.	IS : 3397—1978 Specification for community radio receivers. (first revision)	(i) IS : 706—1955 Specification for AC mains-operated community radio receivers (tentative) and (ii) IS : 3397—1965 Specification for battery operated community radio receivers utilizing transistors	—
10.	IS : 3622—1977 Specification for sandstone (slabs and tiles) (first revision)	IS : 3622—1965 Specification for sandstone slabs for use in flooring	—
11.	IS : 3657—1978 Specification for radio-graphic image quality indicators. (first revision).	IS : 3657—1966 Specification for radio-graphic image quality indicators.	—
12.	IS : 3959—1978 Specification for skin powders. (first revision)	IS : 3959—1966 Specification for skin powders	—
13.	IS : 4004—1978 Application guide for non-linear resistor-type surge arresters for alternating current systems (first revision)	IS : 4004—1967 Application guide for non-linear resistor-type lightning arresters for alternating current systems.	—

(1)	(2)	(3)	(4)
14. IS : 4212—1978 Specification for drafting preference tables for drawing offices (first revision).	IS : 4212—1967 Specification for drafting tables and reference tables for drawing offices.	—	
15. IS : 4218 (Part VI) -1978 ISO Metric screw threads Part VI limits of sizes for commercial bolts and nuts (diameter range 1 to 52 mm) (first revision).	IS : 4218 (Part VI)—1967 ISO metric screw threads : Part VI limits of sizes for commercial bolts and nuts (diameter range 1 to 39 mm)	Established on 1973-07-31	
16. IS : 4247 (Part I)—1978 Code of practice for structural design of surface hydel power stations : Part I Data for design (first revision).	IS : 4247 (Part I)—1967 Code of practice for structural design of surface hydel power stations : Part I Data for design	—	
17. IS : 4247 (Part II)—1978 Code of practice for structural design of surface hydel power stations : Part II Superstructure (first revision).	IS : 4247 (Part II)—1968 Code of practice for structural design of surface hydel power stations : Part II Superstructure	—	
18. IS : 4268—1978 Specification for air depolarized primary wet cells (first revision).	SI : 4268—1967 Specification for air depolarized primary wet cells	—	
19. IS : 4321—1978 Specification for 2, 4-D, technical (first revision).	IS : 4321—1967 Specification for 2, 4-D, technical.	—	
20. IS : 4434—1978 Code of practice for <i>in-situ</i> vane shear test for soils (first revision).	IS : 4434—1967 Code of practice for <i>in-situ</i> vane shear test for soils	—	
21. IS : 4780—1978 Specification for pomfret, fresh. (first revision).	IS : 4780—1968 Specification for fresh silver pomfret and brown pomfret	—	
22. IS : 4805—1978 Guide for construction of brick kiln (first revision).	IS : 4805—1968 Guide for design and construction of brick kiln	—	
23. IS : 4837—1978 Recommendations for school furniture, classroom chairs and tables for use in schools. (first revision).	(i) IS : 4837 (Part I)—1968 Recommendations for school-furniture, classroom chairs and tables for use in Junior schools : Part I Age group 5—11 years and (ii) IS : 4837 (Part II)—1969 Recommendations for school-furniture, classroom chairs and tables for use in Junior schools : Part II Age group 12—16 years.	—	
24. *IS : 4929—1978 Specification for dichlorvos, technical (first revision)	IS : 4929—1968 Specification for dichlorvos, technical	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 4929—1978 shall come into force w.e.f. 1979-03-01	
25. IS : 5041—1978 Specification for footwear and stationery eyelets (first revision).	IS : 5041—1969 Specification for shoe, boot and stationery eyelets	—	
26. *IS : 5277—1978 Specification for dichlorvos emulsifiable concentrates (first revision).	IS : 5277—1969 Specification for dichlorvos emulsifiable concentrates.	Established on 1978-07-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 5277—1978 shall come into force with effect from 1979-03-01	
27. IS : 5383—1978 Specification for tooth powder. (first revision).	IS : 5383—1969 Specification for tooth powder]	—	
28. IS : 5356—1978 Specification for tooth-paste. (first revision).	IS : 5356—1971 Specification for tooth paste	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
29. IS : 6439—1978 Specification for heptachlor emulsifiable concentrates. (first revision).	IS : 6439—1971 Specification for heptachlor emulsifiable concentrates	Established on 1978-07-31	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; IS : 6439—1978 shall come into force w.e.f. 1979-01-01
30. IS : 7074 (Part II)—1978 Specification for air cargo pallets Part II Testing.	—	—	—
31. IS : 7160 (Part VI)—1977 Guide for print area, margins and type sizes for textbooks : Part VI Textbooks in Tamil.	—	—	—
32. IS : 7884—1978 Specification for shampoo, synthetic-detergent based. (first revision).	IS : 7884—1975 Specification for shampoo, synthetic detergent based.	—	—
33. IS : 8422 (Part VI)—1977 Specification for piston rings for IC engines : Part VI Slotted oil control rings from 50 UP to 200 mm nominal diameter G-rings.	—	—	—
34. IS : 8422 (Part VII)—1977 Specification for piston for IC engines Part VII Double bevelled slotted oil control rings from 50 UP to 200 mm nominal diameter. G-rings.	—	—	—
35. IS : 8659—1978 Purchaser's data sheet for basket type centrifuges.	—	—	—
36. IS : 8707—1978 Specification for mancozeb, technical	—	—	—
37. IS : 8714—1978 Specification for electrical protective relays for use in seismic areas	—	—	—
38. IS : 8715—1978 Code of practice for packaging of bicycles for export	—	—	—
39. IS : 8716—1978 Code of practice for packaging of household electrical appliances.	—	Established on 1978-07-31	—
40. IS : 8727—1978 Specification for vitreous enamelled steel wash basins.	—	Established on 1978-07-31	—
41. IS : 8729—1977 Principles of construction and adjustment of volumetric glassware	—	—	—
42. IS : 8731—1978—Technical supply conditions for general purpose gear hobs.	—	—	—
43. IS : 8733—1978 Tolerances for single start gear hobs.	—	—	—
44. IS : 8736—1977 Specification for nickel and nickel alloy covered electrodes for metal arc welding.	—	—	—
45. IS : 8757—1978 Glossary of terms associated with fire safety.	—	—	—
46. IS : 8760—1978 Specification for mortice sliding door locks with lever mechanism.	—	—	—
47. IS : 8761—1978 Specification for steel folding coats.	—	—	—
48. IS : 8762—1978 General requirements and testing of certified lower-deck half-size containers for high capacity aircraft.	—	—	—
49. IS : 8763—1978 Guide for undisturbed sampling of sands.	—	—	—
50. IS : 8767—1978 Specification for calcium carbonate, precipitated, and activated, for paints.	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
51.	IS : 8775—1978 Filling pressure and corresponding developed pressure for permanent gases contained in cylinders.	—	—
52.	IS : 8776—1978 Specification for valve fittings for use with liquefied petroleum gas (LPG) cylinders up to and including 5-litre water capacity.	—	—
53.	IS : 8779—1978 Specification for core gums (sodium silicate based) for use in foundries.	—	—
54.	IS : 8780—1978 Code of practice for non-destructive testing of steel castings.	—	—
55.	IS : 8781—1978 Specification for single row jute seed drills, manually-operated.	—	—
56.	IS : 8782—1978 Specification for chemical cotton for paper manufacture.	—	—
57.	IS : 8784—1978 Specification for thermocouple compensating cables.	—	—
58.	IS : 8789—1978 Values of performance characteristics for three-phase induction motors.	—	—
59.	IS : 8798—1978 Specification for wheel, multipurpose.	—	—
60.	IS : 8800—1978 Technical supply conditions for steel castings.	—	—
61.	IS : 8810—1978 Specification for rouging for lacrimalsac, Rollet's pattern.	—	—
62.	IS : 8815—1978 Tooth designation for dental purposes (two digit system)	—	—
63.	IS : 8819 (Part I)—1978 Specification for hold loading steel dumb barges : Part I capacity and dimensions.	—	—
64.	IS : 8820 (Part I)—1978 Specification for towing hooks : Part I Scale of tractive efforts	—	—
65.	IS : 8821 (Part I)—1978 Specification for steering gear : Part I Values of torques.	—	—
66.	IS : 9000 (Part XIV)—1978 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items : Part XIV Change of temperature.	—	—
67.	IS : 9000 (Part XXXI)—1978 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items Part XXXI Combined cold/low air pressure tests.	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13: 2]

नई दिल्ली, 1981-05-01

क्र० अ० 1551—समय समय पर संपादित भारतीय मानक सस्था (प्रमाणन बिज्ञ) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक सस्था द्वारा अधिसूचित किया जाना है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-7747 जिसके बारे में निचे अधिसूचना में दिए गए हैं, लाइसेंस-धारी की लाइसेंस नाम रखने में रुचि न होने के कारण सोलह जनवरी उन्नीस सौ इक्यासी से रद्द कर दिया गया है ।

अनुसूची				
क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-7747 1979-05-09	मैथर्स अमीत पैक इंटरप्राइजेज, विधान चंब हंस राज अहाता, कोलशेट रोड, ठाणे (महाराष्ट्र)	थायोमेटोन पायमनीय नेत्र माध्य की पुनः भराई	IS : 3905-1966 थायोमेटोन पायमनीय नेत्र माध्य की विधिष्टि

[सं० सी एम सी/55 : 7747]

New Delhi, the 81-05-01

S.O. 1551—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-7747 particulars of which are given in the Schedule below has been cancelled with effect from Sixteenth January One Thousand Nine Hundred and Eightyone.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date.	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licence cancelled	Relevant Indian Standards
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-7747 1979-05-09	M/s. Ameet Pack Enterprises, Dewanchand Hansraj Compound, Kolshet Road, Thane (Maharashtra).	Repacking of Thiometon Emulsifiable Concentrates.	IS : 3905—1966 Specification for Thiometon Emulsifiable Concentrates.

[No. CMD/55 : 7747]

क्रा० अा० 1552—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-8151 जिसके अधीन नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारी को लाइसेंस वाला रखने में रुचि न होने के कारण पहली मार्च उन्नीस सौ इक्यासी में फर्म के अनुरोध पर रद्द कर दिया गया है :

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंस धारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बंधी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-8151 1979-11-19	मैसर्स विजय केमिकल्स, 66, ई०एम० कोइल स्ट्रीट, पालवंतगल, मद्रास-600061 (तमिलनाडु)	डीडी टी पायमनीय नेत्र माध्य	IS : 633-1975 डी डी टी पायमनीय नेत्र माध्य की विधिष्टि (पहला पुनरीक्षण)

[सं० सी एम सी/55 : 8151]

ए०पी० बनर्जी, अवर महानिदेशक

S.O. 1552—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-8151 particulars of which are given in Schedule below has been cancelled with effect from First March, One Thousand Nine Hundred and Eightyone at the request of the firm.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled.	Relevant Indian Standards
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-8151 1979-11-19	M/s. Vijaya Chemicals, 66, E.M. Koil Street, Palavanthangal, Madras-600 061 (Tamil Nadu).	DDT EC	IS : 633—1975 Specification for DDT Emulsifiable Concentrates (First Revision).

[No. CMD/55 : 8151]

A. P. BANERJI, Additional Director General

**पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक संस्थालय
(पेट्रोलियम विभाग)**

नई दिल्ली, 23 अप्रैल 1981

कां०आ० 1553—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन० एन० एन० से जी० जी० संथाल-1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह : यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन०एन०एन० अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन०एन०एन० द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में जिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कूप न० एन० एन० एन० से जी० जी० एन० संथाल-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य-गुजरात जिला-मेहसाणा तालुका-मेहसाणा

गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एअरर्ड	सेन्टीघर
कमलपुरा	642	0	0.4	80

[सं० 12016/13/81-प्र०३]

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND
FERTILIZER**

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 23rd April, 1981

S.O. 1553.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNN to GGS Santhal-1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission :

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

162 GI/81-46

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for well No. S.N.N. to G.G.S. Santhal-1.

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Mehsana
Village:	Survey No.	Hec- Are Cen- tare tiare
Kasalpura	642	0 04 80

[No. 12016/13/81-Prod.]

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1981

कां०आ० 1554—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन० के० सी० ओ० से एन० के० बी० जे० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह : यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन०एन०एन० अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन०एन०एन० द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में जिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एन० के० सी० ओ० से एन० के० बी० जे० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य-गुजरात जिला 9 अहमदाबाद तालुका - विरमगाम

गांव	सर्वेक्षण	हेक्टेयर	एअरर्ड	सेन्टीघर
तेलावी काटेंद्रक		0	00	48
	70	0	03	60
	76	0	12	00
	75	0	21	60

[सं० 12016/11/81-प्र०-1]

New Delhi, the 25th April, 1981

S.O. 1554.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKCO to NKBJ in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission :

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for N.K.C.O. to N.K.B.J.

State: Gujarat District: Ahmedabad Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec- tare	Acre	Centiare
Telavi	Cart track	0	00	48
	70	0	03	60
	76	0	12	00
	75	0	21	60

[No. 12016/11/81-Prod. I]

का० भा० 1555—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन० के० बी० जे० से कनेक्टिंग के० सी० एफ० से जी० जी० एस कड़ी पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन० पाइपलाइन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रदान करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रजनन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रदान करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसे आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एन० के० बी० जे० से कनेक्टिंग एन० के० सी० एफ० से जी० जी० एस कड़ी 1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात, जिला—अहमदाबाद तालुका—विरमगाम

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एमरर्सि सेन्टीयर	(3)	(4)	(5)
(1)	(2)				
तेलावी !	74	0	11	28	
	73	0	14	68	
	60	0	16	08	
	58	0	16	08	
	55	0	17	28	

1	2	3	4	5
	54	0	12	96
	53	0	18	96
	52	0	08	28
	कार्ट ट्रैक	0	19	00
	50	0	08	76
	48	0	06	48

[सं० 12016/11/81-प्रो०]

S.O. 1555.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKBJ to connecting NKCF to GHS Kadi-1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for NKBJ to Connecting R.O.U. N.K.C.F. to G.G.S. Kadi-1.

State: Gujarat District: Ahmedabad Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec- tare	Acre	Centiare
Telavi	74	0	11	28
	73	0	14	68
	60	0	16	08
	58	0	16	08
	55	0	17	28
	54	0	12	96
	53	0	18	96
	52	0	08	28
	Cart track	0	19	00
	50	0	08	76
	48	0	06	48

[No. 12016/11/81-Prod.]

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1981

का० भा० 1556—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रजनन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का सं० सं० 3046 तारीख 14-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रदान करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है:

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी उपायों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

दक्षिण संथाल से उत्तर कडी जी० जी० एम०-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य	गुजरात	जिला मेहसाणा	तालुका मेहसाणा
गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर एं	आर ई सेन्टीयर
मुटाना	1126	0	04 35
	1125	0	08 40
	1124	0	04 80
कार्ट ट्रैक		0	00 60
	1123	0	07 80
	1088	0	07 50
	1089	0	05 55
	1085	0	04 65
	1083	0	06 85
	1082	0	10 50
	1081	0	03 30
	1080	0	04 20
	1071	0	08 85
	1072	0	06 90
	1073	0	05 25
	1057	0	05 25
	1056	0	07 50
	1054	0	11 45
	1059	0	00 40
कार्ट ट्रैक		0	01 05
	1023	0	20 23
	1021	0	09 75
	1018	0	04 35
980/ए		0	16 20
कार्ट ट्रैक		0	03 60
980/बी		0	17 25
कार्ट ट्रैक		0	01 65

[मं० 12016/49/80-प्र० I]

New Delhi, the 27th April, 1981

S.O. 1556.-Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 3046 dated 14-10-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from South Santhal to North Kadi GGS I
State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi-are
Jotana	1126	0	04	35
	1125	0	08	40
	1124	0	04	80
	Cart track	0	00	60
	1123	0	07	80
	1088	0	07	50
	1089	0	05	55
	1085	0	04	65
	1083	0	06	85
	1082	0	10	50
	1081	0	03	30
	1080	0	04	20
	1071	0	08	85
	1072	0	06	90
	1073	0	05	25
	1057	0	05	20
	1056	0	07	55
	1054	0	11	45
	1059	0	00	40
	Cart track	0	01	05
	1023	0	20	23
	1021	0	09	75
	1018	0	04	35
	980/A	0	16	20
	Cart track	0	03	60
	980/B	0	17	25
	Cart track	0	01	65

[No. 12016/49/80-Prod. I]

का० खा० 1557:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० खा० सं० 3047 तारीख 14-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस

अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जिन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिश्चय किया है।

अथ, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगा।

अनुसूची

दक्षिण संथाल से उत्तर कडी जी० जी० एम०-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य	गुजरात	जिला	तालुका
		मेहसाणा	मेहसाणा
गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	ए और ई नेट्टीयर
ईजपुरा	617	0	10 65
	619	0	01 00
	624	0	25 25
	कार्ट ट्रैक	0	01 80
	621	0	09 15
	623	0	49 80
	622	0	15 60
	577	0	00 10
	578	0	16 20
	571	0	11 95
	570	0	15 90
	कार्ट ट्रैक	0	00 45
	645	0	11 70
	कार्ट ट्रैक	0	01 65
	646	0	04 35
	647	0	12 75
	652	0	11 40
	651	0	15 45
	655	0	55 50
	656	0	24 60

[सं० 12016/49/80 प्रो०-II]

S.O. 1557.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 3047 dated 14.10.80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from South Santhal to N. Kadi GGS I
State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Centiare
Ijpara	617	0	10	65
	619	0	01	00
	624	0	25	25
	Cart track	0	01	80
	621	0	09	15
	623	0	49	80
	622	0	15	60
	577	0	00	10
	578	0	16	20
	571	0	11	95
	570	0	15	90
	Cart track	0	00	45
	645	0	11	70
	Cart track	0	01	65
	646	0	04	35
	647	0	12	75
	652	0	11	40
	651	0	15	45
	655	0	55	50
	656	0	24	60

[No. 12016/49/80-Prod. II]

का० आ० सं० 1558:—यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3227 तारीख 31-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जिन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप सं० एम० ई० डी० में जी० जी० एम० II सोभासन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाना

गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर ए. आर. ई. सेन्टीयर		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
कोचवा	166	0	02	75
	201	0	23	28
	198	0	15	30
	191	0	06	36
	190	0	08	50
	189/1	0	01	00
	189/2	0	13	50
	182	0	12	44
जगुदान	464	0	09	30

[सं० 12016/58/80-प्रो०]

S.O. 1558.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 3227 dated 31-10-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for well No. SED to GGS II Sobhasan
State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-tiare
Kochava	166	0	02	75
	201	0	23	28
	198	0	15	30
	191	0	06	36
	190	0	08	50
	189/1	0	01	00
	189/2	0	13	50
	182	0	12	44
Jagudan	464	0	09	30

[No. 12016/58/80-Prod.]

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1981

का० धा० 1559 --यत. पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० धा० सं० 1612 तारीख 26-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विश्वास करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप सं० एम० एन० टी० से जी० जी० एम० संथाल 1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला और तालुका : मेहसाना

गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर ए. आर. ई. सेन्टीयर		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
संथाल	819/1	0	06	00
	950	0	10	80
	851/1	0	04	68
	671/1	0	01	61

1	2	3	4	5
	852	0	10	80
	861/1	0	12	24
	865	0	10	32
	966/1	0	05	52
	काट ट्रैक	0	02	00

[सं 12016/26/80-प्र०-I]

New Delhi, the 28th April, 1981

S.O. 1559.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 1612 dated 26-5-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Santhal	849/	0	06	00
	850	0	10	80
	851/1	0	04	68
	851/2	0	05	64
	852	0	10	80
	864/1	0	12	24
	865	0	10	32
	866/1	0	05	52
	Cart track	0	02	00

[No. 12016/26/80-Prod. I]

का० धा० 1560 —यत् पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन मान्य सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना वा प्रा० सं० 1613 तारीख 24-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न भूमिों में निर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों के बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना शायद वापिस ले लिया था।

और यत् सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न भूमिों में निर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यत् उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न भूमिों में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग सभी, बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एन० के० बी० प्र० से जी० जी० एस०/सी० टी० एफ० कड़ी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : कड़ी
गांव	सर्वे सं०	हेक्टेयर एं० आर० ई० सेंटीयर
(1)	(2)	(3) (4) (5)
चालासन	128	0 09 84
	130	0 07 20
	127	0 05 28
	134	0 06 36
	135	0 12 60
	137/2	0 09 12
	119/2/के	0 08 76
	109/2	0 09 96
	काट ट्रैक	0 00 60
	110/1	0 13 44
	87	0 12 90

[सं 12016/26/80-प्र०-II]

S.O. 1560.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 1613 dated 24-5-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

NKBO to GGS CUM CTF Kadi

State: Gujarat District : Mehsana Taluka: Kadi

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Chalasan	128	0	09	84
	130	0	07	20
	127	0	05	28
	134	0	06	36
	135	0	12	60
	137/2	0	09	12
	119/2/K	0	08	76
	109/	0	09	96
	Cart-track	0	00	60
	110/1	0	13	14
	87	0	12	90

[No. 12016/26/80-Prod. II]

का० प्रा० 1561.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 1617 तारीख 26-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, गर्भा बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एन० के० सी० पी० से एन० के० बी० से तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका	विरमगाम	
गाँव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एग्राई	सेटी-यर	
तेलावी	77	0	22	08
	काटे ट्रैक	0	01	56
	85	0	02	40
	76	0	18	48
	75	0	23	28

[सं० 12016/27/80 प्रोड-1]

S.O. 1561.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. 1617 dated 26-5-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of ROU from well No. NKCP to NKBJ

State: Gujarat District: Ahmedabad Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Telavi	77	0	22	08
	Track	0	01	56
	85	0	02	40
	76	0	18	48
	75	0	23	28

[No. 12016/27/80-Prod. 1]

का. प्रा. 1562.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का. प्रा. सं. 1618 तारीख 26-5-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एन० के० सी० धर से एन० के० सी० जे तक पाइप लाइन
बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : विरमगाम
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एअररई सेंटीयर
तेलावी	83	0 02 40
	84	0 16 21
	92	0 15 12
	87	0 09 00
	86	0 11 64
कार्ट ट्रैक	0	00 60
75	0	25 24

[सं० 12016/27/80-प्रो० II]

S.O. 1562.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S. O. 1618 dated 26-5-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

NKCR to NKBJ

State: Gujarat District: Ahmedabad Taluka: Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Area	Centi-are
Telavi	83	0	02	40
	84	0	16	21
	92	0	15	12
	87	0	09	00
	86	0	11	64
Cart track	0	00	60	
75	0	25	24	

[No. 12016/27/80-Prod. II]

का० अ० 1563.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कां० अ० सं० 2955 तारीख 8-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार

को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यतः मश्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में स्थित होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा ।

अनुसूची

के-126 से जी० जी० एम-VI तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : कड़ी
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एअररई सेंटीयर
भुसावन	642	0 01 50
	641	0 19 05
	654	0 15 60
	655	0 17 55
	657/2	0 04 50

[सं० 12016/52/80-प्रो०]

S.O. 1563.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S. O. 2955, dated 8-10-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from K-126 to GGS VI

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Kadi			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare	
Zulasan	642	0	01	50	
	641	0	19	05	
	654	0	15	60	
	655	0	17	55	
	657/2	0	04	50	

[No. 12016/52/80-Prod.]

का०सा० 1564.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० सा० सं० 2952 तारीख 8-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा;

अनुसूची

कृ० नं० एस० ई० सी० मे सोभानम जी० जी० एस० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : कडि			
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकराई	सेंटी-यर	
जगुदन	464	0	09	84	
	465	0	12	96	
	466	0	06	48	
	470	0	07	80	
	472	0	11	67	
	473	0	00	60	

[सं० 12016/54/80-प्रो०-I]

S.O. 1564.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 2952 dated 8-10-80, 162 GI/81—7

under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for Well No. S.E.C. to Sobhasan GGS II

State: Gujarat	District & Taluka: Mehsana			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Jagudan	464	0	09	84
	465	0	12	96
	466	0	06	48
	470	0	07	80
	472	0	11	67
	473	0	00	60

[No. 12016/54/80-Prod. I]

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1981

का०सा० 1565.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० सा० सं० 3044 तारीख 13-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जे० एच० सी० से जे० एल० आर० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : कडी		
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एकड़	सेंटी-यर
मेरदा	158	0	21	60

[सं० 12016/51/80-प्रो-1]

New Delhi, the 29th April, 1981

S.O. 1565.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 3044 dated 13-10-80, under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from JHC to JLR

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Kadi		
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-tare
Merda	158	0	21	60

[No. 12016/51/80-Prod. I]

का० आ० 1566.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3045 तारीख 13-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और अतः, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में

उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में बंटा होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बोधना के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगी।

अनुसूची

जे० एच० सी० से जे० एल० आर० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाणा	तालुका : कडी		
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एकड़	सेंटी-यर
लोर	267/1	0	05	25
	267/1	0	19	50
	191/1	0	10	65
	191/2	0	04	50
	191/3	0	13	65
	190	0	07	80
	187	0	05	10
	189	0	11	25
	188	0	11	25

[सं० 12016/51/80-प्रो-II]

S.O. 1566.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 3045 dated 13-10-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from JHC to JLR

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Kadi		
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-tare
LOR	267/1	0	05	25
	267/1	0	19	50
	191/1	0	10	65
	191/2	0	04	50
	191/3	0	13	65
	190	0	07	80
	187	0	05	10
	189	0	11	25
	188	0	11	25

[No. 12016/51/80-Prod. II]

क्रा० प्रा० 1567—यत्. पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्बरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्रा० प्रा० सं० 1797 तारीख 18-6-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को प्राप्त लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत् महत्त्व प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगी।

अनुसूची

श्री० एम० एन० एम० श्री० से जी० जी० एस० सथाल-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य गुजरात	जिला मेहसाणा	तालुका मेहसाणा			
गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर	ए. आर. ई.	सेंटी	मीटर
सथाल	635	0	03	60	
	633/1	0	13	20	
	कार्ट ट्रैक	0	02	40	
	869	0	06	72	
	868	0	07	20	
	871	0	08	64	
	875	0	02	88	
	876	0	03	00	
	877/1	0	06	60	

[सं० 12016/30/80-प्र०]

S.O. 1567.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, (Department of Petroleum), S.O. 1797 dated 18-6-80 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances

SCHEDULE

ROU from D.S. SNO to G.G.S. Santhal-1

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Mehsana			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cent-	lare
Santhal	635	0	03	60	
	633/1	0	13	20	
	Track	0	02	40	
	869	0	06	72	
	868	0	07	20	
	871	0	08	64	
	875	0	02	88	
	876	0	03	00	
	877/1	0	06	60	

[No. 12016/30/80-Prod.]

क्रा० प्रा० 1568—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस० डी० ई० से मोटवान डीडर तथा पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत्, यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अब अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के लिये पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष महत्त्व प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेश्वाय प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोचरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कबल करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई अर्कित हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

अनुसूची

सूच न० एस० डी० ई० से मोटवान तथा पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य गुजरात	जिला भद्रच	तालुका अक्लेश्वर			
गांव	ब्लॉक न०	हेक्टेयर	ए. आर. ई.	सेंटी	मीटर
पाण्डरीहडगिस	432	0	06	24	
	431	0	09	19	
	433	0	23	79	
	440	0	23	79	
	439	0	06	63	
	411	0	27	30	

[सं० 12016/3/81-प्र० 1]

S.O. 1568.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SDE to Motwan Header in Gujarat State pipeline should be laid by the oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for laying Flowline from Well No. SDE to Motwan Header.

State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Centi- are
Pardi Idris	432	0	06	24
	431	0	09	49
	433	0	23	79
	440	0	23	79
	439	0	06	63
	411	0	27	30

[No. 12016/3/81-Prod. II]

का० प्र० 1568—यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस० डी० ई० से मोटवान हीडर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पादक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति उस भूमि के नांवे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मंजूर प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर नर सकेगा।

और ऐस. आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवांई व्यक्तिगत हों या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कूप नं० एम० डी० ई० से मोटवान हीडर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : भरुच	तालुका : अंकलेश्वर		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	आर ई	सेन्टीयर
कठोदरा	325	0	15	08
	326	0	06	76
	327	0	06	50

[नं० 12016/3/81-प्रो II]

S.O. 1569.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SDR to Motwan Header in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (300 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. for laying of flowline from Well No. SDE to Motwan Header.

State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- are
Kathodra	325	0	15	08
	326	0	06	76
	327	0	06	50

[No. 12016/3/81-Prod. II]

का० प्र० 1570 .—यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डब्लू० एम० सी० से 179 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् पादक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मजमूरा प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निविष्टित। यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कूप नं० ७७ एम० सी० से कूप नं० 179 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : भरुच	तालुका : हंसोट			
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअर ई	सेन्टीयर	
दीगस	262	0	15	60	

[सं० 12016/8/81-प्र०]

New Delhi, the 29th April, 1981

NOTIFICATION

S.O. 1570.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from WHC to 179 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land), Act, 1962 (30 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

ROU for laying flow line from well No. WMC to Well No. 179.

State: Gujarat	District: Bharuch	Taluka: Hansot			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are	
DIGAS	262	0	15	60	

[No. 12016/8/81-Prod.]

मई दिल्ली, 5 मई, 1981

क्र० प्र० 1571 —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सी० पी० स्टेशन से एमई बेड तक तार तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाइन को बिछाने के प्रयत्न के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मजमूरा प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निविष्टित। यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तार बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कड़ी			
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	आर ई	सेन्टीयर	
चालासन	95	0	00	31	

[सं० 12016/6/81-प्र०]

New Delhi, 5th May, 1981

S.O. 1571.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the C. P. Station to Anode bed in Gujarat State Wire bed should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (30 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Right of users for wire bed.

State: Gujarat	District: Mehsana	Taluka: Kadi			
Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are	
Chalasan	95	0	00	31	

[No. 12016/8/81-Prod.]

का० भा० 1572.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जुटाना-4 से जी० जी० एस० जुटाना-1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन०पाब० अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन०पाब० घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति बिनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जुटाना-4 से जी० जी० एस० जुटाना-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला व तालुका: मेहसाना

गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर	एअरई	सेन्टीयर
मोदीपुरा	190	0	09	36
	189	0	10	56
	188	0	10	20
	185	0	10	20
	179	0	04	68
	177	0	04	56
	176	0	04	68

[सं० 12016/2/81-प्र० 1]

S.O. 1572.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Jotana-4 to GGS-1 Jotana in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra 390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. From Jotana-4 to G.G.S, Jotana-1

State: Gujarat

District & Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Modipur	190	0	09	36
	189	0	10	56
	188	0	10	20
	185	0	10	20
	179	0	04	68
	177	0	04	36
	176	0	04	68

[No. 12016/2/81-Prod. 1]

का० भा० 1573.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जोटाना-4 से जी० जी० एस०-1 जोटाना तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन०पाब० अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन०पाब० घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति बिनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जोटाना-4 से जी० जी० एस०-1 जोटाना तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात	जिला: मेहसाना	तालुका: मेहसाना		
गांव	न०	हेक्टेयर	एअरई	सेन्टीयर
माकरेज	1276	0	09	00
	1272	0	00	50
	1273	0	06	75
	1274	0	03	96
	1042	0	18	00
	1041	0	07	44
	1040	0	08	00
	982	0	04	80
	981	0	07	20
	801	0	26	34
	763	0	19	58
	762	0	01	00
	772	0	03	89
	770	0	10	80

1	2	3	4	5
	601	0	09	24
	603	0	13	20
	605	0	08	00
	592	0	09	48
	593	0	10	40
	583	0	16	32
	584	0	07	80
	582	0	04	00
	580	0	05	52
	579	0	02	52
	521	0	12	72
	535	0	11	36
	637	0	11	64
	541	0	08	64
	540	0	12	12

[सं० 12016/2/81-प्रो० II]

टी० ए० परमेश्वरन्, अवर सचिव

S.O. 1573.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Jotana-4 to GGS Jotana-1 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara 390009.

And every person making such an objection shall also specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Jotana-4 to G.G.S. Jotana-1

State: Gujarat District : Mehsana Taluka: Mehsana

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centi- tiare
Mankrej	1276	0	09	00
	1272	0	00	50
	1273	0	06	75
	1274	0	03	96
	1042	0	18	00
	1041	0	07	44
	1040	0	08	00
	982	0	04	80
	981	0	07	20
	801	0	26	34
	763	0	19	58

1	2	3	4	5
	762	0	01	38
	772	0	05	88
	770	0	10	80
	601	0	09	24
	603	0	13	20
	605	0	06	00
	592	0	09	48
	593	0	10	40
	583	0	16	32
	581	0	07	80
	582	0	04	00
	580	0	05	52
	579	0	02	52
	521	0	12	72
	535	0	11	36
	537	0	11	64
	541	0	08	64
	540	0	12	12

[No. 12016/2/81-Prod. II]

T. N. PARMESWARAN, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

भारत

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

का० प्रा० 1574. —केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेवा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संभालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जो कि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्यों हैं :

और यह: खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के बेतन तथा सेवा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिबर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिसर के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट वारीज के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आग्रह को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथाप्रपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने रखी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरित करती है :—

क्रम सं०	अधिकारी, कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानांतरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री जे० पी० गोवाम मिथिक कोशल	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोवाम मिथिक	28-2-81 (अपराहृत)
2.	श्री प्रार०के० जोस	संभालन-निरीक्षक	संभालन-निरीक्षक	1-3-69

[सं० 52/1/79/एफ०सी० III (वायूयम-7)]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 30th April, 1981

S.O. 1574:—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of food grains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Govt. dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India, as required by the proviso to sub-Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended up to date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S. No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to F.C.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri J.P. Kaushal	Godown Clerk	Sr. Godown Keeper	23-2-81 (A.N.)
2.	Shri R.K. Bose	Movt. Inspector	Movt. Insp.	1-3-69

[No. 52/1/79-FC-III (Vol. VII)]

शुद्धि पत्र

CORRIGENDUM

क्रा०भा० 1575:—इस विभाग के आदेश संख्या 52/4/71-एफ०सी० III (बाल्यूस-7), तारीख 6-6-77 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाएँ:—

S. O. 1575:—In this Department's Order No. 52/4/71-FC. III (Vol. VII) dated 6-6-77, the following corrections shall be carried out :

स्वातन्त्रता आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ
1	कालम 4 में "लेखाकार" के स्थान पर "एस०ए०एस० एकाउन्टेन्ट" पढ़ें।
2	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "एकाउन्टेन्ट" पढ़ें।
4	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "एस०ए०एस० एकाउन्टेन्ट" पढ़ें।
5	कालम 4 में "वही" के स्थान पर "एकाउन्टेन्ट" पढ़ें।

S1. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
1	For the words "Accountant" in column 4, read "S.A.S.Accountant".
2	For the words "Do" in column 4, read "Accountant".
4	For the words "Do" in column 4, read "S.A.S. Accountant".
5	For the words "Do" in column 4, read "Accountant".

[संख्या 52/1/79-एफ०सी० III (बाल्यूस-7)]

[No. 52/1/79-FC. III (Vol. VII)]

एस० एल० काम्बोह, अवर सचिव

S. L. KAMBOH, Under Secy.

प्राचीन पुर्नर्निर्माण संग्रहालय

नई दिल्ली, 7 मई, 1981

क्रा०भा० 1576—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और बिम्बोक्तन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गवार गोंद श्रेणीकरण और बिम्बोक्तन नियम, 1980 बनाया जाहूँ है। जैसा कि उक्त धारा में व्यवस्थित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राज्यों में इस अधिनियम के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उपर बिम्बोक्तन तरीक से पूर्व उक्त प्रारूप की जावन जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्राकृष

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम गवार गोंद श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1981 है।

(2) ये भारत में उत्पादित गवार गोंद को लागू होंगे।

2 परिभाषाएँ:—इन नियमों में,—

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, अभिप्रेत है;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति-निवास अभिप्रेत है, जिसे गवार गोंद के संबंध में माधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 3 के अन्तर्गत प्राधिकार प्रमाणपत्र अनुदान किया गया है;

(ग) “अनुसूची” से इन नियमों से उपबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान :—गवार गोंद की क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान अनुसूची I, II और III के स्तम्भ 1 में तथा उपवर्णित होगा।

4. क्वालिटी की परिभाषा:—श्रेणी अभिधानों द्वारा उपवर्णित क्वालिटी वह होगी, जो अनुसूची I और II के स्तम्भ 2 से 8 और अनुसूची 3 के स्तम्भ 2 में 12 में प्रत्येक श्रेणी अभिधानों के सामने उपवर्णित है।

5. श्रेणी अभिधान चिह्न:—श्रेणी अभिधान चिह्न एक लेबल होगा जिसमें एक ऐसा डिजाइन होगा, जिस पर अनुसूची 4 में उपवर्णित चिह्न के समूह भारत के मानचित्र की स्पर्शरेखा, पैगमार्क शब्द, उक्त होने हुए सूर्य का चिह्न तथा “भारतीय उत्पाद” शब्द अंकित होंगे।

टिप्पण: (1) कागज या कपड़े के पैनों पर प्रयुक्त होने वाली श्रेणी अभिधान चिह्न श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने हुए, निपकने वाला लेबल होगा।

(2) बी-ट्रिबल पटसन के बोरे पर प्रयुक्त किए जाने वाले श्रेणी अभिधान चिह्न, श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने हुए, बांधे जाने वाला आयताकार लेबल होगा।

6. चिह्नांकन की पद्धति:—(1) श्रेणी अभिधान चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक आधान पर मजबूती से चिपकाया या स्टेम्पिङ्क किया जाएगा और उनमें कृषि विपणन सलाहकार द्वारा पैकर को जारी किए गए कृषि प्राधिकार प्रमाणपत्र की संख्या भी उपदर्शित की जाएगी।

(2) श्रेणी अभिधान चिह्न के अनिवार्य प्रत्येक आधान पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भी स्पष्ट रूप से चिह्नांकित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) पैक करने की मारीक;

(ख) लाट संख्यांक;

(ग) पैकर का नाम और पता;

(घ) शुद्ध भार; और

(ङ) कोई अन्य विनिर्दिष्ट, जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

7. प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से आधान पर अपना निजी व्यापार चिह्न तब अंकित कर सकेगा, जब निजी व्यापार चिह्न, गवार गोंद की ऐसी किसी क्वालिटी या श्रेणी को नहीं दर्शाता है, जो इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा वर्णित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न है।

8. पैक करने की पद्धति:—(1) गवार गोंद केवल पटसन (बी-ट्रिबल बोरे) के बने अच्छे साफ, शुष्क और अप्रयुक्त आधानों में या बोरे में रखे गये पालिविनी बोरे में या बहुस्तरीय बॉस के कागज के बोरे में या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित किसी अन्य सामग्री में पैक की जाएगी। आधान किसी कोट ट्रिबल या फर्मी संरूपण से मुक्त और किसी अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे।

(2) आधान, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूती के साथ बंद और मुहरबंद किया जाएगा।

(3) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी वर्णन और एक ही श्रेणी अभिधान की गवार गोंद होगी।

9. प्राधिकार प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें: माधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनिवार्य निम्नलिखित शर्तें भी, इन नियमों के प्रयोजन के लिए जारी किए गए प्रत्येक प्राधिकार प्रमाणपत्र की शर्तें होंगी, अर्थात्:—

(1) प्रत्येक प्राधिकृत पैकर भूसी-सहित, भूसी रहित त्रिभुज और गवार गोंद के चूर्ण के सम्मिश्रण का निवारण करने के लिए सभी पूर्वाधानियां करेगा।

(2) प्राधिकृत पैकर गवार गोंद के परीक्षण के लिए ऐसी व्यवस्था करेगा, जो कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर अधिकृत की जाए। वह नमूनों के विश्लेषण के समुचित अभिलेख भी रखेगा।

(3) नमूना लेने और विश्लेषण करने, आधानों को मुहरबंद और चिह्नांकित करने, अभिलेख रखने और विवरणियां आवि प्रस्तुत करने की पद्धति के संबंध में कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी अनुदेशों का सर्वथा अनुपालन किया जाएगा।

गवार गोंद के प्रत्येक लाट से लिया गया गवार गोंद का नमूना कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति से ऐसी नियंत्रण प्रयोगशाला को अर्पित किया जाएगा, जो समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए।

प्राधिकृत पैकर ऐसी सभी सुविधाओं की व्यवस्था करेगा, जो इस निम्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा संभवतः प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों के लिए आवश्यक हों।

अनुसूची-I

(नियम 3 और 4 देखिए)

भूरी सहित बिभक्त (कच्ची) गवार गोंद की क्वालिटी के श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा						साधारण लक्षण
	विशेष लक्षण						
	भार के आधार पर राख का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर अम्ल में अवशिष्ट का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर (शुष्क आधार पर) प्रोटीन का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर नमी का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के गोंद का प्रतिशत (न्यूनतम)	भार के परकच्ची काष्ठक का प्रतिशत (अधिकतम)	
1	2	3	4	5	6	7	8
मानक साधारण	1.0	13.0	8.0	8.0	70.0	10.5	भूरी सहित बिभक्त गवार गोंद : (क) सायमाप्सिस टेट्रोमोनोलेक्स, लेम्पुमिनोसी-जाति के रूप में बनस्पति रूप से प्राप्त बनस्पति की गवार फलियों से गवार बीजों की कुटाई द्वारा अभिप्राप्त की जाएगी। (ख) बाह्य पदार्थ, काले किमक्कों, रंजक पदार्थ, दुग्ध फफूँसी विकास कीटप्रसून और गुणा-जनक गंध से मुक्त होगी, और (ग) के रूप, आकार और रंग में एककृपता होगी।
	2.0	14.0	8.0	10.0	67.0	10.0	

अनुसूची II

(नियम 3 और 4 देखिए)

भूरी सहित बिभक्त (परिष्कृत) गवार गोंद की क्वालिटी के श्रेणी अभिधान और परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा						साधारण लक्षण
	विशेष लक्षण						
	भार के आधार पर राख का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर अम्ल में अवशिष्ट का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर (शुष्क आधार पर) प्रोटीन का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर नमी का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के गोंद का प्रतिशत (न्यूनतम)	भार के कच्चीकाष्ठक का प्रतिशत (अधिकतम)	
1	2	3	4	5	6	7	8
मानक	1.0	5.0	8.0	8.0	80.0	1.0	भूरी सहित बिभक्त गवार गोंद :
साधारण	1.0	7.0	8.0	9.0	75.0	1.5	(क) सायमाक्सिस् टेट्रोमोनोलेक्स लेम्पुमिनोसी जाति के रूप में बनस्पति रूप से प्राप्त बनस्पति की गवार फलियों से गवार बीजों की कुटाई द्वारा अभिप्राप्त की जाएगी।

1	2	3	4	5	6	7	8
							(ख) बाह्य पदार्थ, काले विभवतों, रंजक पदार्थ, वृक्ष फर्करी विकास, कीटप्रसन और भुणाजनक गंध से मुक्त होगी, और
							(ग) के रूप, आकार और रंग में एकरूपता होगी ।

अनुसूची III

(नियम 3 और 4 देखिए)

गवार गोद (प्रकीर्णित) चूर्ण की स्वादिष्टी के श्रेणी अभिधान और परिभाषाएं

श्रेणी अभिधान	स्वादिष्टी की परिभाषा विशेष लक्षण				
	भार के आधार पर राख का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर अम्ल में अभिलेख अम्ल- शिट का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर (शुष्क आधार पर) प्रोटीन का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर नमी का प्रतिशत (अधिकतम)	भार के आधार पर गोंद का प्रतिशत (न्यूनतम)
1	2	3	4	5	6
मानक	0.5	2.0	5.0	10	82.0
साधारण	1.0	3.0	8.0	10	80.0

सेंट्रपायस में 25 सेटीग्रेड पर स्थानता (न्यूनतम)	भार के आधार पर कच्ची फाइबर का प्रतिशत (अधिकतम)	प्रारंभिक (यथा ए एस 2 और) पीपीएम (अधिकतम)	सीसा (पीपीएम पीएम) (अधिकतम)	मापदण्ड लक्षण	
7	8	9	10	11	12
3000.0	0.7	1.0	5	4. 2-80	गवार गोद चूर्ण :
1500.0	1.5	1.0	5	4. 2-80	(क) सामान्यतः टेट्रागोनोसोबस लेम्बुमिसोस : जाति के रूप में बनस्पति रूप से प्राप्त बनस्पति की गवार फलियों से गवार बीजों की बहुकम पिसाई करने के - बहुराष्ट्र अभिप्राय उत्पन्न होगा ;
					(ख) बाह्य पदार्थ, काले विभवतों, रंजक पदार्थ, वृक्ष फर्करी विकास, कीटप्रसन और भुणा- जनक गंध से मुक्त होगा, और
					(ग) 500 माइ एएस, माइजन छलनी से गुजरनेगी और छलनी पर कोई भी पदार्थ नहीं रहेगा ।

अनुसूची
(नियम 5 देखिए)
श्रेणी अभिधान चिह्न
चिह्न



[सं० 11-4/80 ए एन]

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 7th May, 1981

S.O. 1576.—The following draft of the Guar Gum Grading and Marking Rules, 1980, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published, as required by the said Section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called Guar Gum Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to Guar Gum produced in India.

2. Definitions.—In these rules,—

- (a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;
- (b) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937, in relation to Guar Gum.
- (c) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designations.—The grade designations to indicate the quality of Guar Gum shall be set out in column 1 of Schedules I, II and III.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 8 of Schedules I and II and columns 2 to 12 of Schedule III.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label bearing a design consisting of an outline map of India with the word AGMARK and the figures of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark set out in Schedule IV.

Note :—(i) The grade designation mark to be used on paper or cloth bags shall consist of a paste-on label specifying the grade designation.

(ii) The grade designation mark to be used on B-twill jute bags shall consist of a rectangular tie-on label specifying the grade designation.

6. Method of marking :—(1) The grade designation mark shall be securely affixed or stencilled on each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser and shall also indicate the number of the certificate of authorisation issued to the packer by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, every container shall be clearly marked with the following particulars, namely :—

- date of packing;
- lot number;
- name and address of packer;
- net weight; and
- any other particulars as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided the private trade mark does not represent quality or grade of the Guar Gum different from that indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

7. Method of packing :—(1) The guar gum shall be packed only in sound, clean, dry and un-used containers made of jute (B-twill bags) or in polythylene bags placed in gunny bags or in multiply kraft paper sacks or any other material as may be

approved by the Agricultural Marketing Adviser. The container shall be free from any insect infestation of fungus contamination and also free from any undesirable smell.

(2) The container shall be securely closed and sealed in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) Each package shall contain guar gum of one trade description and one grade designation only.

8. Special conditions of certificate of authorisation :—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following conditions shall also be the conditions of every certificate of authorisation issued for the purpose of these rules, namely :—

(i) Each authorised packer shall take all precautions to avoid admixture of undehusked, dehusked split and guar gum powder.

(ii) All instructions regarding the method of sampling and testing Guar Gum as may be laid down from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. He shall also maintain proper records of the analysis of samples.

(iii) All instructions regarding the method of sampling and analysis, sealing and Marking of containers, the maintenance of records and submission of returns, etc., which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser, shall be strictly observed.

(iv) A sample of Guar gum drawn in a manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser from each lot of Guar gum shall be forwarded to such control laboratory as may be specified from time to time.

(v) An authorised packer shall provide all such facilities as may be necessary to the Inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of under husked split (crude) Guar gum.

Definition of quality							
Grade designation	Special characteristics						General characteristics
	Ash, per cent by weight	Residue insoluble in acid, percent by weight	Protein, per cent by weight	Moisture, per cent by weight	Gum, per cent by weight	Crude fibre, per cent by weight	
	(Maximum)	(Maximum)	(on dry basis) (Maximum)	(Maximum)	(Minimum)	(Maximum)	
1	2	3	4	5	6	7	8
Standard	1.0	13.0	8.0	8.0	70.0	10.5	The undehusked split guar gum shall : (a) be obtained by milling guar seeds from Guar pods of the plant botanically known as <i>Cyamopsis tetragonolobus</i> , Leguminaceae family. (b) be free from extraneous matter, black splits, colouring matter, visible mould growth, insect infestation and obnoxious smell; and (c) have uniform shape size and colour.
General	2.0	14.0	8.0	10.0	67.0	10.0	

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Dehusked split (Rajni) Guar Gum.

Definition of quality

Grade designation	Special characteristics						General characteristics
	Ash, per cent by weight (Maximum)	Residue insoluble in acid, per cent by weight (Maximum)	Protein, per cent by weight (on dry basis) (Maximum)	Moisture per cent by weight (Maximum)	Gum, per cent by weight (Minimum)	Crude fibre, percent by weight (Maximum)	
1	2	3	4	5	6	7	8
Standard	1.0	5.0	8.0	8.0	80.0	1.0	The dehusked split guar gum shall : (a) be obtained by milling guar seeds from guar pods of the plant botanically known as <i>Cyamopsis tetragonolobus</i> , Leguminaceae family. (b) be free from extraneous matter, black splits, colouring matter, visible mould growth, insect infestation and obnoxious smell; and (c) have uniform shape, size and colour.
General	1.0	7.0	8.0	9.0	75.0	1.5	

SCHEDULE III

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Guar gum (pulversied) powder.

Definition of quality

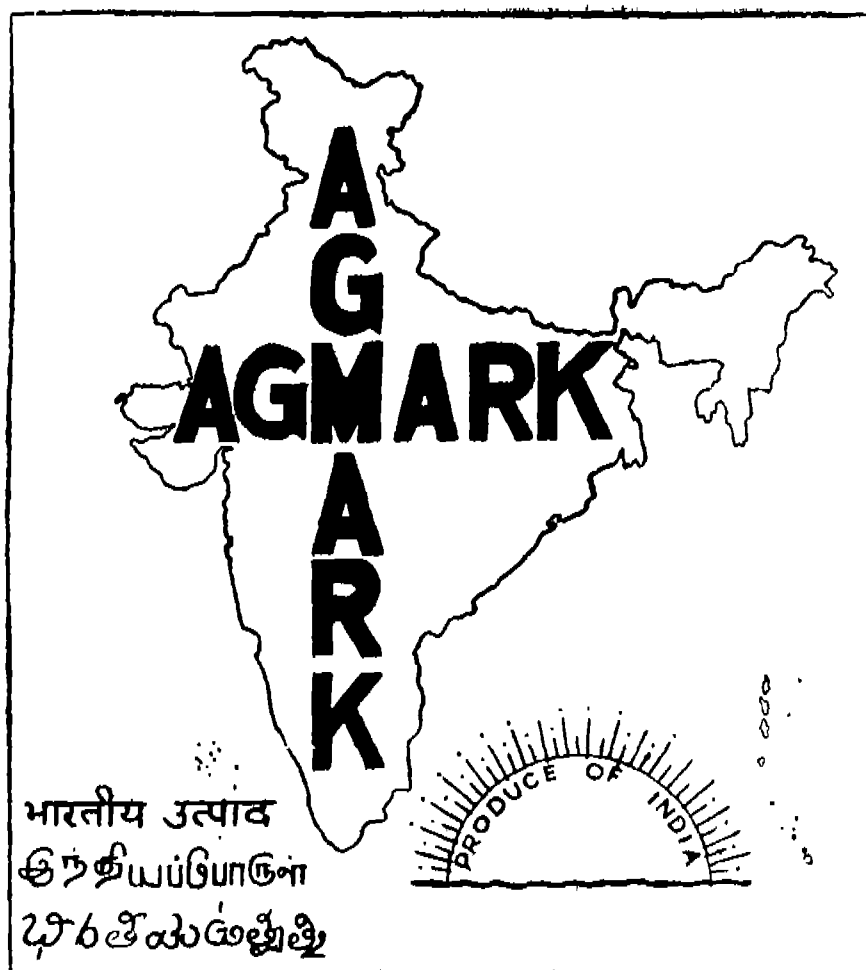
Grade designation	Special characteristics								General characteristics	
	Ash, per cent by weight (Maximum)	Residue insoluble in acid, per cent by weight (Maximum)	Protein, per cent by weight (on dry basis) (Maximum)	Moisture, per cent by weight (Maximum)	Gum, per cent by weight (Minimum)	Viscosity at 25° C in centipoises (Minimum)	Crude fibre, per cent by weight (Maximum)	Arabin, (as AS 2°3) p.p.m. (Maximum)	Loaf (p.p.m.) (Maximum)	Pd
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
Standard	0.5	2.0	5.0	10	82.0	3000.0	0.7	1.0	5.4.2-8.0	The guar gum powder shall : (a) be the product obtained after multistage grinding of the guar seeds from guar pods the plant botanically known as <i>Cyamopsis tetra-</i>
General	1.0	3.0	8.0	10	80.0	1500.0	1.5	1.0	5.4.2-8.0	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
										gonolobus Legu- minaceae family.
										(b) be free from ex- traneous matter, black splits, col- ouring matter, visible mould growth, insect in- festation and ob- noxious smell, and
										(c) pass through 500 I.S. micron sieve and no material shall be left on the sieve.

SCHEDULE IV

(See rule 5)

Grade designation mark



का० आ० 1577:—ग्राम की खटाई और अमचूर (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) नियम, 1980 का एक प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के ग्रामीण पुनर्निर्माण संज्ञापन की अधिसूचना सं० का० आ० 2171 तारीख 29 जुलाई, 1980 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2), तारीख 30 अगस्त, 1980 पृष्ठ 2989-2995 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतृकीय दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके मामले प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 19 मिनस्वर, 1980 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ,

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारंभ की बाधन प्राप्त आशेयों और सुझावों पर विचार कर लिया है ,

अन केन्द्रीय सरकार ; उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

(1) संक्षिप्त नाम और लागू होना :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ग्राम की खटाई और अमचूर श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1981 है ।

(2) ये भारत में उत्पादित ग्राम की खटाई और अमचूर को लागू होंगे ।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति निकाय अभिप्रेत है जिसे ग्राम की खटाई और अमचूर के सम्बन्ध में, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1937 के नियम 3 के अधीन प्राधिकरण प्रमाणपत्र अनुदान किया गया है ;

(ग) “अनुसूची” ग्राम में इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी अभिधान :—ग्राम की खटाई और अमचूर की क्वालिटी को उपरिष्ठित करने वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची (1) और (2) के स्तंभ 1 में अधिकृत है ।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—ग्राम की खटाई और अमचूर की क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तंभ 2 में 8 तक और अनुसूची 2 के स्तंभ 2 में 6 तक प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने अधिकृत है ।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह :—श्रेणी अभिधान चिन्ह कृषि विपणन सलाहकार द्वारा दिया गया ऐसा लेबल है जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और जिसमें भारत के मानचित्र का रेखाचित्र “एलमार्क” शब्द और उगने हुए सूर्य का चिह्न के भीतर अंग्रेजी में “प्रोड्यूस आफ इंडिया” और “भारतीय उत्पाद” शब्द होंगे जो अनुसूची 3 में अधिकृत चिन्ह के सदृश होंगे ।

टिप्पण : (1) किसी कागज या कपड़े के थैले पर प्रयुक्त श्रेणी अभिधान चिन्ह, श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने हुए चिह्नकण गण लेबल पर होगा ।

(2) बी-ट्रिबल जूट के थैलों पर प्रयुक्त श्रेणी अभिधान चिन्ह, श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने हुए आयताकार टाइट-अन लेबल पर होगा ।

6. चिह्नानुक्रम की रीति : (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह, प्रत्येक आधान पर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में स्पष्टन तथादा जाएगा ।

(2) श्रेणी अभिधान चिन्ह के साथ-साथ प्रत्येक लेबल पर, निम्नलिखित विनिर्दिष्टां सुस्पष्टन :—अंकित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) पैकिंग की तारीख ,

(ख) टाट संख्यांक -

(ग) पैकर का नाम और पता ;

(घ) पैकिंग का स्थान, और

(ङ) गुरु भार ,

(3) कोई प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्वानुमोदित अभिप्राप्त करने के पश्चात्, आधान पर, उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में, अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह लगा सकेगा ; परन्तु प्राइवेट व्यापार चिन्ह ग्राम की खटाई और अमचूर की उस क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न, जो इन नियमों के अनुसार आधान पर श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा उपरिष्ठित है, क्वालिटी या श्रेणी व्यपक्षित नहीं करेगा ।

(4) प्रत्येक आधान पर विक्रय मूल्य लिखा जाएगा ।

7. पैकिंग की रीति : (1) पैकिंग के लिए केवल ठोस, स्वच्छ और सूखे कागज, कपड़े पालिथिन, बी ट्रिबल जूट के आधान का या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा दिया गया अनुमोदित किसी अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाएगा । आधान कीट-संक्रमण ; कवक संदूषण और किसी अन्य अवांछनीय गंध से मुक्त होगा ।

(2) आधान कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में सुरक्षा पूर्वक बंध और मुहरबंद किया जाएगा ।

(3) प्रत्येक पैकेज में केवल उसी श्रेणी अभिधान की ग्राम की खटाई और अमचूर होगा ।

(4) किसी आधान में पैक की गई ग्राम की खटाई और अमचूर का शुद्ध भार 25 ग्राम, 50 ग्राम, 200 ग्राम, 1 कि०ग्रा० और उसके पश्चात् 1 कि०ग्रा० के गुणजों में होगा ।

8. प्राधिकरण-प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें : साधारण श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त इन नियमों के प्रयोजनार्थ, प्रत्येक प्राधिकरण—प्रमाणपत्र की निम्नलिखित शर्तें भी होंगी, अर्थात् :—

(क) कोई प्राधिकृत पैकर ग्राम की खटाई और अमचूर के परीक्षण के लिए ऐसी व्यवस्था करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर अधिकृत करे । वह नमूनों के विश्लेषण के उचित रिकार्ड भी रखेगा ।

(ख) नमूना लेने और विश्लेषण करने, आधानों को मुहरबंद करने और चिह्नानुक्रम करने, अभिलेखों के अनुपक्षण और विवरणियों को लेने आदि की बाधन ऐसे सभी अनुमोदों का, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर जारी करे, कठोरता से अनुपालन किया जाएगा ।

- (ग) आम की खटाई और अमचूर के हर लोट से आम की खटाई और अमचूर का मनुष्य कृषि विपणन सहायकार द्वारा अधिकृत रीति में ऐसी नियंत्रक प्रयोगशाला को, जो समय-समय पर निरीक्षण भी जा सकेगी, अर्पित किया जाएगा।
- (घ) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सहायकार द्वारा इस निम्न प्राधिकृत विनिर्देश अधिकारियों के लिए ऐसी सभी सुविधाओं की व्यवस्था करेगा जो आवश्यक हों।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

आम की खटाई का जिसका वाणिज्य चलन में खटाई नाम है, श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा						साधारण लक्षण
रंग	बाह्य पदार्थ	15 से०मी० से कम लम्बी फाँकें	बीज आवरण	अतिग्रस्त फाँकें	आर्द्रता की मात्रा	भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	
1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष	सफेद	1 0	2 0	2 0	2.0	10.0	आम की खटाई (खटाई):— (1) बाहरी छिलके के साथ या उसके बिना आम के फल का खाद्य शुष्क भाग होती;
अच्छा	भूरा और सफेद	2.0	4 0	4.0	3.0	10.0	(2) फर्कती कीट संक्रमण कर्तक संवृण और रंगीन पदार्थों से मुक्त, स्वास्थ्यप्रद और उचित रूप से शुष्क होगी;
सामान्य	भूरे से काला	4 0	6 0	6.0	5.0	10.0	(3) स्वाद और रस के लक्षणों से मुक्त होगी।

- टिप्पण :— (1) बाह्य पदार्थ में छील, मिट्टी के टुकड़ों या कोई अन्य कार्बनिक और/या अकार्बनिक पदार्थ समाविष्ट होगा।
- (2) 15 मि०मी० से कम लम्बी फाँक, फाँक के एक कोने से दूसरे कोने तक मापी जाएगी।
- (3) बीज आवरण, बीज का बाहरी आवरण होगा।
- (4) अतिग्रस्त फाँकें ऐसी फाँकें होंगी जो आन्तरिक रूप से अतिग्रस्त या विवरणित हैं कि उनसे क्वालिटी पर सारभूत प्रभाव पड़ता है।

अनुसूची 2

(नियम 3 और 4 देखिए)

धूप में सुखाए गए कच्चे आम के पूर्ण का, जिसका वाणिज्यिक चलन में अमचूर है, श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा					साधारण लक्षण
	विशेष लक्षण					
	अपरिष्कृत रेशा, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	कुल भस्म भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	अम्ल अम्लनशील भस्म (शुष्क भार के आधार पर) भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	आर्द्रता (अधिकतम)		
1	2	3	4	5	6	
स्तर	3.5	4.0	1.5	10.0	धूप में सुखाया गया कच्चे आम का पूर्ण (अमचूर), (1)	
साधारण	4.5	6.0	1.5	10.0	स्वच्छ और शुष्क धूप में सुखाई गई कच्चे आम फाँकों के प्रेषण द्वारा अधिप्राप्त पूर्ण होगा;	

1

2

3

4

4

6

- (2) स्त्राव और दधि लक्षणों से युक्त और बासी गध, घमनि-कर स्वाद, कगी, कृतक सङ्कषण और कीट संक्रमण से मुक्त होगा,
- (3) बाह्य और रगीन पदार्थ, परिरक्षकों हानिकारक पदार्थों से मुक्त होगा,
- (4) स्थूल कणों से मुक्त होगा और सामग्री का 97 प्रतिशत 500 ग्राई एस माइक्रोन जलनी से निकल जाएगा।

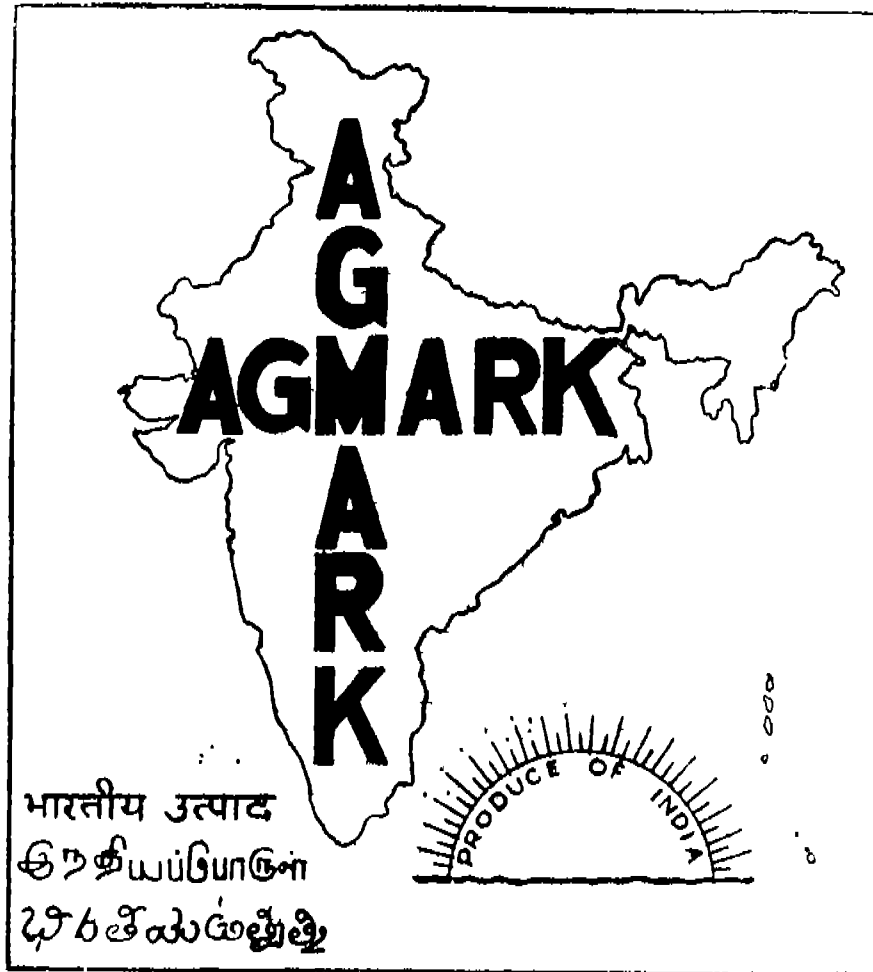
अनुसूची 3

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभिधान चिह्न का विज्ञापन

एगमार्क

भारतीय उत्पाद



S.O. 1577.—Whereas a draft of the Sundried Raw Mango Slices and Powder Grading and Marking Rules, 1980, was published as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 2989 to 2995 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 30th August, 1980 with the notification of the Government of India in the Ministry of Rural Reconstruction, No. S.O. 2171 dated the 29th July, 1980, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of fortyfive days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 19th September, 1980.

And whereas objections/suggestions received in respect of the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, application and commencement.—(1) These rules may be called the Sundried Raw Mango Slices and Powder Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to Sundried Raw Mango Slices and Powder produced in India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(b) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937, in relation to the Sundried Raw Mango Slices and Powder;

(c) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—The grade designations to indicate the quality of the Sundried Raw Mango Slices and Powder shall be as set out in Column I of Schedules I and II.

4. Definition of quality.—The quality of the Sundried Raw Mango Slices and Powder shall be as set out in columns 2 to 8 of Schedule I and columns 2 to 6 of Schedule II against each grade designation.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label supplied by the Agricultural Marketing Adviser specifying the grade designation and bearing the design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark set out in Schedule III.

Note.—(i) The grade designation mark to be used on paper or cloth bags shall consist of a paste-on label specifying the grade designation.

(ii) The grade designation mark to be used on B-twill jute bags shall consist of a rectangular tie-on label specifying the grade designation.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be clearly affixed to every container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation mark, every label shall clearly indicate the following particulars, namely:—

- (a) date of packing;
- (b) lot number;
- (c) name and address of packer;
- (d) place of packing; and
- (e) net weight.

(3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in the manner approved by the said officer, provided that the private trade mark shall not represent quality or grade of the Sundried Raw Mango Slices and Powder different from that indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

(4) The sale price shall be marked on each container.

7. Method of packing.—(1) Only sound, clean and dry container made of paper, cloth, polythene, B-twill jute or any other material as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser shall be used for packing. The container shall be free from any insect infestation, fungus contamination and from any undesirable smell.

(2) The container shall be securely closed and sealed in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) Each package shall contain the Sundried Raw Mango Slices and Powder of the same grade designation only

(4) The net weight of Sundried Raw Mango Slices and Powder packed in a container shall be 25gms., 50 gms., 100gms, 200 gms, 500 gms, 1 kg. and thereafter in multiples of 1 Kg.

8. Special conditions of certificate of authorisation :—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following shall also be the conditions of every certificate of authorisation issued for the purpose of these rules, namely :

(a) An authorised packer shall make such arrangement for testing Sundried Raw Mango Slices and Powder as may be laid down from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. He shall also maintain proper records of the analysis of samples.

(b) All instructions regarding the method of sampling and analysis, sealing and marking of containers, the maintenance of records and submission of returns, etc. which may be issued from time to time by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.

(c) A sample of Sundried Raw Mango Slices and Powder drawn in a manner laid down by the Agricultural Marketing Adviser from each lot of Sundried Raw Mango Slices and Powder shall be forwarded to such control laboratory as may be directed from time to time.

(d) An authorised packer shall provide all such facilities as may be necessary to the Inspecting Officer duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Sundried Raw Mango Slices commercially known at Khatai.

Definition of quality

Grade designation	Special Characteristics						General Characteristics
	Colour	Extraneous matter per cent by weight (Maximum)	Slices below 15 cm. in length per cent by weight (Maximum)	Seed coating per cent by weight (Maximum)	Damaged slices per cent by weight (Maximum)	Moisture content per cent by weight (Maximum)	
1	2	3	4	5	6	7	8
Special	White	1.0	2.0	2.0	2.0	10.0	Sundried raw mango slices (khatai) shall : (1) be dried edible part of the raw mango fruit with or without the outer skin; (2) be reasonably dry and wholesome and free from moulds and insect infestation, rodent contamination and colouring matters ; (3) have characteristics taste and flavour.
Good	White to Brown	2.0	4.0	4.0	3.0	10.0	
Fair	Brown to Black	4.0	6.0	6.0	5.0	10.0	

NOTE :—(1) Extraneous matter shall comprise dust, lumps of earth or any other organic and/or inorganic matter.

(2) Slices below 15mm. in length shall be measured from one end to the other end of the slice(s)

(3) Seed coatings shall be the exterior covering of the seed.

(4) Damaged slices shall be the slices internally damaged or discoloured materially affecting the quality.

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Sundried Raw Mango Powder commercially known as Amchur.

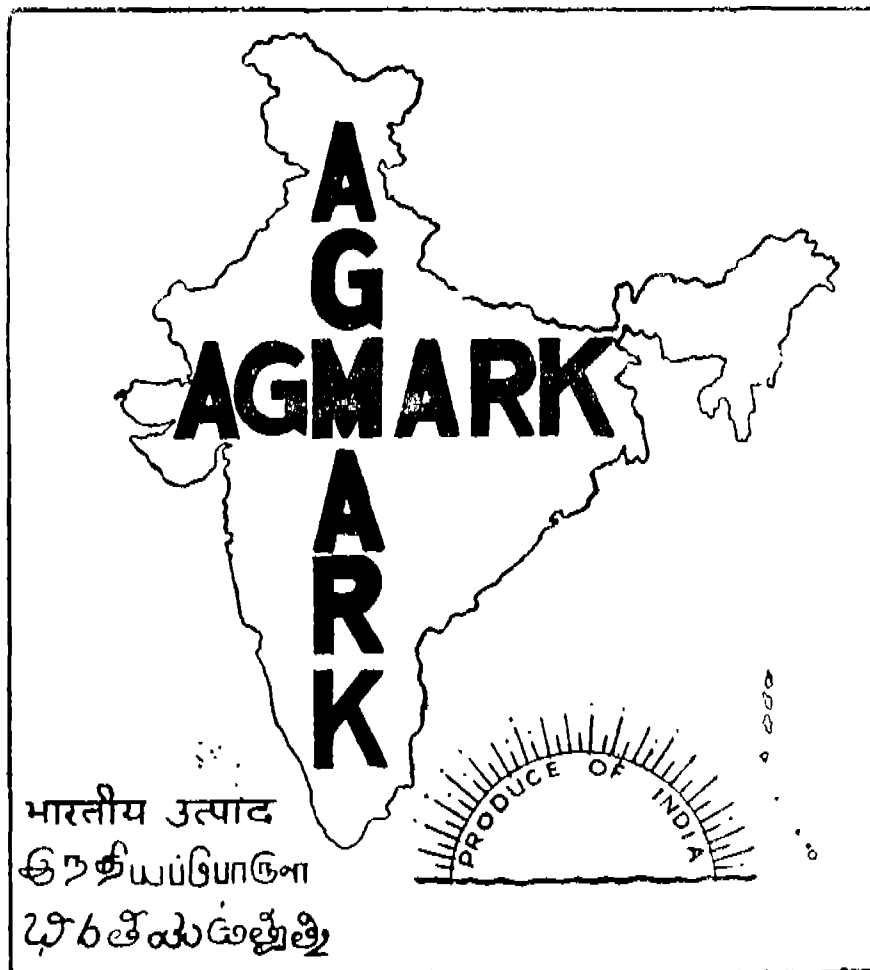
Definition of quality

Grade designation	Special characteristics				General characteristics
	Crude fibre per cent by weight (Maximum)	Total ash per cent by weight (Maximum)	Acid insoluble as (on dry weight basis) per cent by weight (Maximum)	Moisture (Maximum)	
1	2	3	4	5	6
Standard	3.5	4.0	1.5	10.0	Sundried raw mango powder (Amuchur) shall : (1) be the powder obtained by grinding and dried sundried raw mango slices; (2) have characteristics taste; and flavour and free from musty odour and objectionable flavour, rodent contamination, fungus and insect infestation; (3) be free from extraneous and colouring matter, preservatives and deleterious substances; (4) be free from coarse particles and 97 per cent of the material shall pass through 500 IS Micron sieve.
General	4.5	6.0	1.5	10.0	

SCHEDULE III

(See rule 5)

Design of Grade designation mark



[No. F. 10—12/79-A.M.]

क्रा.सं. 1578—केंद्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नोत्पादन अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महुआ बीज (श्रेणीकरण और चिह्नोत्पादन) नियम, 1980 बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनसे उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के पचास दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि में पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आप्रोप या सुझाव किसी व्यक्ति में प्राप्त होंगे, केंद्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप नियम

- संक्षिप्त नाम और लागू होना.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम महुआ बीज श्रेणीकरण और चिह्नोत्पादन नियम, 1981 है।
(2) ये भारत में उत्पादित महुआ बीज को लागू होंगे।
- परिभाषाएँ.—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;
(2) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न कोई अनुसूची अभिप्रेत है;
(3) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है जिसे कृषि विपणन सलाहकार ने नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार वस्तु को श्रेणीकृत कराने और एगमार्क चिह्न लगवाने के लिए, प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया है;
(4) "प्रमाण पत्र" से प्राधिकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।
- श्रेणी अभिधान —महुआ बीजों की क्वालिटी उपरिणित करने वाला, श्रेणी अभिधान यह होगा जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में उपरिणित है।
- क्वालिटी की परिभाषा —श्रेणी अभिधानों द्वारा उपरिणित क्वालिटी यह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 7 में, प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपरिणित है।
- श्रेणी अभिधान चिह्न —श्रेणी अभिधान चिह्न एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और ऐसी डिजाइन बनी हो जो जिसमें भारत का रूपरेखा मानचित्र, एगमार्क शब्द, और 'भारतीय उत्पाद' तथा "Produce of India" शब्दों सहित उगने हुए सूर्य का चित्र होगा, जो अनुसूची 2 में उपरिणित चिह्न के समूह होगा।

6. चिह्नांकन पद्धति :—(1) श्रेणी अभिधान चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से चिपकाया जाएगा।
 (2) श्रेणी अभिधान के अनुरिक्त, नेबल पर निम्नलिखित विशिष्टियाँ भी स्पष्टतः दी जाएंगी :
 (क) पैक करने की तारीख ,
 (ख) लाट संख्या ,
 (ग) पैक कर्ता का नाम और पता ,
 (घ) शुद्ध भार ,
 (ङ) कोई अन्य विशिष्ट, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अभिप्राय करने के पश्चात् आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा परन्तु यह तब तक जब कि प्राइवेट व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपरिष्ठित महुआ बीज की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपरिष्ठित न करे।

7. पैक करने की पद्धति :—(1) महुआ बीज को मजबूत जूट के थैलों में या किसी अन्य प्रकार के आधान में तथा ऐसी अमत्ता और ऐसी रीति में पैक किया जाएगा जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

- (2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी फफूदी या कीड़े लगी नहीं होगी और कुगन्ध मुक्त होगी।
 (3) हर एक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी अभिधान के महुआ बीज होंगे।
 (4) प्रत्येक पैकेज को कृषि विपणन सलाहकार द्वारा चिह्नित रूप में सुरक्षित रूप से बन्ध और सीलबन्ध किया जाएगा।

8. प्राधिकरण प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें :—प्रत्येक पैकर, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुरिक्त, कृषि विपणन सलाहकार के समाधानप्रद रूप में निम्नलिखित विशेष शर्तों का भी पालन करेगा, अर्थात् :—

(1) प्राधिकृत पैकर महुआ बीज के परीक्षण के लिए ऐसी व्यवस्था करेगा जो कृषि विपणन सलाहकार, समय-समय पर साधारण या विशेष भावेष द्वारा विनिर्दिष्ट करें।

(2) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निम्न सम्यक रूप से प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो इन नियमों के अधीन उनके कर्तव्यों के निर्वहण के लिए आवश्यक है।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

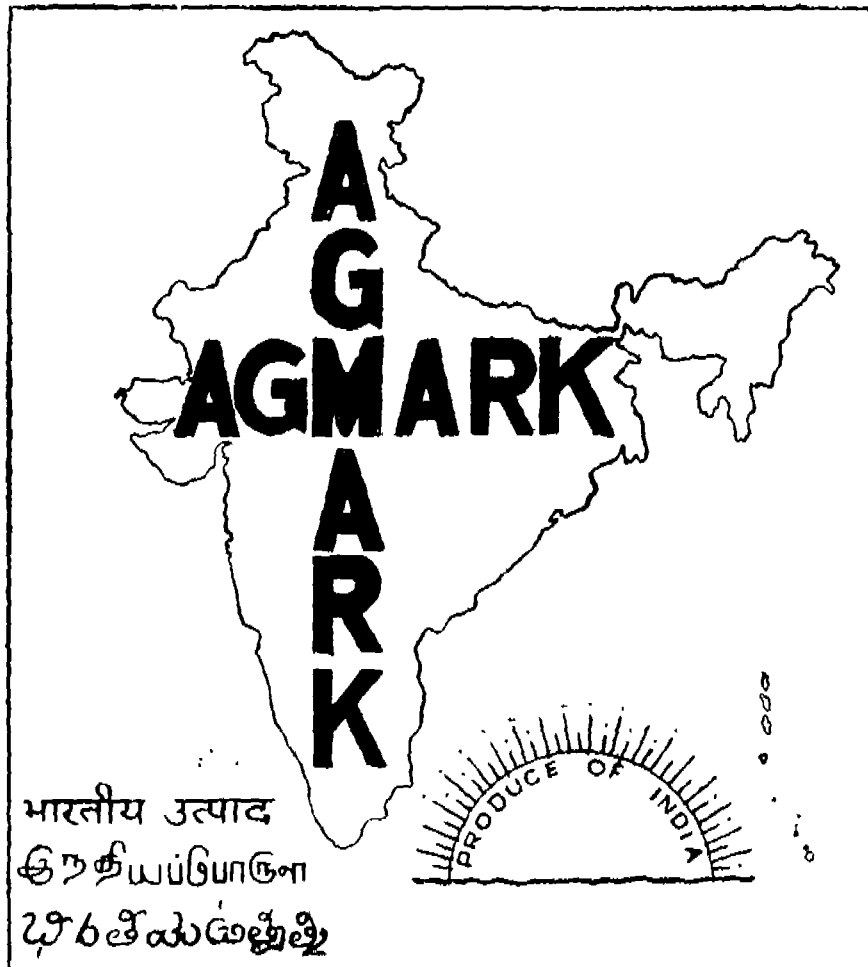
भारत में उत्पादित महुआ बीज का श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषाएं

श्रेणी अभिधान	रंग	विजातीय पदार्थ भार के आधार पर प्रतिशत (अधिकतम)	क्वालिटी की परिभाषा			
			विशेष लक्षण		साधारण लक्षण	
			अतिग्रस्त, किञ्चित् अतिग्रस्त और धुमे बीज, भार के अनु- सार प्रतिशत (अधिकतम)	टूटे हुए और खडित नमी, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)		
1	2	3	4	5	6	7
1. रक्तिम पीला या भूरा पीला या हल्का भूरा	.	2.0	4.0	2.0	6.0	महुआ बीज . (1) सेपोटोमिया परिवार के मधुका इंडिका जे० एस० गमोलिन, माहल मधुका लाइकोलिया (आर ओ एक्स जी) सेक्का- ट्ट या मधुका पोगोकोलिया (कोइंग) वृक्ष पर उत्पन्न फल से अभिप्राय होगा। (2) पोण्डि होगा, फफूदी धुन, कुगन्ध, हानिकारक पदार्थों से मुक्त होगा और अनुसूची में उपरिष्ठित सीमा तक के मिथाय सभी अन्य उपद्रव्यो से मुक्त होगा। (3) एक जैसे रूप, आकार और रंग का होगा। परिभाषाएं : विजातीय पदार्थ : इसके अन्तर्गत धुन, गुठली, मिट्टी की पिण्डिया, पतियाँ, कोई अन्य आद्य या अस्वाद्य बीज भी है।
2. गहरा भूरा	.	4.0	10.0	6.0	6.0	
3. गहरा भूरा	.	6.0	15.0	10.0	6.0	

1 2 3 4 5 6 7

अनिग्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे जो यांत्रिक रूप से या कपूरी द्वारा क्षतिग्रस्त हों गए हैं या जो क्वालिटी पर वस्तुतः झलने वाला बीजों का आन्तरिक विवरणन दर्शाते कर रहे हों।
 क्षतिग्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे जो सतही रूप से क्षतिग्रस्त या विवरणन है और उस क्षति या विवरणन से क्वालिटी पर वस्तुतः प्रभाव नहीं पड़ रहा है।
 घुने बीज ऐसे बीज होंगे जिनमें घुन या अन्य कीटाणुनाशक द्वारा आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से छेद कर दिया गया है या जिन्हें खा लिया गया है।
 टूटे हुए बीजों के अन्तर्गत ऐसे बीज होंगे जो पूर्ण बीज के सीम चौथाई भाग से कम हैं।
 खंडित बीजों के अन्तर्गत ऐसे बीज होंगे जो पूर्ण बीज के एक चौथाई भाग से कम हैं।

अनुसूची 2
 (नियम 5 देखिए)



S.O. 1578.—The following draft of the Mahua Seed Grading and Marking Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified, shall be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Mahua Seed Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to the Mahua Seed produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;

(3) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser for getting the commodity graded and Agmarked in accordance with the grade standards and procedure prescribed under the rules;

(4) "Certificate" means Certificate of Authorisation.

3. Grade designations.—The grade designation to indicate the quality of the Mahua seed shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 7 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of outline map of India with the word AGMARK and figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label:

(a) date of packing;

(b) lot number;

(c) name and address of packer;

(d) net weight;

(e) any other particulars, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser, from time to time.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality of grade of Mahua seed different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Mahua seed shall be packed in sound jute bag or any other type of container and of capacity and in such manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus and insect attack and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain Mahua seed of one grade designation only.

(4) Each package shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

8. Special conditions of certificate of authorisation.—In addition to the conditions specified in the rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following special conditions shall be observed by the packers to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser, namely:—

(1) An authorised packer shall make such arrangements for testing Mahua seed as the Agricultural Marketing Adviser may specify by general or special order from time to time.

(2) An authorised packer shall provide such facilities to the inspecting officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf as may be necessary from them to discharge their duties under these rules.

SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definitions of quality of Mahua seed produced in India.

Grade designation	Definition of quality					General Characteristics
	Colour	Foreign matter per cent by weight (Maximum)	Damaged Slight damaged, and weevilled seeds, per cent by weight (Maximum)	Broken and fragments, per cent by weight (Maximum)	Moisture, per cent by weight (Maximum)	
1	2	3	4	5	6	7
I Reddish yellow or Brown Yellowish or light brown		2.0	4.0	2.0	6.0	Mahua seed shall be : (1) obtained from the fruit borne on the tree <i>Madhuca indica</i> , J.F. Gomolin, Syn. <i>Madhuca latifolia</i> (Roxb) Mac-bride or <i>Madhuca longifolia</i> (Koenig) Macbride belonging to the family Sapotaceae.
II Dark Brown		4.0	10.0	6.0	6.0	
III Dard Brown		6.0	15.0	10.0	6.0	

1	2	3	4	5	6	7
						(2) wholesome, free from moulds, weevils obnoxious smell, deleterious substances and all other impurities except to the extent indicated in the schedule.
						(3) have uniform shape size and colour.

Definitions : Foreign Matter : Shall include dust, stones, Lumps of earth, Leaves, any other edible or non-edible seeds.

Damaged Seeds : Shall be the seeds which are damaged mechanically, by mould or those showing internal discolouration of seeds materially affecting the quality.

Slightly Damaged Seeds : Shall be the seeds that are superficially damaged or discoloured, damage discolouration not materially affecting the quality.

Weevilled seeds : Shall be those seeds which are partially or wholly bored or eaten by weevils or other insects.

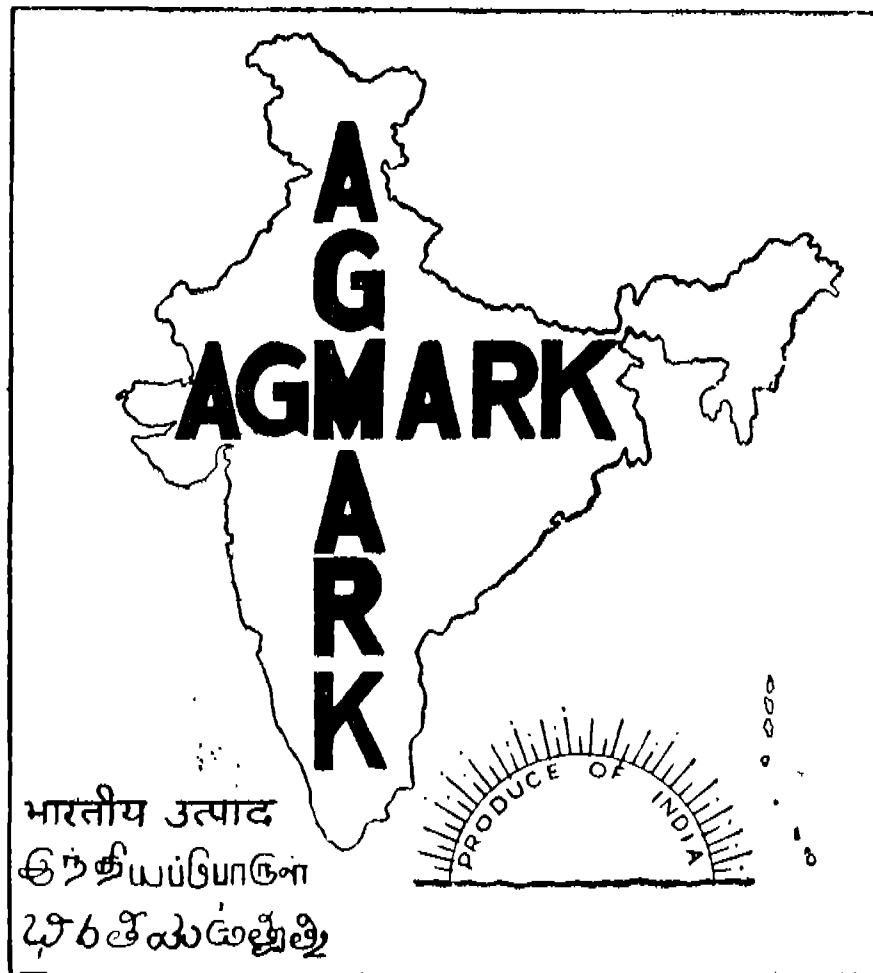
Broken : Shall include those seeds which are less than three-fourth of a whole seed.

Splits : Shall include those seeds which are less than one-fourth of a whole seed.

SCHEDULE II

(See rule 5)

Grade designation mark



[No. F. 10 -7/80—A.M.]

विद्या और संस्कृति मंत्रालय**संस्कृति विभाग**

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1981

कां.अं० 1579.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
जन्पथ, नई दिल्ली (मुख्यालय)
2. सहायक अधीक्षक, पुरातत्वविद्,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
(संग्रहालय) सारनाथ,
वाराणसी (उ०प्र०)
3. अधीक्षक पुरातत्वविद्,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
उत्तरी सर्कल, 22 माल रोड, आगरा (उ०प्र०)

[संख्या एक० 28-2/81-सामान्य]
एस० एल० कौशल, उप सचिव

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE**(Department of Culture)**

New Delhi, the 15th April, 1981

S.O. 1579.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Archaeological Survey of India, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Director General,
Archaeological Survey of India,
Janpath, New Delhi.
(Head Office).
2. Assistant Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
(Museum),
SARNATH, Varanasi (U.P.).
3. Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Northern Circle,
22, Mal Road,
AGRA (U.P.).

[No. F. 28-2/81-Genl]
S. L. KAUSHAL, Dy. Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय**(हिन्दी अनुभाग)**

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1981

कां.अं० 1580.—भारत सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10(4) के अनुसरण में एन.डी.आर. नौवहन और परिवहन मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों

को अधिसूचित करती है, जहाँ 80 प्रतिशत और उससे अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है :—

1. सीमा सड़क विकास मंडल, नई दिल्ली।
2. सीमा सड़क महानिदेशालय, नई दिल्ली।

[फाइल संख्या : एन पी यू/147/81]
सुवर्ण वासुदेव, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**(Hindi Section)**

New Delhi, the 24th April, 1981

S.O. 1580.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Government of India hereby notifies the following Offices of the Ministry of Shipping and Transport, 80 per cent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Border Roads Development Board, New Delhi-110011.
2. Director General of Border Roads, New Delhi-110011.

[F. No. HPU/147/81]
S. VASUDEV, Dy. Secy.

(परिवहन वंग)

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1981

कां.अं० 1581.—केन्द्रीय सरकार, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5 क की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री के० गांगी रेड्डी को स्व० श्री के० एस० वत्स के स्थान पर विशाखापत्तनम डाक श्रमिक बोर्ड के सदस्य के रूप में नए बोर्ड के गठन किए जाने तक की अवधि के लिए नियुक्त करती है और भारत सरकार के मोवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3499, तारीख 17-9-1976 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "डाक कर्मचारों और पोत परिवहन कम्पनियों के नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य" शीर्ष के अधीन मद(1) के सामने "श्री के०एस० वत्स" प्रविष्टि के स्थान पर "श्री के० गांगी रेड्डी" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[फा० सं० एल डी वी /17/79-एल-3]
च०.स० बड़गुजर, निदेशक

(Transport Wing)

New Delhi, the 29th April, 1981

S.O. 1581.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 5A of the Dock Workers' (Regulation of Employment) Act, 1948, (9 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri K. Gangi Reddy as a member of the Visakhapatnam Dock Labour Board vice late Shri K. S. Dutt for a period till the new Board is constituted and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S.O. 3499 dated 17-9-1976, namely :—

In the said notification, under the heading, "Members representing the Employers of Dock Workers and Shipping Companies" against item (1) for the entry "Shri K. S. Dutt", the entry "Shri K. Gangi Reddy" shall be substituted.

[File No. LDV/17/79-L.III]
C. B. P. DUGGAR, Director

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई, 24 अप्रैल, 1981

(वारिण्य नौवहन)

कां० प्रा० 1582—वारिण्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 7 की उप-धारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० कां० प्रा० 3203, तारीख 23 जुलाई, 1971 को अधिकांत करते हुए नौवहन महानिदेशक, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से एतद्वारा निदेश देते हैं कि निम्नांकित सारणी के स्तम्भ (i) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबन्धों संबंधी उन्हें भूतपूर्व परिवहन और संचार मन्त्रालय में भारत सरकार की अधिसूचना सं० कां० प्रा० 3144, तारीख 17 दिसम्बर, 1960 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 456 की उपधारा (i) के अधीन जो शक्ति, प्राधिकार और क्षेत्राधिकार दिये हैं उनका प्रयोग, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित वर्ग के पोतों या जलयानों के बाबत उर्सी सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अध्याधीन जल परिवहन विभाग, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के प्रधान अधिकारियों द्वारा भी किया जाएगा।

सारणी

वारिण्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 के उपबन्ध	पोतों या जलयानों के वर्ग जिनके बाबत शक्ति का प्रयोग किया जाएगा	शर्तें
1	2	3
76(1)(ख)	(1) कुल 2000 टन से अधिक के विदेश गामी स्थोरा पोत (2) देशीय व्यापार स्थोरा पोत। (3) देशीय-व्यापार यात्री पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(1)(ग)	कुल 450 टन या उससे अधिक के देशीय-व्यापार स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(1)(घ)	कुल 20,000 टन से अधिक के विदेश गामी स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(2)(क)	(1) दो हजार सांकेतिक अश्व शक्ति से कम परन्तु 100 या उससे अधिक अश्व शक्ति के स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी। ऐसी छूट या तो मुख्य इंजीनियर या द्वितीय इंजीनियर के सबध में दी जाएगी परन्तु दोनों के संबंध में नहीं दी जाएगी।

1	2	3
	(2) दो हजार या उससे अधिक सांकेतिक अश्व-शक्ति के स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(2)(ख)	एक सौ सांकेतिक अश्व शक्ति से कम वाले स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(3)(क)	पचास या उससे अधिक सांकेतिक अश्व-शक्ति के देशीय-व्यापार स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(3)(ख)	पचास से कम सांकेतिक अश्व शक्ति के देशीय व्यापार स्थोरा पोत।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी पोत को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।
76(4)(क)	कुल पचास टन से अधिक परन्तु कुल पचास टन से अधिक के मत्स्य-ग्रहण जलयान	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी जलयान को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी। अतः कि जलयान में प्रमाणपत्रित द्वितीय सहायक भर्ती किया गया हो।
76(4)(ख)	कुल पचास टन से अधिक के मत्स्य-ग्रहण जलयान।	छूट छ महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी जलयान को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी। ऐसी छूट या तो स्कीपर या द्वितीय सहायक के संबंध में दी जाएगी परन्तु दोनों के संबंध में नहीं।

1	2	3
76 (4) (ग)	पचास या उससे अधिक सांकेतिक शक्ति के मत्स्यग्रहण जलयान।	छूट छः महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी जलयान को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी। परन्तु यदि जलयान में प्रमाण-पत्रित मत्स्यग्रहण जलयान इंजिन ड्राइवर या प्रमाणितपत्रित समुद्रगामी इंजिन ड्राइवर भर्ती किया गया हो तो ऐसी छूट दी जाएगी।
76 (4) (घ)	पचास से कम सांकेतिक शक्ति के मत्स्यग्रहणजलयान	छूट छः महीनों की अवधि से अधिक नहीं होगी और न उसी जलयान को पहले से दी गई छूट की समाप्ति के बाद तुरन्त नयी छूट दी जाएगी।

[मं० 14-एस एच (3)/79]

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay, the 24th April, 1981

(Merchant Shipping)

S.O. 1582.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of notification, No. S.O. 3203 dated the 23rd July, 1971 the Director General of Shipping, with the previous approval of the Central Government, hereby directs that the power, authority and jurisdiction under sub-section (1) of section 456 of the said Act, delegated to him by the Notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communication No. S.O. 3144, dated the 17th December, 1960, shall in respect of the provisions of the said Act specified in column (1) of the Table set out herebelow, be exercisable also by the Principal Officers of the Merchantile Marine Department at Bombay, Calcutta and Madras, in respect of classes of ships or vessels specified in column (2) of the said Table, subject to the conditions set out in column (3) of the said Table.

TABLE

Provisions of the Merchant shipping Act, 1958.	Classes of ships or vessels in respect of which power may be exercised	Conditions
1	2	3
76(1)(b)	(i) Foreign-going cargo ships not exceeding 20,000 tons gross ; (ii) Home-trade cargo ships ; (iii) Home-trade passenger ships.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.

1	2	3
76(1)(c)	Home trade cargo ship, of 450 tons gross or more.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.
76(1)(d)	Foreign going cargo ships of less than 20,000 tons gross.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.
76(2)(a)	(i) Cargo ships of less than two thousand nominal horse power but of 100 or more nominal horse power.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted. Such exemptions may be granted either in respect of the Chief Engineer or the Second Engineer but not in respect of both.
	(ii) Cargo ship of two thousand or more nominal horse power.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted. No exemption shall be granted in respect of the Chief Engineer.
76(2)(b)	Cargo Ships of less than one hundred nominal horse power.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.
76(3)(a)	Home trade cargo ships of fifty nominal horse power or more.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.
76(3)(b)	Home trade cargo ships of less than fifty nominal horse power.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted.

1	2	3	1	2	3
76(4)(a)	Fishing vessels exceeding twenty five tons gross but not exceeding fifty tons gross	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same vessel immediately after expiry of exemption previously granted provided that the vessel is manned with a certificated second hand.	76(4)(c)	Fishing vessels of fifty nominal horse power or more.	No exemption shall exceed six months duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted. Such exemption may be granted provided the vessel is manned by a certificated engine driver of a fishing vessel or certificated sea-going engine driver.
76(4)(b)	Fishing vessels exceeding fifty tons gross.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same ship immediately after expiry of exemption previously granted. Such exemption shall be granted in respect of either the Skipper of the second hand but not in respect of both.	76(4)(d)	Fishing vessels of less than fifty nominal horse power.	No exemption shall exceed six months in duration nor shall a fresh exemption granted to the same vessel immediately after expiry of exemption previously granted.

[No. 14-SH(3)/79]

R. D. PRADHAN, Director General of Shipping

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आवेदना

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1981

क्र० आ० 1583.—फिल्म सलाहकार बोर्ड के कार्यकरण से सम्बन्धित विनियमों के नियम 14(ख) के उपबन्धों के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:—

अनुसूची

क्रम सं०	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या हाकुमेंट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1695	300-00	फिल्म प्रभाग, 24-पेंडर रोड, बम्बई	फिल्म प्रभाग, 24-पेंडर रोड, बम्बई	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म सामान्य प्रदर्शन के लिए।
2.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1696	302-00	तथैव	तथैव	तथैव

[फाइल संख्या 315/1/81-एफ(पी)]

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 28th April, 1981

S.O. 1583 :—In exercise of the powers vested under the provisions of Rules 14(b) of the Regulations relating to the Working of the Film Advisory Board the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in Mtrs.	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief whether a synopsis scientific film or for educational purposes of a film dealing with news current event documentary film.
1	2	3	4	5	6
1.	Indian News Review No. 1695	300.00 Mt.	The Films Div. 24-Peddar Road, Bombay.	The Films Division 24-Peddar, Road, Bombay.	News and current events General Release.
2.	Indian News Review No. 1696.	302.00 Mt.	-do-	-do-	-do-

[File No. 315/1/81-FP]

आदेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1981

क्रा० आ० 1584.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या एम०प्रो० 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अंतर्गत जारी किए गए निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एनडू द्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

अनुसूची

क्रम सं०	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या जाकुमेंट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1.	महाराष्ट्र समाचार संख्या 355	246-00	सूचना और जन संपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारवेव रोड, बम्बई-34		"समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म" महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
2.	मध्य प्रदेश समाचार, वर्ग 26	265-00	सहायक सूचना और प्रचार निदेशक, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल	सूचना और प्रचार निदेशक, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म मध्य प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
3.	बिजली संभल द्वारा सुविधा	305-00	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, अलाक नं० 7, गांधी नगर-10		"जाकुमेंट्री फिल्म। गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
4.	ऐसाचार्य श्री विद्यानन्द महार-हांगी बाहुबलि, भेत	347-47	प्रभत कुमार, मार्फत राजकमल स्टूडियो, "शान्तश्री", पारेल, बम्बई-12		जाकुमेंट्री फिल्म। महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
5.	ए स्टोरी वैंट गोज ग्रान यू	292-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		"शिक्षा संबंधी" फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए।
6.	ए टैम्पल आफ लरनिंग	263-00	तथैव		"जाकुमेंट्री" फिल्म सामान्य प्रदर्शन के लिए।
7.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1685 (राष्ट्रीय)	205-00	तथैव		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म सामान्य प्रदर्शन के लिए।
8.	भारतीय समाचार संख्या 1685	283-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		"समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। पूर्वी सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
9.	प्रगति के पथ पर बिहार-भाग-19	255-42	एम० झा, फिल्म सञ्चायक, सूचना विभाग, बिहार सरकार, पटना	सूचना और जनसंपर्क निदेशक, बिहार सरकार, पटना।	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म बिहार सर्किट में प्रदर्शन के लिए।
10.	प्रगति के पथ पर बिहार-भाग-22	269-14	तथैव	तथैव	तथैव

1	2	3	4	5	6
11.	माहिती चित्र सं० 339	277-37	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, बम्बई ।	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार सचिवालय, गांधीनगर ।	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
12.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1686 (राष्ट्रीय)	199-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई ।		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
13.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1686 (वर्षिक)	282-00	तथैव	तथैव	“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । वार्षिक सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
14.	सर्कस इन इंडिया	597-00	डी० एस० खंडेलवाल, टैरेस फ्लैट, सतनाम सागर, 7 वीं और 11 वीं रोड, कांसिग, खेर, बम्बई-52		“डाकुमेंट्री फिल्म” सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
15.	हूपी डेज	62-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई ।		“डाकुमेंट्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
16.	वि विंकर	275-00	तथैव	तथैव	तथैव
17.	प्रगति के पथ पर बिहार- भाग-20	274-32	एम० झा० फिल्म संपादक, सूचना और जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार, पटना ।	सूचना और जनसंपर्क निदेशक, बिहार सरकार, पटना ।	“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । बिहार सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
18.	प्रगति के पथ पर बिहार- भाग-21	274-32	तथैव	तथैव	तथैव
19.	माहिती चित्र संख्या 340	298-70	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म)/ गुजरात सरकार, बम्बई ।	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, सचिवालय, गांधी नगर ।	“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
20.	20-वीं अर्द्ध शताब्दी वि नान- अलाइड मूवमेंट	510-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई ।		“डाकुमेंट्री फिल्म” । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
21.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1687 (राष्ट्रीय)	233-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई ।		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
22.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1687 (पश्चिमी)	302-00	तथैव	तथैव	“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । पश्चिमी सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
23.	सांख्यिक एटोन्स	493-44	प्रिंसिपल, प्रौद्योगिकी शिक्षा केन्द्र, एन० सी० ई० आर० टी०, श्री अरविद आश्रम, श्री अरविद मार्ग, मई दिल्ली-16		“डाकुमेंट्री फिल्म” सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
24.	दि मैजिक बीव	439-82	नाना बोस, मार्फतवता बत्ताकर, 611, मयूर एस० बी० पटेल रोड, बोरीबला स्टेट, बम्बई-92		तथैव
25.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1688 (राष्ट्रीय)	243-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई ।		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
26.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1688 (उत्तरी)	304-00	तथैव		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । उत्तरी सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
27.	समाचार वर्षान	289-55	एम० झा०, फिल्म संपादक, सूचना और जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार, पटना ।	सूचना जन संपर्क निदेशक, बिहार सरकार, पटना ।	“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । बिहार सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
28.	रोजगार बुझो पहेले	337-00	संजीवन चित्र मोवाश्च स्टाक, स्टेशन रोड, खंडर, बम्बई-52		“डाकुमेंट्री फिल्म” सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
29.	ए साईफ लांग बारियर	351-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		“डाकुमेंट्री फिल्म” । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
30.	सम बेयर ए आइलड हज वेटिंग	32-00	इंडियन एसोसिएशन फार प्रमोशन आफ अग्रप्राप्त, डिनस हाउस, बीर नरीमन रोड, बम्बई-23		“शिक्षा सम्बन्धी” फिल्म । सामान्य प्र- दर्शन के लिए ।

1	2	3	4	5	6
31. उत्तर प्रदेश समाचार 83	289-94	धीरेन्द्र पाण्डे, प्रोड्यूसर, (न्यूज रील) उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ।	धीरेन्द्र पाण्डे, प्रोड्यूसर (न्यूज रील) उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ।		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
32. महाराष्ट्र समाचार संख्या 356	290-00	सूचना और जन संपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68 तारदेव रोड, बम्बई-34			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
33. माहिती चित्र संख्या 341	228-60	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, बम्बई ।	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, मन्त्रिवालय, गांधीनगर ।		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
34. धनुषव	302-96	दुर्गाखोने प्रोडक्शंस, इंडिया हाउस, प्रथम तल, जी० बी० ओ० के सामने, बम्बई 1			“शकुमेंट्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
35. ग्रान टु स्पेस	290-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई			तथैव
36. आबर सोनियर सिटीजंस	290-00	तथैव			तथैव
37. भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1689 (राष्ट्रीय)	222-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
38. भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1689 (पूर्वी)	287-00	तथैव			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म पूर्वी सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
39. हू इज वाइजर ?	231-00	तथैव			“शकुमेंट्री” फिल्म । प्राचीन क्षेत्रों में प्रदर्शन के लिए ।
40. भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1690 (राष्ट्रीय)	261-00	तथैव			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
41. भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1690 (वर्षा)	302-00	तथैव			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । वर्षा सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
42. डी हाइड्रेशन*	223-00	तथैव			“शकुमेंट्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
43. मध्य प्रदेश समाचार वर्षा संख्या 27	276-80 (1)	सहायक सूचना और प्रचार निदेशक, मध्य प्रदेश सरकार	सूचना और प्रचार निदेशक मध्य प्रदेश सरकार		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । मध्य प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
44. मध्य प्रदेश समाचार दर्शन सं० 28	280-15 (1)	तथैव	तथैव		तथैव
45. महाराष्ट्र समाचार सं० 357	271-00 (1)	सूचना और जन संपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68-तारदेव रोड, बम्बई-34			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
46. किमान एंड वि मैजिक बैरियट (रंगीन)	372-00 (2)	प्रौद्योगिकी शिक्षा केन्द्र (एन० सी० ई० आर० टी०) श्री अरविंद आश्रम और मार्ग, नई दिल्ली-16			“शकुमेंट्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
47. कालीघाट पेंटिंग्स (रंगीन)	448-00 (2)	शंकर घोष, पी 86/डी० न्यू सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता-700014			“शकुमेंट्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
48. समस्या शान्तिधि उकेल्ला	243-84	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनई धनुसंधान प्रयोगशाला सि० 77, डा० एनीबीसेंट रोड, बार्ली, बम्बई-18			“शकुमेंट्री” फिल्म । गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
49. भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1691 (राष्ट्रीय)	237-00 (1)	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई			“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।

* 24-2-1981 को हुई बैठक के संदर्भ में । बोर्ड के निवेश का प्रार्थी द्वारा पालन किया जा चुका है ।

1	2	3	4	5	6
50.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1691 (पश्चिमी)	299-00 (1)	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । पश्चिमी सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
51.	माहिती चित्र संख्या 342	243-84	सहायक सूचना निदेशक (फिल्म), सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, गुजरात सरकार, बम्बई-18	सचिवालय, गांधीनगर ।	“समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
52.	बिटर येस्टू	84-75	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		“आकुमेद्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
53.	दि बेनिशिंग मैरियनेटस	474-00	शिल्पभारती प्रचार, फ्लैट-21 राक वाली, स्ट्रीट, स्वेस्टिंग रोड, बादरा बम्बई-50	रणजीत राय, फ्लैट-21, राक नी स्ट्रीट, स्वेस्टिंग रोड, बादरा बम्बई	“आकुमेद्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
54.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1692 (राष्ट्रीय)	195-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		“समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
55.	भारतीय समाचार समीक्षा सं० 1692 (उत्तरी)	277-00	तथैव		“समाचार और सामयिक घटनाओं” की फिल्म । उत्तरी सर्किट में प्रदर्शन के लिए ।
56.	रोजन घाफ हारमीनी	402-92	शान्ति पी० चौधरी, मार्फत वत्ता पारंकर, 611, मयूर, एम० वी० पटेल रोड, बोरीवाला वैस्ट, बम्बई-92		“आकुमेद्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
57.	वि कोर भित्तस	487-375	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार, बम्बई)		“आकुमेद्री” फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।
58.	यू थार साट हंडीकैड	248-41	मैसर्स चित्रकल्प प्रोडक्शन, 146/1, भोल्ल-चाइना बाजार, स्ट्रीट, कलकत्ता-1		तथैव
59.	वैदर	258-00	फिल्म प्रभाग (भारत सरकार), बम्बई		तथैव
60.	गोलकोडा	304-00	जी० एल० भारद्वाज, भारद्वाज फिल्म, बी-46/432, गांधीनगर, बांधरा (ईस्ट), बम्बई-51		तथैव

[फाइल संख्या 315/1/80-एफ (पी)]

कश्मीरी लाल, हेडक्वार्टर अधिकारी

S.O. 1584.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated the 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Films Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Scheduled annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

Sl. N	Title of the Film	Length of the film in metres.	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief whether a synopsis scientific films or for educational purpose of a film dealing with news current events of documentary film.
1	2	3	4	5	6
1.	Maharashtra News No. 355	246.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		'News & Current Events'. Release in Maharashtra circuit.
2.	Madhya Pradesh Samachar Darshan 26	265.00	Asst. Director of Information & Publicity Govt. of M.P. Bhopal.	Director of Information & Publicity Govt. of M. P. Bhopal.	'News & Current Event.' Release in M.P. circuit.
3.	Vijli Sambhal Dwara Suvidha	305.00	Director of Information, Gujarat Block No. 7, Gandhinagar-10		'Documentary Release in Gujarat circuit.
4.	Ailacharya Shri Vidyanand Maha Rahanohi Bahubali Bhet	347.47	Prabhatkumar, C/o. Rajkamal Studio, "Shantishree" Parel, Bombay-12.		'Documentary Release in Maharashtra circuit.

1	2	3	4	5	6
5. A Story that Grows on You	292.00	Films Division, (Govt. of India), Bombay.			'Educational General Release.
6. A Temple of Learning	263.00	-do-	-do-		'Documentary General Release.
7. Indian News Review No. 1685 (National)	205.00	-do-	-do-		'News and Current Events' General Release.
8. Indian News Review No. 1685 (Eastern)	283.00	-do-	-do-		'News and Current Events' Release in Eastern circuit.
9. Pragati ke path per Bihar Part-19	255.42	M. Jha, Film Editor, Information & Public Relations Govt. of Bihar, Patna.	Director of Information & Public Relations, Govt. of Bihar, Patna.		'News and Current Events,' Release in Bihar circuit.
10. Pragathi ke Path per Bihar Part-22	269.14	-do-	-do-		-do-
11. Mahiti Chitra No. 339	277.37	Asst. Director of Information (Films), Govt. of Gujarat, Bombay.	Director of Information, Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Gandhinagar.		'News and Current Events,' Release in Gujarat circuit.
12. Indian News Review No. 1686 (National)	199.00	Films Division, (Govt. of India), Bombay.			'News and current Events,' General Release.
13. Indian News Review No. 1686 (Southern)	282.00	-do-	-do-		'News and Current Events' Release in Southern circuit.
14. Circus in India	597.00	D.S. Khandelwal, Terrace Flat, Satnam Sagar, 7th & 11th Road crossing, Kher, Bombay-52.			'Documentary' General Release.
15. Happy Days	62.00	Films Division, (Govt. of India), Bombay.			'Documentary' General Release.
16. The Thinker	275.00	-do-	-do-		'Documentary' General Release.
17. Pragati ke Path per Bihar Part-20	274.32	M. Jha, Film Editor, Information & Public Relations Deptt. Govt. of Bihar, Patna.	Director of Information & Public Relations, Govt. of Bihar, Patna.		'News and Current Events,' Release in Bihar circuit.
18. Pragati Ke Path per Bihar Part-21	274.32	-do-	-do-		-do-
19. Mahiti Chitra No. 340	298.70	Asstt. Director of Information (Films), Govt. of Gujarat, Bombay.	Director of Information Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Gandhinagar.		'News and Current Events' Release in Gujarat circuit.
20. 20 years of the Non-Aligned Movement.	510.00	Films Division, (Govt. of India) Bombay.			'Documentary, General Release.
21. Indian News Review No. 1687 (National)	233.00	-do-	-do-		'News and Current Events' General Release.
22. Indian News Review No. 1687 (Western)	302.00	-do-	-do-		'News and Current Events' in Western Circuit.
23. Scientific Attitude	493.44	Principal, Centre for Educational Technology N.C. E.R.T. Shri Aurobindo Ashram, Shri Aurobindo Marg, New Delhi-16.			'Documentary' General Release.
24. The Magic Weave	439.82	Nana Bose, C/o, Datta Datankar, 611, Mayur, S.V. Patel Road, Borivli West, Bombay-92			'Documentary' General Release.
25. Indian News Review No. 1688 (National)	243.00	Films Division, (Govt. of India), Bombay.			'News and Current Events' General Release.
26. Indian News Review No. 1688 (Northern)	304.00	-do-			'News, and Current Events' Release in Northern circuit
27. Samachar Darshan	289.55	M. Jha, Film Editor, Information & Public Relations Deptt. Govt. of Bihar, Patna.	Director, Information and Public Relations, Govt. of Bihar, Patna.		'News & Current Events' Release in Bihar circuit.

1	2	3	4	5	6
28. Rojgar Chunhese Pahaele	337.00	Sanjeevan Chitra, Motashav Block, Station Road Khar, Bombay-52.			'Documentary' General Release.
29. A life long Warrior	351.00	Films Division, (Govt. of India), Bombay			'Documentary' General Release.
30. Somewhere a Child is waiting	32.00	*Indian Association for Promotion of Adoption, Diners' House, Veer Nariman Road, Bombay-23.			'Film intended for educational purposes'. General Release.
31. Uttar Pradesh Samachar 83	289.94	Dhirendra Pande, Producer, Newsreel, Govt. of U.P., Lucknow.	Dhirendra Pande, Producer (Newsreel) Govt. of U.P., Lucknow.		'News & Current Events' Release in Uttar Pradesh circuit.
32. Maharashtra News No. 356	290.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 63-Tardeo Road, Bombay-34.			'News & Current Events'. Release in Maharashtra circuit.
33. Mahiti Chitra No. 341	228.60	Asstt. Director of Information (Films) Govt. of Gujarat, Bombay.	Director of Information Govt. of Gujarat Sachivalaya, Gandhinagar		'News & Current Events'. Release in Gujarat circuit.
34. Anubhav	302.96	Durga Khone Productions, India House, First Floor, Opp : GPO Bombay-1.			Documentary General Release.
35. On to Space	290.00	Films Division, (Govt. of India) Bombay			Documentary General Release.
36. Our Senior Citizens	290.00		-do-		-do-
37. Indian News Review No. 1689 (National)	222.00		-do-		News & Current Events. General Release.
38. Indian News Review No. 1689. (Eastern)	287.00		-do-		News & Current Events. Release in Eastern circuit.
39. Who is wiser?	231.00		-do-		Documentary Release in rural areas.
40. Indian News Review No. 1690 (National)	261.00		-do-		News & Current Events. General Release.
41. Indian News Review No. 1690 (Southern)	302.00		-do-		News & Current Events. Release in Southern circuits.
42. Dehydration*	223.00		-do-		Documentary General Release.
43. Madhya Pradesh Samachar Darshan No. 27	276.80	Assistant Director Information & Publicity, Govt. of MP	Dir. of Information & Publicity, Govt. of M.P.		News & Current Events (Release in Madhya Pradesh circuit)
44. Madhya Pradesh Samachar Darshan No. 28	280.15 (1)	-do-	-do-		-do-
45. Maharashtra News No. 357	271.00 (1)	Dt. General of In. & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.	Dt. General of Inf. & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		News & Current Events (Release in Maharashtra circuits.)
46. Kishan and the Magic Chariot '(Colour)	372.00 (2)	Centre for Educational Technology (NCERT) Sri Aurobindo Ashram & Marg, New Delhi-16.			Documentary Central Release.
47. Kalighat Paintings (colour)	448.00 (2)	Shankar Gosh, P86/D. New CIT Road, Calcutta-700014.			Documentary General Release.
48. Samsya Shantithi Ukella	243.84	Assistant Director of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd, 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.			Documentary Release in Gujarat Circuit.
49. Indian News Review No. 1691 (National)	237.00 (1)	Films Division, Govt. of India, 24-Paidar Road, Bombay-26.			News & Current Events (General Release)
50. Indian News Review No. 1691 (Western)	299.00 (1)	-do-			News & Current Events (Release in Western Circuit.)

*Reference meeting held on 24-2-1981. The direction of the Board has since been carried out by the applicant.

1	2	3	4	5	6
51. Mahiti Chitra No. 342	243.84	Asstt. Dir. of Information(F) Govt. of Gujarat, Bombay-18.	Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Gandhinagar.	News & Current Events Release in Gujarat Circuits.	
52. Bitter yet true	84.75	Films Division (Govt. of India) Bombay.		Documentary General Release.	
53. The Vanishing Marionettes	474.00	Silpabharati Publicity, Flat 21, Rock Dale, St. Sabastian Road, Bandra, Bombay-50.	Ranabir Ray, Flat 21, Rock Dale, St. Sabastian Road, Bandra, Bombay.	Documentary General Release.	
54. Indian News Review No. 1692 (National)	195.00	Films Division (Govt. of India), Bombay.		News & Current Events General Release.	
55. Indian News Review No. 1692 (Northern)	277.00		-do-	News & Current Events Release in Northern Circuits.	
56. Region of Harmony	402.92	Santi P. Chowdhury, C/o. Datta Patilkar, 611, Mayur, S.V. Patel road, Borivli West, Bombay-92		Documentary General Release.	
57. The four Minutes	487.375	Films Division, (Govt. of India), Bombay.		Documentary General Release.	
58. You are not Handicapped	284.41	M/s. Chitrakalpa Productions, 145/1, Old China Bazar St. Calcutta-1.		Documentary General Release.	
59. Weather	258.00	Films Division, (Govt. of India) Bombay.		Documentary General Release.	
60. Golconda	304.00	G.L. Bhardwaj, Bhardwaj Films, B-46/432, Gandhi Nagar, Bandra (East), Bombay-51.		Documentary General Release.	

[File No. 315/1/80-80-F(P)]
KASHMIRI LAL, Desk Officer.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 12 मई, 1981

क्रा० अ० 1585.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार निगम, 1950 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक के ने आटिंगोल टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-6-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-11/81-पी एच बी०]

आर०सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक
(पी०एच०बी०)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P&T Board)

New Delhi, the 12th May, 1981

S.O. 1585.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-6-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Attingol Telephone Exchange, Kerala Circle.

[No. 5-11/81-PHB]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

अम मंत्रालय

आवेश

नई दिल्ली, तारीख 30 मार्च 1981

क्रा० अ० 1586.—इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट एक औद्योगिक विवाद श्री जी० गदाशिव रेड्डी, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के समक्ष लंबित है ;

और श्री जी० सदाशिव रेड्डी को सेवाएं अब उपलब्ध नहीं हैं ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ख की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 7क द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए औद्योगिक अधिकरण का गठन करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० श्री निवास राव होंगे और उनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद के संबंध में उक्त श्री जी० सदाशिव रेड्डी पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद, के समक्ष लंबित कार्यवाहियों को वापस लेती है और उन्हें श्री एम० श्री निवास राव, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद को इस निदेशा के साथ अंतरित करती है कि उक्त अधिकरण कार्यवाहियों को उसी, प्रक्रम से आगे बढ़ाएगा जिस पर वे उसे अंतरित की गई हैं और उन्हें विधि के अनुसार निपटाएगा।

अनुसूची

नाम और आवेश की तारीख पक्षधारों के नाम

अम मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली का आवेश सं० एल-28011/4/79 डी-III (बी) तारीख 16 अक्तूबर, 1979 श्री कल्याण राम अश्वक कम्पनी, गुर्र का कर्मकार और प्रबंध-मंडल

[सं० एल-28011/4/79-डी०IIIख]

के० के० हांडा, अवसर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 30th March, 1981

S.O. 1586—Whereas, the Industrial Dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri G. Sadasive Reddy, the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad;

And, whereas, the services of Shri G. Sadasive Reddy are no longer available,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with sub-section (1) of the Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri M. Srinivasa Rao with Headquarters at Hyderabad and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri G. Sadasive Reddy, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad, and transfers the same to Shri M. Srinivasa Rao, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law

SCHEDULE

Name and date of the Order

Order No L-28011/4/79 D III(B) dated 16th October, 1979 from Ministry of Labour, Government of India, New Delhi

Name of the parties

Workmen and the management of Sri Kalyanarama Mica Company, Gudur

[No L 28011/4/79-D III(B)]

K K HANDA, Under Secy.

अदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च 1981

का० आ० 1587—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में छावनी बोर्ड, सिकन्दराबाद के प्रबन्धमण्डल से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० नोन्नादरी राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

अनुसूची

1 “क्या नियोजक, छावनी बोर्ड सिकन्दराबाद की निम्नलिखित छ कर्मचारियों को उनके सामने दिखाई गई तारीख से छटनी करने की कार्यवाही विधिपूर्ण और न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?”

क्रम संख्यांक	नाम	पद नाम	पूर्व स्थापन की तारीख
1	श्री एम०सी०पार्थसारथी	इंजीनियर	28-10-76
2	श्री एम० ए० हनीफ	नक्शानवीस	30-9-76
3	श्री एफ० थोमस	ड्राइवर	28-10-76
4	श्री जी० पापिश	फायरमैन	28-10-76
5	श्री आनन्द राय	फायरमैन	30-6-76
6	श्री नाग भुषणम	फायरमैन	1-8-76

2 क्या नियोजक छावनी बोर्ड सिकन्दराबाद, को सर्वश्री एम० सी० पार्थसारथी इंजीनियर, एम० ए० हनीफ, नक्शानवीस आर० थोमस ड्राइवर जी० पापिश, फायरमैन, आनन्द राय, फायरमैन नग भुषणम, फायरमैन को उपदान का सर्वय न करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?

[स० एल-13011(1)/78-डी-2(बी)]

एम० एम० भाल्ला, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1981

S.O. 1587—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Cantonment Board, Secunderabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed,

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri V. Neeladri Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal

SCHEDULE

1 “Whether the action of the employer, Cantonment Board, Secunderabad in retrenching the following six workmen on the dates shown against each, is lawful and justified? If not, to what relief are the workmen entitled?”

Sl No	Name	Designation	Date of Re-instatement
1.	Shri M.C. Parthasarthy	Engineer	28-10-76
2.	Shri M A Haneef	Draftsman	30-9-76
3.	Shri F Thomas	Driver	28-10-76
4.	Shri G Papish	Fireman	28-10-76
5.	Shri Anand Rao	Fireman	30-6-76
6.	Shri Nagabhushanam	Fireman	1-8-76

2 “Whether the action of the employer, Cantonment Board, Secunderabad of not paying gratuity to S/Shri M C Parthasarthy, Engineer, M A. Haneef, Draftsman, R. Thomas, Driver, G Papish, Fireman, Anand Rao, Fireman, Nagabhushanam, Fireman is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?”

[No L-13011(1)/78-D. II B]

S.S. BHALLA, Desk Officer

New Delhi, the 8th May, 1981

S.O. 1588—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAN DANIEL, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS.

(Constituted by the Government of India)

Friday, the 24th day of April, 1981

Industrial Dispute No. 17 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Madras-1.)

BETWEEN

The workmen represented by The General Secretary, Madras Port and Dock Workers Anna Progressive Union, No. 122, Moore Street, Madras-600-001.

AND

The Joint Manager (Port Operations), Food Corporation of India, Esplanade, Chennai House, Madras-600 001.

REFERENCE :

Order No. L-42012(53)/80-D.II.B, dated 17-2-1981 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference, claim statement and all other connected papers on record and upon hearing of Thiruvalargal R. Ganesan, P. Gunaraj and S. Sathiamurthi, Advocates for the workmen and the Management being absent, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Madras referred to this Tribunal for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-42012(53)/80-D.II.B, dated 17th February, 1981 of the Ministry of Labour, in respect of the following issue :

Whether the action of the Joint Manager (Port Operations) Food Corporation of India, Madras, in not giving re-employment to S/Shri R. Ramachandran and A. V. Dhakshinamoorthy, Vacuators, for their absence from November, 1977 to October, 1978 and from February, 1978 to November, 1978 respectively is justified? If not to what relief the workmen are entitled?

(2) Summons were served on the parties.

(3) Petitioner-Union, Madras Port and Dock Workers Anna Progressive Union, Madras-1 through its counsel filed claim statement on 6-4-1981 praying to pass an award holding that the action of the Management in not giving re-employment to the two workers Thiruvalargal R. Ramachandran and A. V. Dhakshinamoorthy, Vacuators for their absence is not justified and to direct the Management to take them back to service with back wages.

(4) The Management, Food Corporation of India (Port Operations), Esplanade, Chennai House, Madras-1 did not appear before this Tribunal throughout and did not avail the opportunities to make their representation and file counter statement to the claim of the workmen. Many adjournments were granted by this Tribunal suo moto to enable the Corporation for making their representations, but they did not choose to do.

(5) Today also nobody on behalf of the Management was present and no representation was made. No counter statement was filed or received.

(6) In the circumstances, an Award is passed holding that the action of the Food Corporation of India in not giving re-employment to the two workers, viz., Thiruvalargal R. Ramachandran and A. V. Dhakshinamoorthy, Vacuators for

their absence is not justified and consequently the Food Corporation of India is directed to take them back to service with back wages.

No costs.

Dated, this 24th day of April, 1981.

Sd./-

T. SUDARSANA DANIEL,
Presiding Officer.

[No. L-42012(53)/80-D.II.B]

S. S. BHALLA, Desk Officer.

Note.—Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of publication of this Award.

ps/

STAMP (herewith)
TRUE COPY/FORWARDED

(By order)

(Signatures)

Head Ministerial Officer,
Industrial Tribunal,
Madras.

नई दिल्ली, 5 मई 1981

का० अ० 1589—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 11 के उपविनियम (1), (2) और (3) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० अ० 786 सारीख 1 मार्च, 1978 को अधिकृत करते हुए, खान परीक्षा बोर्ड गठित करती है, जिसके अध्यक्ष मुख्य निरीक्षक होंगे और निम्नलिखित व्यक्तियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए उस बोर्ड के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् —

1. मुख्य खान निरीक्षक (पदेन) — अध्यक्ष
2. श्री बी० आर० प्रसाद, निदेशक (तकतीकी), भारत कोफिंग कोल लिमिटेड, कोयला भवन, कोयला नगर, धनबाद (बिहार) — सदस्य
3. श्री एच० पी० सिंह, निदेशक, सेट्टल कोलफील्ड्स लिमिटेड, बरभंगा हाउस, रांची — सदस्य
4. प्रोफेसर ए० के० घोष, कोयला खान प्राचार्य, भारतीय खान विद्यालय, धनबाद (बिहार) — सदस्य
5. श्री एम० आर० साठे, महा प्रबन्धक, मिगरेली कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, डाकघर रामगुन्वम, आन्ध्र प्रदेश । — सदस्य
6. डा० बी० सिंह, कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय खन अनुसंधान केन्द्र, धनबाद (बिहार) — सदस्य

[संख्या बी०-23012/1/81-एम-1]

जे० के० जैन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 5th May, 1981

S.O. 1589.—In exercise of the powers conferred by sub-regulations (1), (2), and (3) of regulation 11 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Central Government hereby constitutes

the Board of Mining Examinations, in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 786 dated the 1st March, 1978, with the Chief Inspector of Mines as its Chairman and appoints the following persons as members of that Board for a period of three years namely:—

1. Chief Inspector of Mines (ex-officio)	Chairman
2. Shri B.R. Prasad, Director (Technical), Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Koyla Nagar, Dhanbad (Bihar)	Member
3. Shri H.P. Singh, Director, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi.	
4. Prof. A.K. Ghose, Professor of Coal Mining, Indian School of Mines, Dhanbad (Bihar).	
5. Shri M.R. Sathye, General Manager, Singareni Collieries Company, Limited, P.O. Ramagundam, Andhra Pradesh	
6. Dr. B. Singh, Acting Director, Central Mining Research Station, Dhanbad (Bihar).	

[No. V-23012/1/81-MI]

S.O. 1590.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-4-81.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/48 of 1980

PARTIES :

Employers in Relation to the Management of Bank of Maharashtra, Nagpur.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—Shri A. S. Pote, Law Officer.

For the Workmen—1. Shri D. S. Buche, President, 2. Shri M. Khanolkar, Dy General Secretary, Bank of Maharashtra Employees' Association. 3. Shri S. Y. Marathe, (One of the workmen in person).

INDUSTRY : Bank

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 20th April, 1981

AWARD

The Government of India, in the Ministry of labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication as per their order No. L-12011/60/79-D.IIA. dated 10-10-1980 :—

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Nagpur in denying promotion, to S/Shri

S. Y. Marathe, and D. D. Dhagamwar as Junior Officers, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?”

The General Secretary of the Bank of Maharashtra Employees' Association has filed a statement of claim on behalf of the two workmen herein stating that they (workmen) joined service of the Bank as clerks more than three years back. Being Graduates they were eligible to appear for the competitive examination held for promotion to junior officers. The first examination was held on 19-2-1978 to fill in 150 vacancies out of which 34 were reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes. There were only 10 candidates from the Scheduled Castes and Scheduled Tribes who qualified at the written test. Out of them only four were found suitable for selection. Thus 30 vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes could not be filled up. The management instead of following the instructions of the Government of India contained in the circular dated 20-3-1978 filled up these 30 reserved vacancies from out of the general list. Instead of 116 candidates, 146 were promoted from the General candidates. Another examination for filling up another 150 vacancies of junior officers was held in December, 1978. The management carried forward the 30 vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the February selection for being filled in December, 1978 selection thereby reducing the number of vacancies available for open competition to 86 and enlarging those reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes to 64 (34 reserved quota for the December examination and 30 carried forward). The two workmen herein who appeared for this December test secured 98th and 112th ranks. Since the vacancies for the open competition were restricted to 86 they stood no chance. If the 30 vacancies had not been carried forward they would have been eligible for selection, the number of vacancies open for the general candidates being 116. The Union contends that the action of the Bank in filling in the 30 vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes with general candidates being in contravention with the instructions issued by the Government of India, the management may be directed to promote them to the post of Junior Officers with effect from March, 1979. They also pray that the promotion of the 30 general candidates against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes be set aside.

The Bank in its written statement submits that on 8-12-1978 they notified by means of a circular that a competitive examination among the eligible clerical staff would be held to fill in by promotion 150 posts of Junior Officers, out of which 64 were reserved for Scheduled castes and Scheduled Tribes and 86 only for the general candidates. The workmen herein having appeared for that test without any protest they should be estopped from challenging the allocation of vacancies between Scheduled Castes and Scheduled Tribes and others. The management further submits that as per the business plan laid down for 1978 their need for posts of Junior Officers was estimated at 300. It is not necessary to fill up all these posts at one time. In accordance with the progressive need of the Bank for the year 1978 it was decided to hold promotion tests once in February, 1978 for 150 vacancies and another test in December 1978 for the remaining 150 vacancies. As per the Government instructions the total vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes from out of the 300 vacancies would be 68 (15 per cent Scheduled Castes and 74 per cent Scheduled Tribes). The remaining 232 vacancies were for General Candidates. The first test was held in February 1978. After publication of the result of that test it was found that only four candidates belonging to the Scheduled Castes and Tribes were selected. It was decided to promote the four Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates and fill up the remaining vacancies from out of the general candidates. It was also decided that in case sufficient number of Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates were not available even in the subsequent test the unfilled vacancies should be carried forward to the next year. At the second test held in December, 1978 only 14 candidates from the Scheduled Caste and Scheduled Tribe were found suitable. They carried forward the unfilled 30 vacancies for the next year. It is further submitted that the workmen herein can have no cause for complaint against the manner in which the reserved vacancies were filled up in the selection made in February 1978 because they had also appeared for that test but were not selected. (Shri Marathe 236, Dhagamwar 209). The Bank further submits that the promotion policy followed by the management is entirely within its discretion and cannot be questioned by the workmen herein especially when there was no charge of discrimination.

On the above pleadings the issues that arise for consideration are :—

- (i) Whether the Bank committed any irregularity in selecting candidates from general list to fill in the 30 vacancies of Junior Officers reserved for SC and ST candidates at the test held in February, 1978 ?
- (ii) If so whether any prejudice is caused to the workmen herein at the subsequent test held in December, 1978 ?
- (iii) To what relief ?

Points i & ii :

Both the parties have not chosen to adduce any oral evidence. The facts are not in dispute. The two workmen M/s. S. Y. Marathe and D. D. Dhagamwar are Graduates working in the Bank of Maharashtra as Clerks. After completion of three years of service by 1978 they became eligible to appear for the test held for promotion to the post of Junior Officers. In February 1978 (150) vacancies of Junior Officers were notified and test was held on 19-2-1978. According to the statutory requirement 34 vacancies were to be reserved for Scheduled Caste and Scheduled Tribes. There were only 116 vacancies for the general candidates. After the results were announced it was found that only four candidates belonging to reserved communities were found suitable for selection. The Bank instead of restricting promotion to 116 candidates from the general list proceeded to fill in the 30 unfilled reserved vacancies also from the general list. The result was 146 candidates were promoted from the general list and only four from the reserved list. A further test was held in December, 1978 to fill in another 150 vacancies. Normal quota from out of this 150 vacancies for SC and ST should be 34.30 posts were carried forward from the earlier test held in February, 1978. Thus there were 64 reserved vacancies as against 86 vacancies for other candidates. The workman Shri S. Y. Marathe who appeared for the December test secured 98th rank and Dhagamwar 112th rank. Since only 86 vacancies were thrown open for competition for other candidates the workmen did not get selected. At this test 86 candidates from the general list were promoted and 14 candidates from the SC and ST. The remaining 50 reserved vacancies, it is said, were carried forward to be filled up next year.

The case of the workmen is that by filling up the 30 vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes by general candidates at the test held in February, 1978 the quota available for general candidates at the December test was reduced to 86. They say that in doing so the Bank has contravened the directions issued by the Government of India in this regard, as per its circular letter dated 30-3-1978 to the effect.

"To fulfil the reserved quota for SC/ST and the backlog, the reserved vacancies should not be filled up from general candidates"

If this irregularity had not been committed there would have been 116 vacancies for general candidates and the workmen having secured 98th and 112th ranks would have been promoted as Junior Officers. The case of the management is that according to their business plan for the year 1978 there were to be 300 vacancies of Junior Officers. All these vacancies need not be filled in at one time. As per statutory requirement 68 vacancies from out of these were to be set apart for SC and ST. In February, 1978 they held a test to select 150 Junior Officers from clerical grade and to fill in the remaining vacancies they held another test in December, 1978. They state that the number of vacancies that are to be set apart for the reserved communities could be adjusted during the course of the year. That is to say if the requisite number of 34 reserved candidates were not available at the February test they could fill in those reserved vacancies with the general candidates and make up the deficiency out of the remaining vacancies to be filled in December 1978. Thus in February, 1978 out of 34 reserved vacancies they could find only four suitable candidates. The remaining 30 vacancies were filled up by general candidates. As a result of this instead of 116, 146 general candidates were promoted. The remaining 30 vacancies meant for SC and ST at the test held in February were carried forward to December 1978. They say that they were well within their right to so adjust the reserved vacancies. This being a managerial function the workmen cannot question the same. The other contention of the management is that at the time the vacancies were notified in December the candidates were specially told that only 85 vacancies would be available for general candi-

dates and that 64 would be available for reserved candidates. The workmen herein having appeared for the test subject to the aforesaid terms they cannot be allowed to question the number of vacancies allotted to general candidates.

Regarding the first objection it is argued on behalf of the Union that the contention of the Bank that according to business policy of 1978 they proposed to promote 300 clerks to the post of Junior Officers is an afterthought. They called upon the Bank to file their business policy statement in support of this contention but the Bank has failed to do so. The management's case is that as per the business policy for 1978 they provided for 300 new posts of Junior Officers which are to be filled in by promotion from the clerical staff. From out of that 68 vacancies are to be reserved for SC and ST. The remaining 232 posts were to be filled in by general candidates through open competition. They seem to suggest that the management has a right to promote the general candidates against reserved quota if sufficient number of suitable candidates are not forthcoming, so long as they maintain the overall proportion of 232 vacancies for general candidates and 68 for the reserve candidates. In this case as already stated that at the selection held in February 1978 (30) vacancies meant for SC/ST candidates were filled in by general candidates as sufficient number of suitable candidates from the reserved communities was not available. This action of theirs they tried to regularise by carrying forward these 30 vacancies to the next selection to be held in December, 1978. This plea would have been plausible if all the 300 vacancies were filled in during the same year 1978. In this case the selection for the second batch of 150 candidates was made in March, 1979 though the examination was held in December, 1978. From the Brochure on Reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in Services, third edition, 1972, page 25 the following passage may be noticed :—

"Recruitment year" shall mean a 'calendar year' and for purposes of the three years limit for carry forward of reserved vacancies shall mean the year in which the recruitment is actually made."

In the light of the above rule the management's contention cannot be accepted. Further the action of the Bank in filling in the 30 reserved vacancies from the general list is against the instructions of the Government of India dated 20-3-1978, extracted above. The contention that the workmen should be estopped from questioning the management's action in throwing only 86 vacancies open for the general candidates cannot also be accepted. When the management has failed to follow the correct procedure in the matter of filling in reserved vacancies it is certainly open to the affected workmen to question the same, even after appearing for the test. In the present case the workmen are also seriously prejudiced by the Bank's action in promoting 30 general candidates against reserved vacancies and trying to set the matter right by restricting the quota of the general candidates by a similar number at the second test, to make up this deficiency. But for this attempt to regularise the procedure the two workmen would have been eligible for promotion in March, 1979, they having secured 98th and 112th rank in the December, 1978 examination.

Points (i) and (ii) held against the management.

Point (iii) :

In the selection held in March, 1980 the workman Shri Dhagamwar was successful and the other workman is said to be still working as a Clerk. The prayer of the workmen that the promotion of the 30 general candidates against vacancies reserved for the SC and ST candidates in the year 1978 March should be set aside in view of this irregularity committed by the Bank cannot be granted as it will unsettle the promotions already made during the subsequent years. Further they are not made parties to this reference.

The Bank is directed to promote the two workmen herein to the post of Junior Officers with effect from March, 1979 on the basis of 1978 December examination results. However, the workmen will not be entitled to any monetary benefit with retrospective effect. They can count this period from March 1979 for the purpose of seniority and drawal of future increments.

In the result this reference is answered as follows :

The action of the management in denying promotion to M/s Marathe and Dhagamwar, the concerned workmen is not justified. The Bank is directed to promote them as Junior Officers with effect from March, 1979 subject to the direction given above.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L. 12011/60/79-D II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 5th May, 1981

S.O. 1591.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1981.

BEFORE SHRI J. P. SINGH, PRESIDING OFFICER, THE
CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2)
DHANBAD.

Reference No. 31 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the
I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Muraidih
colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited,
Post office Nawagarh, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.
On behalf of the workman : None
STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, 20th April, 1981

AWARD

This is a reference under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-20012/23/79-D.III(A) dated 24th May, 1979 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Muraidih colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Nawagarh, District Dhanbad for regularising the services of Shri Jeetendra Singh in Clerical Grade-II with effect from the 4th December, 1976 is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

2. The concerned workman Shri Jeetendra Singh happened to be a munshi working in the mine of Muraidih colliery. By order dated 4-12-76 he was transferred from the mine to work in the office of the colliery. He worked as a store issue clerk in clerical grade III as provided in the Coal Wage Board recommendation. The grievance of the concerned workman is that on his transfer to the office he was required to work on jobs of clerical grade II, but he has been simply paid the wages of grade III. The case of the management

is that according to the policy of the management opportunities for promotion are always opened for a workman, and it was under this policy that the concerned workman was transferred from the mine to the office. He was required to obtain a fair knowledge of the office work under the office superintendent and was placed in the store section in clerical grade III. He was paid accordingly. It was denied that the jobs of clerical grade II was taken from him.

3. The management has examined MW-1, Shri Om Prakash Joshi Personnel Officer of Muraidih colliery. He knows the concerned workman Shri Jeetendra Singh who was working as munshi in clerical grade III before 4-12-76. He was posted in the office as grade III clerk under the office superintendent. After working for a few months in the office, he was deputed in the store as store issue clerk in clerical grade III. His evidence is that there are 3 clerks in the store,—one is store keeper grade I, one is a store keeper, grade II and three store issue clerks. Gr. III. The witness has said that the concerned workman Shri Jeetendra Singh was placed as a store issue clerk in Gr. III. He has further said that writing of ledger books and other accounts is the duty of the store keeper, Gr. I and Gr. II. The duty of store issue clerk is to issue materials on slips. On behalf of the concerned workman there was no cross-examination of this witness. The concerned workman has not examined himself as a witness in order to adduce any evidence to controvert the evidence of MW-1. On behalf of the management it has been argued that the concerned workman is virtually asking for promotion from the time of his posting in the office. According to the management he was not sent to the office on the basis of any promotion, but was sent there in order to pick up office work and to earn promotion in due course. It has been contended on behalf of the management that during the pendency of this reference the concerned workman has been promoted to clerical grade II. In fact on behalf of the workmen two documents have been filed. One of them is office order dated 10-4-80 under which the concerned workman Shri Jeetendra Singh has been promoted to the post of Asstt. store keeper in grade II. This promotion was made on the recommendation of Departmental Promotion Committee. The other document is a letter written by Shri Jeetendra Singh to the management on 26-5-80. According to this letter the concerned workman has admitted that he is already working as grade II clerk without any prejudice to his case pending before the Central Govt. Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad. The position now is that in due course during the pendency of this reference the concerned workman has been promoted to the post of grade II clerk in 1980. This shows that in 1976 when the concerned workman was posted in the office, he was in clerical grade III. There is nothing to indicate that the concerned workman was doing the job of clerical Gr. II on his transfer to the office.

4. Thus, having considered the matter involved in this reference I have to hold that the demand of the workmen of Muraidih colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Nawagarh, District Dhanbad for regularising the services of Shri Jeetendra Singh in Clerical Grade-II with effect from the 4th December, 1976 is not justified. Consequently, the workman is not entitled to any relief.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer,

[No. L-20012/23/79-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 8th May, 1981

S.O. 1592.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kustore Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, At and Post Office Kustore, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

Reference No. 37 of 1980

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the
Industrial Disputes Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kustore
Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, At
and Post Office Kustore, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice B. K. Ray (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workman : Shri N. Nag, President,
Akhil Bhartiya Sheshit
Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 29th April, 1981

AWARD

By Order No. L-20012/170/80-D, III(A) dated the 4th December, 1980 the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the employers in relation to the management of Kustore Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen in respect of the matter specified in the schedule attached to the order, referred the said disputed to this Tribunal for adjudication. The schedule to the order reads thus:

"Whether the action of the management of Kustore Colliery, Messrs Bharat Coking Coal Limited, At and Post Office Kustore, District Dhanbad in superannuating Shri S. N. Chakravarty, Store Keeper with effect from the 1st January, 1980 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. After notice to the parties they have filed their respective written statement and rejoinders. The case of the union is that the management of Kustore Colliery Regional Store untimely stopped the concerned workman Sri S. N. Chakravarty from work with effect from 1-1-80 although he was due to retire from service with effect from 30-12-84. Sri Choudhury although submitted a certificate from a competent doctor in support of his claim of age. The same was not accepted and the management retired the concerned workman from service with effect from the date mentioned above. It is further alleged by the union that although management referred the cases of S/Shri Baijnath Noshia, Rafique Mia, Ram Nehora Singh and Mangru Sukul to medical board for assessment of their real age for retirement the case of the concerned workman was not referred to any medical board and he was retired from service as stated above.

3. The case of the management is as follows. The concerned workman was working as Store keeper of the Regional Store at Kustore at the time of his superannuation with effect from 1-1-1980. The date of birth as recorded in C.M.P.F. record was 1-7-1919. The Form B Register had been written by the concerned workman while he was working in the establishment section. While writing the form B Register the concerned workman manipulated the record so far as his date of birth was concerned and changed the date of birth as per form B Register from 1-7-1919 to 31-12-1919. As per the entry made by him in Form B Register the concerned workman having completed his 60th year by 31-12-79 he was retired on 1-1-1980. Form B Register being a statutory document provided under Sec. 48 of the Mines Act it was the responsibility of the concerned workman who wrote the different entries in the said register including the entry relating to himself to give correct dates of birth.

The management without knowing the manipulation made by the concerned workman in Form B Register accepted the entry relating to workman's date of birth as correct. The concerned workman after making entry regarding his age in the Form B Register also signed the said entry in token of his acceptance of correctness of the entries made therein. The C.M.P.F. in which the date of birth of the concerned workman was recorded as 1-7-1919 was prepared and maintained by the then management of the colliery in question before take over of the colliery by the present management on 17-10-71 when the concerned workman qualified himself for becoming a member of CMPF. The concerned workman although was given notice that he would be retired on 1-1-80 by the management he did not raise any objection saying that date of birth as recorded in Form B Register was incorrect and that he should be sent to the Medical Board for determination of his age. The concerned workman after receipt of the notice for superannuation did not produce either his Matriculation Certificate or any other document in support of his stand that date of birth as recorded in Form B Register was incorrect. It is only where there is no entry regarding the age of any workman in any document his age is determined with reference to documents produced by the workman himself and if necessary on the basis of age determined by a Medical Board. Since in the case of the concerned workman there was no doubt regarding the correctness of the entry giving his age in Form B Register and since no representation was made by the concerned workman challenging the correctness of entry in Form B Register and no other document was produced by him to show that he would not complete his 60th year on 31-12-79 the management had no other option but to retire him on the basis of the entry in Form B Register. In the circumstances stated above there was no necessity for the management to send the concerned workman to a Medical Board for correct ascertainment of his age. For these reasons it is said that the claim of the concerned workman is not justified.

4. At the time of hearing the management has examined one witness the Asstt. Material Manager of the Company and the union has examined only the concerned workman. Besides the aforesaid oral evidence the management has relied upon Form B Register Ext. M-1. Identity Card Register Ext. M-2 and Provident Fund Ledger Card Ext. W-3. On behalf of the union only one document is relied upon, namely, the original medical certificate Ext. W-4.

5. It is the admitted case of the parties that the workman concerned in the present case is to retire on completion of his 60th year. In the present case according to management as the workman was to complete 60th year on 31-12-79 a notice was served upon him saying that he was to retire from 1-1-80. It is the case of the management that after this notice no representation was made by the concerned workman challenging the correctness of the management's stand that he (workman) was to complete his 60th year on 31-12-79. WW-1 the workman himself although asserts in his evidence that he made oral written representations to the management on receipt of notice for superannuation, no copy of the written representation has been filed nor any attempt has been made to call for the original representations alleged to have been filed before the management. The oral assertion of the workman concerned is an uncorroborated testimony which is very difficult to accept without any support from an independent source. MW-1 management's witness emphatically denies the fact and says that there was no representation by the concerned workman as claimed by him after he received notice for superannuation. There is no reason why M.W. 1 a responsible officer of the company would support a false case of the management when nothing is even suggested against the witness. So I have no doubt in my mind that the case of the workman that he made representations to the management after receipt of notice of superannuation is not true. The management as has been stated earlier has filed C.M.P.F. ledger of the concerned workman. This ledger was maintained by the previous management before the present management took over the colliery in 1971. In course of examination of the concerned workman before the Tribunal he admitted that the entries made in the C.M.P.F. ledger relating to him are all correct. So on his admission this

document has been marked as Ext. W-3. In this document the date of birth of the concerned workman has been given as 1-7-1919. MW-1 has asserted that at the time of take over Ext. W-3 was handed over to the present management which maintained it in its office till it was produced before the Tribunal. In view of the admission of the concerned workman and in view of the evidence of MW-1 regarding Ext. W-3 the said document must be held to be genuine and the entries therein must be held to be correct. It that be so the date of birth of concerned workman is to be taken as 1-7-1919. It is the case of the management that after it took over from the previous management the colliery in question it prepared its own Form B Register Ext. M-1. According to evidence of MW-1 the entries in this register have been made in the handwriting of the concerned workman who was then working in the establishment section. The witness says that he is acquainted with the handwriting and the signature of the concerned workman and he recognises the handwriting of the concerned workman and his signature and initial in the Form B Register. In this Register at page 1 in serial no. 2, the name of the concerned workman appears. In col. 4 in that page which is meant to give the age of the workman the age of the workman has been mentioned to be 57. True the number 57 has been written twice against serial no. 2 but by the side of this there appears to be the initial which MW-1 has proved to be that of the concerned workman. In col. 10 of the same page against serial no. 2 which relates to the concerned workman the date of birth has been given to be 31-12-19. Just below 31-12-19 in the same place has been written 1919. Just above 31-12-19 the same date has been repeated. The entry in serial no. 2 in page 1 of Form B Register Ext. M-1 has been signed by the concerned workman himself. The signature of the concerned workman is admitted to be his and was marked as Ext. W-1. True the concerned workman in his evidence denies to have written the different entries in Ext. W-1 including the entries relating to him. So far as the initials of the concerned workman is concerned in Col. 4 as referred to above the workman does not deny them to be his, but only says that he cannot recognise the initials to be his. When asked as to how he put his signature against entry in sl. no. 2 at page 1 of Ext. M-1 the only answer given by the workman is that he signed as asked by the Time Keeper without examining if the various entries made in respect of him in the eestee were correct. The workman does not say that the various entries were not there when he signed. On the other hand his evidence goes to show that he signed when there were entries. In that case it is very difficult to accept the evidence of concerned workman that he signed in Form B Register against the entry relating to him without ascertaining if entries were correct or not. Therefore even accepting the workman's testimony that the entries in Form B Register are not his own handwriting still then it must be held that he put his signature against the entry relating to him in Form B Register knowing the contents of the entries. The only inference therefore is that at the time when the workman put his signature he did not challenge the correctness of the entry because it was correct in all respects. Further it appears that the date of birth in Form B Register has been advanced to 31-12-1919 from 1-7-1919 as mentioned in C.M.P.F. Card Ext. W-3. Therefore the entry in Form B Register is an improvement over the entry in C.M.P.F. Card Ext. W-3, to the advantage of the concerned workman. So the contention of the management that the concerned workman himself made the entry relating to him in the Form B Register and while doing so he advanced his date of birth by about 5 months cannot be thrown out as baseless and without any substance. The management has retired the concerned workman not on the basis of date of birth as given in C.M.P.F. Ledger Card Ext. W-3 but on the basis of date of birth as given in Form B Register Ext. M-1. The next document relied upon by the management is Ext. M-2 Identity Card Register. At page 2 of this register against entry No. 16 the name of the concerned workman appears. In Col. 7 of the entry the year of birth of the concerned workman has been given to be 1919. The entry also bears the admitted signature of the concerned workman Ext. W-2 MW-1 in his evidence says that the entries in this register Ext. M-2 are in the handwriting of the concerned workman which he denies.

In Col. 7 where the year of birth has been mentioned as 1919 there appears to be some correction. This correction has been initialled. Similarly in Col. 8 where date of employment of the concerned workman has been given it has been written January 1950. In this col. also at the place where it has been written January 1950 there is some correction which has been initialled. When the workman is asked in course of the examination about the initials in cols. 7 and 8 he answers in an evasive way by saying that he cannot recognise them to be his. On the otherhand MW-1 management's witness who claims to be acquainted with handwriting and signature of the concerned workman says that the initials appearing in cols. 7 and 8 are of the concerned workman. It now appears that the year of birth of the concerned workman has been mentioned in Exts. W-3, M-1 and M-2 as 1919. When the workman is questioned as to how he signed entry relating to him in the Identity Card Register his stock answer is that he put his signature without ascertaining the correctness of the entries. This is very difficult to swallow. The concerned workman is a matriculate and being in service for a long period he must be presumed to know the importance of the entries made in Form B Register which is statutory one as well as of the entries in Identity Card Register. That being the position his testimony that he blindly signed the entries in two registers without knowing what they contained cannot be accepted. All these three documents, namely, Exts. W-3, M-1 and M-2 establish beyond doubt that the year of birth of the concerned workman is 1919 even though in some document it is July 1919 and in some other documents it is December 1919. The management has retired the concerned workman with effect from 1-1-1980. So the little discrepancy in months as appears in Ext. W-3 and Ext. M-1 is of no consequence. The correctness of the entries in the registers is fortified from the conduct of the workman when he did not make any representation to the management when he received notice of retirement. The workman in support of his case produces a medical certificate which is Ext. W-4 and is dated 29-12-79 i.e. 3 days before he was to retire. This certificate reads as follows :

"Examined S. N. Chakraborty aged about 55 years according to his statement. In my opinion it appears to be the same. I noted the following—B. P. 140/80 Mg. HG., Chest clear, Abdomin N.A.D. No diabetes. No deformity of Hoiles. He Hydrocele or Hernia. Eye sight corrected by glasses. No other abnormality. He is physically and mentally fit for strenuous work." On the basis of this certificate the concerned workman claims that he should be taken to be 55 years of age on 29-12-79. It is very difficult to accept the claim of the workman. The certificate only mentions about the B. P. of the workman, about his chest and abdomen. It says that workman does not suffer from deformity. According to the certificate the workman has no hydrocele or hernia and his eye sight has been corrected by glasses. The doctor further opinions in the certificate that the workman does not suffer from any other abnormality and is physically and mentally fit for strenuous work. The certificate does not show that the workman under went any special examination for determination of his age. As appears from the certificate the workman himself stated before the Doctor that he was 55 years of age and that this statement of his was found by the Doctor to be correct. It is well known that without any special examination only from the appearance of a man his actual age cannot be determined. The doctor who examined the concerned workman and granted the certificate appears to have opined regarding the age by merely seeing the concerned workman and not by putting him to any medical test. The other points which have been mentioned in the certificate do not throw any light so far as the age of the concerned workman is concerned. The doctors opinion as mentioned in the certificate that the concerned workman is physically and mentally fit for strenuous work is of no use for determination of the dispute in the present case, the dispute being as to whether on 31-12-79 the workman completed his 60th year. In that view no importance can be attached to the medical certificate Ext. W-4.

5. For the reasons given above while accepting the correctness of the entries made in exhibits M-1, and M-2 I hold that the entries made in these two registers relating to

the concerned workman have been signed by him with full knowledge that the entries are correct and that the workman completed his 60th year on 31-12-79 and was rightly retired with effect from 1-1-80. The reference is answered accordingly. In the circumstances there will be no order for cost.

B. K. RAY, Presiding Officer.

[No. L-20012/170/80 D. III (A)]

A.V.S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 8th May, 1981

S.O. 1593.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government, Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Barora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd May, 1981.

BEFORE SHRI J. P. SINGH, PRESIDING OFFICER THE
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 2, DHANBAD.

Reference No. 28 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d)
of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Barora
colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited,
Post Office Nawagarh, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen Shri S. Bose, Secretary,
Rastriya Colliery Mazdoor Sangh Dhanbad.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, 28th April, 1981.

AWARD

This is a reference under Section 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-20012/50-78-D. III(A) dated 16th May, 1979 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication under the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workman of Barora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Nawagarh, District Dhanbad that the workmen mentioned in Annexure-A should be given revised wages on the basis of the National Coal Wage Agreement of 11th December, 1974 is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled and from which date.

ANNEXURE-A.

1. Shri Baban Mahato.
2. Shri Brahmddeo Nonia.
3. Shri Dhanwa Kamin.
4. Kamesh Belder.
5. Nagesh Belder.
6. Sumitri Kamin.
7. Batasowa Kamin.
8. Lachminiya Kamin.

3. The facts in this case are not in dispute. The concerned workmen are engaged in making of soft coke. The management did not give them the benefit of revised scale according to National Coal Wage Agreement which came into force on 11-4-74. In this reference the question is whether the concerned workmen should get revised wages on the basis of National Coal Wage Agreement of 11-4-1974.

3. The case of the management is that these 8 workmen were not doing the job of stacking of coal. The jobs which they were doing were to cover the bhatta and to quench the same with water. By an agreement dated 17-3-74 they were paid @ 62 paise per ton of soft coke manufacture. What the management intends to say is that National Coal Wage Agreement has defined soft coke mater with the following job :

(1) Stacking of coal.

(2) Covering the bhatta, firing and quenching the same. The work load prescribed was 3.75 tons of Coal-72 cft. If a soft coke maker completes this work he will be entitled to group IV wages, viz., Rs. 11.59 basic with a full back wage of Rs. 10.63. The National Coal Wage Agreement was accepted by the coal industry and came into effect w.e.f. 1-1-75. The concerned workmen declined to carry the stacking part, and therefore they continued to get the wages @ 62 paise per ton for the amount of work done by them, viz. covering the bhatta and quenching the same. According to the concerned workmen they are entitled to the benefit of increase in basic wages as laid down in para 2.5 under the heading "Fitment in the Revised Scale of Pay". According to this provision they are entitled to a minimum of Rs. 104.52.

4. The management has adduced no oral evidence, but has filed 2 documents. Ext. M-1 is a true copy of discussion with the Branch Secretary, Colliery Mazdoor Sangh dated 17-3-74. Ext. M-2 is an extract of Form B register of Barora colliery in which the names of these concerned workmen appear. On behalf of the workmen Ext. M-1 is an admitted document on the basis of which they have been receiving 62 paise per ton of soft coke manufacture. WW. 2 Shri Baban Mahato one of the concerned workman has admitted the position that all the concerned workmen were engaged in setting fire to the bhatta, blanketing the bhatta and quenching the bhatta. By agreement the rate of payment was 62 paise per ton of manufacturing soft coke. It will therefore appear that the facts are admitted and the question is whether they should get the benefit of National Coal Wage Agreement of December, 1974.

5. The Coal Wage Board recommendation of 1967 describes at page 70, Vol. I soft coke maker in group III. In Group IV there is no mention of soft coke maker. The N.C.W.A. at page 11 places soft coke maker in group IV with a work load of 3.75 ton. Stackers have been put in group III. The contention of the management before me is that the job of stacking is included in the process of soft coke making. This does not find support from the National Coal Wage Agreement which appears to bifurcate the job of stacker and the job of soft coke maker. Shri Joshi appearing for the management has submitted before me that even before the N.C.W.A. came into being these concerned workmen who were being paid @ 62 paise per ton and earning much more than in group III. He further tells me that they are still earning much more than what the soft coke maker in group IV is now earning. There is no clear evidence to indicate the amount of earning because Form B register produced before me does not show any payment. But this much is true that the job of stacking of coal continues to be in group III while the job of

soft coke maker has been put in group IV. It is further clear that the job has been bifurcated. Ext. M-1 which is an admitted document under which the concerned workmen have been paid @ 62 paise per ton describes the concerned workmen as soft coke manufacturer. It has been conceded on behalf of the management that soft coke manufacture and soft coke maker are the same. Now since the agreement is the basis for the payment, the management cannot insist that the soft coke maker in group IV of N.C.W.A. should receive a basic wage of Rs. 11.59 per day and the work load of 3.75 ton. I need not say that the agreement between the union and the management is not superseded by the National Coal Wage Agreement, but at the same time certain advantages have been given under the N.C.W.A. which has been provided as follows :

2.5 Fitment in the Revised Scales of Pay.

For the purpose of fitment in the revised scales of pay to the existing total emoluments of employees as on 1-1-1975 (comprising of basic wage, interim wage increase, attendance bonus and V.D.A.) will be added the amount of Rs. 104.52 in the case of monthly rated or Rs. 4.02 in the case of daily rated, and the total so arrived at will be divided into basic, Fixed Dearness Allowances, V.D.A. and Attendance Bonus at the rate of 10 per cent of the basic and an employee will be fitted at the corresponding stage in the revised wage scale.

It means that an amount of Rs. 104.52 in the case of monthly rated or Rs. 4.02 in the case of daily rated has necessarily to be given to each and every worker. This is precisely what the concerned workmen demanded and I do not see why the concerned workmen should not get the advantages of this provision. The only ground placed before me on behalf of the management is that the concerned workmen are already getting much more than what they could have got under the National Coal Wage Agreement. But such a position has not been shown to me on behalf of the management and therefore this plea is not acceptable.

6. Thus, considering all aspects of the case I have to hold that the demand of the workmen of Barora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Nawagarh, District Dhanbad that the workmen mentioned in Annexure-A should be given revised wages on the basis of the National Coal Wage Agreement of 11th December, 1974 is justified. Consequently, all the concerned workmen mentioned in the schedule are entitled to all the back wages and other emoluments as per revised wages of the National Coal Wage Agreement of 11th December, 1974.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer,
[No. L-20012/50/78-D. III (A)]

A.V.S. SARMA, Desk Officer,

New Delhi, the 7th May, 1981

S.O. 1591.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Coalfields Limited, Accounts Department, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-4-1981.

(AWARD)

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 5 of 1980

PARTIES:

Employers in relation to the management of Central Coalfields Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen : Shri P. K. Chatterjee, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 25th April, 1981

AWARD

By Order No. L-19011 (9)79-D. IV (B) dated, the 26th March 1980, the Central Government being of opinion that an industrial dispute existed between the management of Central Coalfields Limited and their workmen in respect of the matter specified in the schedule attached to the order referred the said dispute to this Tribunal for adjudication. The schedule to the order reads thus.

"Whether the denial of advance increments in the fixation of pay of the U. D. Cs of the Accounts Department of the Central Coalfields Limited, Calcutta who had passed the Departmental Confirmatory Examination prior to 1-1-1975 under the Coal Wage Board pay structure is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

2. After notice to the parties they have filed their respective written statements, rejoinders and documents. None of the parties has chosen to adduce any oral evidence. With the consent of the parties the documents filed by them have been marked as exhibits they having waived formal proof of the same. Necessarily therefore parties argued their respective cases on the basis of their pleadings and documents filed by them.

3. It is not necessary to given in detail the cases of the parties as revealed from their pleadings because in the pleadings they have traversed many facts which are not relevant for the determination of the dispute in the case. Facts which are admitted by the parties may be stated here. National Coal Development Corporation, hereinafter referred to as N. C. D. C. was originally created on 1-10-56 with eleven collieries belonging to Government of India in Bihar, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and Orissa. The monthly rated staff in these collieries were at that time governed by the pay scale recommended by Central Pay Commission and accepted by Government of India. This was even before N. C. D. C. was formed. The Accounts Department in these collieries were being controlled by Accountant General-Controller of India. The present dispute relates to U. D. Cs in the Accounts Department in those collieries. Under N. C. D. C. a clerk holding the post of U. D. C. in Accounts Department was drawing pay in the scale of Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280-10-300. Under the rule prevalent in N. C. D. C. a clerk in the post of U. D. C. in the Accounts Department used to be appointed on a temporary basis. He had to pass a confirmatory test before he was confirmed and before he was considered fit for promotion to a higher post. A clerk holding the post of U. D. C. was entitled to appear in the confirmatory test after he completed one year of service as U. D. C. If he passed the confirmatory test immediately after one year in the 1st chance he was to get three increments thus raising his pay to Rs. 150 per month. In otherwords for the 1st year of his service he gets an increment of Rs. 5 and thereafter on passing the confirmatory test he gets three increments at a time. Where the clerk passed the confirmatory test after 2nd year i.e. in the second chance he got the benefit of two annual increments. If he passed in the 3rd year i.e. in 3rd chances he got the benefit of one increment only. If he passed the confirmatory test in the 4th chance or in any chance subsequent thereto he did not get any benefit. But his service increments remained unaffected. In otherwords an U. D. C. was getting his service increments annually, as per scale irrespective of the fact whether he passed the confirmatory test or not. These clerks were controlled from the Headquarters at Ranchi and they belonged to a cadre different from the cadre of other clerks. While things were at this stage Central Coalfields Ltd. succeeded to N. C. D. C. and under the management of Central Coalfields Ltd. the old system regarding the U. D. Cs continued. On 15-8-67 the recommendations of Coal wage

Board came into force being accepted by the Government of India. After this the Accounts staff of the Central Coalfields Ltd. including the staff at Calcutta opted for the Wage Board scale which made provision for variable D. A. and for 10 per cent attendance bonus. As per the Wage Board recommendations the pay scale of an U. D. C. was Rs. 245-10-325-15-385-15-460. Under Second Pay Commission report and UDC got Rs. 70 as DA if his pay was between Rs. 130-145 and he got Rs. 90 as D.A. if his pay was above Rs. 145. Under the scheme recommended by the Wage Board for adjustment of pay of employees who had accepted the Wage Board's scale if an U. D. C. on 1-10-66 was getting less than Rs. 245 as his basic pay and D.A. his pay in the Wage Board scale was to be fixed at Rs. 245. If he was getting more than Rs. 245 but less than Rs. 325 as his pay and D. A. on 1-10-66 his pay in the Wage Board scale was to be adjusted in between Rs. 245/- and Rs. 325/-. In other words if his pay and D. A. on 1-10-66 was Rs. 250/- his pay in the Wage Board scale would be fixed at Rs. 255/-. If his pay and D. A. was more than Rs. 255/- but less than Rs. 265/- his pay in the Wage Board scale would be fixed at Rs. 265/-. The Wage Board recommendations were to be given effect from 15-8-67. By the time the Wage Board recommendation came into force some of the U. D. Cs had already passed the confirmatory test and some had not passed. It has been noticed earlier that an U. D. C. in pre-Wage Board scale was to get Rs. 150/- p.m. as his pay on passing the confirmatory test in the 1st three chances. For such a person the pay under the Wage Board scale was fixed at Rs. 245/- by the management. A clerk under the pre-Wage Board scale who had passed the confirmatory test and was drawing more than Rs. 245/- p.m. was allowed to draw pay in the Wage Board scale according to the scheme mentioned in the recommendations as noted above. In the same way where an U. D. C. under the pre-Wage Board scale had passed confirmatory test and was drawing a pay of Rs. 285 p.m. or more than that his pay in the wage Board scale was fixed according to the scheme laid down in the Wage Board recommendations. So far parties agree.

4. It is the case of the management that the scheme which was prevalent prior to the Wage Board recommendation came into force under which an U. D. C. was to get advance increments on passing confirmatory test was not abandoned even after introduction of the pay scale recommended by Wage Board. As the scheme of giving advance increments gave rise to various anomalies and created dissatisfaction amongst some of the confirmed U. D. Cs who had passed the confirmatory test prior to 15-8-67 and were paid less than their juniors who passed the confirmatory test after 15-8-67, the management came forward with a circular dated 4-6-70 Ext. M-1 to remove the anomaly and dissatisfaction amongst the senior U. D. Cs to some extent. The relevant portion of the circular are quoted herein below :—

"1. - - - - -"

- (a) U. D. Cs who passed the Confirmatory Examination prior to 15-8-67.

These employees have already received advance increments in their pre-wage board pay scales. They are not entitled to any further increments except the adjustments, where necessary as stated in para 2 below :

- (b) UDCs and LDCs who passed the confirmatory examination on or after 15-8-67 having held the post of UDC or LDC in the accounts Deptt. on 14-8-67.

These UDCs will be entitled to higher fixation at fourth stage even in the W. B. scale of pay i.e. at Rs. 285/- as per scheme in existence prior to 1-10-66. In the CPC scale. This decision will also hold good in the case of UDCs & LDCs who were in service on 14-8-67 and pass the departmental confirmatory examination after that.

- (c) Persons appointed to the post of UDCs in Accounts Deptt. after 14-8-67 under the W. B. pay scale and service conditions.

Employees in this category will be entitled only to one advance increment on passing the confirmatory examination. If, however, they do not pass the confirmatory examination within the 3 successive chances after they qualify for appearing in the examination, they will not be entitled to any such advance increment.

2. If, as a result of implementation of the decision continued in para (b) above, any case arise in which a UDC having passed the confirmatory examination on an earlier date, is

getting less pay than his junior passing the confirmatory examination on a subsequent date directly as a result of the implementation of the Wage Board recommendations as accepted by the Central Govt. and as adopted by NCDC, such cases will be decided on their merit keeping in view the fact that a senior employee should at least get equal pay as his junior for this purpose advance increments as may be necessary may be given to such a senior employee from the date from which a junior employee starts getting higher pay than the senior employee."

The circular thus shows that U. D. Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 were not allowed any further increments. Under the circular their pay was only equalised with the pay of junior U. D. Cs who passed the confirmatory test on or after 15-8-67 and got their pay fixed at Rs. 285. As this circular did not remove dissatisfaction amongst the senior U. D. Cs negotiation between the N. C. D. C. and Head Quarters Branch of Colliery Mazdoor Sangh, Ranchi was held. As a result of this negotiation a settlement was arrived at between parties, namely, Ex. M-2. The relevant portions of this settlement are quoted herein below :—

- "1. It is agreed that the UDCs belonging to the accounts cadre who had passed the confirmatory examination prior to 15-8-67 and who secured fixation of pay in the Wage Board pay scale at the stage of Rs. 285/- or at a higher stage than Rs. 285 inclusive of service increments will be given one ad-hoc (extra) increment w.e.f. 15-8-70 including those promoted to higher posts between 15-8-67 and 15-8-70.
2. It is agreed that the other UDCs of the accounts cadre who had passed the confirmatory examination prior to 15-8-67 and who secured fixation of their pay in the Wage Board pay scale w.e.f. 15-8-67 at a stage less than Rs. 285/- and who were given the benefit of stepping up in accordance with para 2 of NDC's O. M. No. PD/WB/IMP/Monthly Staff 68 Pt. III dated 4-6-70 will not be entitled to any further benefit other than what was provided for in that O. M.
3.
4. It is agreed that if anomalies arise as result of clauses (1), (2) and (3) above, no further adjustments to remove such anomalies shall be made between the pay of junior and senior employees or on any other account.
5. It is agreed that this is an overall settlement in respect of the claim of the workmen concerned for fixation of the pay of the UDCs of Accounts Department who had passed the confirmatory examination prior to 15-8-67 at the stage of Rs. 285 exclusive of service increments in the Wage Board pay Scale. The workmen and the Union agree that they shall not make any further claims in this respect or re-open the matter for any reason whatsoever.
6. It is agreed that the settlement will be implemented within 2 months from the date of the settlement. It is further agreed that the parties will report implementation of this settlement by 10-10-73 failing which it will be presumed that the settlement has been implemented in full."

Under this settlement confirmed U. G. Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and had got their pay fixed at Rs. 285/- p.m. or more than Rs 285/- p.m. in the Wage Board scale were given one ad-hoc increment. According to the management this settlement was arrived at in course of conciliation proceeding and so it is binding on all the workers working in the management even though some of them were not members of N. C. D. C. Head Quarters Branch of Colliery Mazdoor Sangh, Ranchi. Therefore the workers of National Coal Association (Govt. of India) Employees Association, 15, Park Street, Calcutta which has raised the present dispute are bound by the aforesaid settlement. The said settlement is dated 10-7-73. Even after this settlement according to the management UDCs who had passed the confirmatory test prior to 15-8-67 were not satisfied and made representations to the management. The management therefore disposed of the representations by another circular dated 11-7-73 which was issued a day after the

aforesaid settlement dated 10-7-73. This circular while reiterating the terms and conditions of the settlement Ext. M-2 said that no further adjustment was possible to meet the demand of the U. D. Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got their pay fixed at less than Rs. 285/- on 15-8-67 according to the Wage Board scale. The management's contention is that it having fixed the pay of the U. D. Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and of U. D. Cs who passed the confirmatory test on or after 15-8-67 according to the scheme laid down in the Wage Board recommendations and further having removed some anomalies caused due to giving increments out of turn to the U. D. Cs who passed the confirmatory test after 15-8-67 by the aforesaid circulars and settlement it is no longer possible for it to meet the present demands of the union in the case. The management says that by circular Ext. M-1 and by the settlement Ext. M-3 and again by circular Ext. W-1 it had redressed the grievances of some of the U. D. Cs to a certain extent and to meet further demands of the union in the case will not be justified on its part as to do that will amount to going beyond the recommendations of the Wage Board which have been accepted by the Government of India.

5. According to the union the Wage Board while fixing a higher scale of pay for the U.D.Cs of the Accounts Section never intended that the scheme of giving out of turn increments to the U. D. Cs who passed the confirmatory test on or after 15-8-67 would be applied. It is the application of the scheme of giving out of turn increments to U. D. Cs who passed confirmatory test on or after 15-8-67 which has created the anomalies. This scheme therefore cannot be said to be a part of the recommendations of the Wage Board. The circular Ext. M-1 of 1970 which mentions the scheme of giving out of turn increments to the U. D. Cs who pass the confirmatory test on or after 15-8-67 only tries to minimise the hardship caused to the senior U. D. Cs who had passed the confirmatory test prior to 15-8-67 by equalising their pay with the pay of the junior U. D. Cs who pass confirmatory test on or after 15-8-67 and get their pay fixed at Rs. 285 p.m. There is no justification why a senior U. D. C. who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and was getting less than Rs. 245 p.m. as his pay in the pre-wage Board scale would be adjusted at the stage of Rs. 245/- p.m. in the Wage Board scale with effect from 15-8-67 and wait till a junior of his passes confirmatory test on or after 15-8-67 and gets his pay fixed at Rs. 285/- p.m. under the scheme giving out of turn increments to him when only the senior U. D. Cs pay would be raised to Rs. 285/- p.m. in order to equalise his pay with that of the junior. Further there is no reason why a senior who has passed confirmatory test earlier would get a pay equal to the pay of his junior who passes confirmatory test later. The subsequent settlement Ext. M-2 does not remove this anomaly and injustice. That apart the settlement Ext. M-2 not being one under Section 18 (3) of the I. D. Act is not binding on the union which has raised the dispute and its members. The settlement may be one U/S. 18(1) of the Act and hence binding on the union which is a party to it. It is further said by the union that if according to the management the settlement Ext. M-2 was really a settlement under Sec. 18(3) of the Act the management could not have come forward with another circular Ext. W-1 on the day following the day when the settlement was arrived at reiterating what had been said in the settlement and saying that the circular Ext. W-1 will be binding on all. On the very face of it the settlement Ext. M-2 shows that none of the office bearers of the contesting union was a party to it. The settlement is one between the management and the representatives of the union called N. C. D. C. Head Quarters Branch Colliery Mazdoor Sanath, Ranchi. There is also nothing to show that the representatives of the union raising the dispute were summoned to appear in the conciliation proceeding in which the settlement Ext. M-2 is said to have been arrived at. That apart there is nothing to show that the conciliation officer who was in seisin of the conciliation proceeding acted in consonance with sub-sec. 2 of Sec. 12 of the I. D. Act. Such being the position the said settlement cannot bind the present union or its members. The norm laid down by the management which is an admitted position being that the U. D. C. passing the confirmatory test is entitled to four increments under circular Ext. M-1 the U. D. Cs who had passed the confirmatory test prior to 15-8-67 cannot be discriminated against the U.D.Cs who pass the confirmatory test on or after 15-8-67. There being no reasonable nexus for this discrimination the same should be held to be invalid in law. An U. D. C. who had passed the confirmatory test prior

to 15-8-67 and was drawing pay less than Rs. 245/- p. m. on 1-10-66 could not be fixed at the initial stage in Wage Board scale and an U. D. C. who was drawing less than Rs. 245/- prior to 1-10-66 and passed confirmatory test one year after 15-8-67 cannot be allowed to draw a pay of Rs. 285/- p.m. This would amount to giving a senior less pay than his junior. Even if the circular of 1970 Ext. M-1 is given effect to it only equalises the pay of a senior with that of a junior. The senior U. D. Cs cannot be penalised for having passed the confirmatory test prior to 15-8-67 and a junior U. D. C. who passes the confirmatory test on or after 15-8-67 cannot be rewarded under the scheme accepted by the management. Moreover if the circulars Ext. M-1 and Ext. W-1 are given effect to an U.D.C. who has passed confirmatory test prior to 15-8-67 and has got his initial pay fixed at Rs. 245/- in the Wage Board scale from 15-8-67 will go on drawing his pay in the said scale till his junior passes confirmatory test after 15-8-67 and gets his pay fixed at Rs. 285/- p.m. when only according to the scheme of the management the senior U. D. C. will be entitled to a pay of Rs. 285/- p.m. For this there is no justification. The norm fixed by the management being that an U. D. C. who passes the confirmatory test will be entitled to 4 increments out of turn the management must act according to the norm so far as the U. D. Cs passing the confirmatory test prior to 15-8-67 are concerned. To do otherwise will amount to unreasonable discrimination.

6. After hearing the parties at length on their respective contentions as mentioned above it appears that the contentions of the union are well founded and that the scheme of giving out of turn increments to U. D. Cs who pass the confirmatory test on or after 15-8-67 enforced by the management after adoption of Wage Board scale discriminates seniors against their juniors for no fault of the former. The discrimination thus made by the management is an arbitrary discrimination having no reasonable nexus and causes injustice to the seniors. My reasons are as follows. It is not disputed that the scheme of giving out of turn increments or in other words advance increments is still in force even after enforcement of the Wage Board scale. It is also not disputed that the said scheme was in operation prior to 15-8-67 when Wage Board scale was introduced. Now for example take the cases of two U. D. Cs, namely, A and B in the Accounts Department who had been appointed prior to 15-8-67. A having passed the confirmatory test prior to 15-8-67 his pay on passing the test was fixed at Rs. 150/- p.m. in the old scale. Let me assume that A was drawing this pay on 1-10-66. According to the Wage Board recommendation scale of pay of an employee has to be fixed on the basis of his pay and D. A. together admissible to him on 1-10-66. Therefore if A was getting a pay of Rs. 150/- p.m. on 1-10-66, his pay on 15-8-67 according to procedure laid down in the Wage Board recommendation would be fixed at Rs. 245/-p.m. Take the case of other U.D.C., 'B' who could not pass the confirmatory test when A passed the same. Therefore let me assume that his pay in the old scale then prevalent was only Rs. 145 p.m. on 1-10-66. It may be mentioned here that according to the scheme one who passes the confirmatory test he is confirmed. So in the given example by 1-10-66. A having passed confirmatory test he was a confirmed hand whose pay was as stated above Rs. 150/-p.m. On that very day the pay of B and unconfirmed hand was only Rs. 145/- per month. Therefore on 1-10-66 A being a confirmed hand must be taken to be senior to B who was still unconfirmed. But according to the Wage Board scheme for fixation of pay on 15-8-67 the pay of both A and B would be fixed at Rs. 245 per month. Thus it is seen that even though A is senior and is a confirmed hand he gets the same pay which B a junior gets on 15-8-67. Management in its circular Ext. M-1 of 1970 says that for an U.D.C. who passes the confirmatory test on or after 15-8-67 his pay would be fixed at Rs. 285/-. Therefore according to circular even if B is junior to A if he passes confirmatory test only one year after 15-8-67 i.e. on 15-8-68 he will get a pay of Rs. 285 p.m. in the Wage Board scale whereas A a senior and a confirmed hand having passed confirmatory test before 15-8-67 would get less pay than his junior B on the day when B's pay is fixed at Rs. 285/- p.m. There could be no doubt that under the scheme of giving advance increment enforced by the management a great injustice did ensure to senior U.D.Cs. Since it is the settled position of law that the senior could not be paid less than a junior in the same cadre the circular Ext. M-1 has tried to meet this position by providing that the moment a junior passing

the confirmatory test on or after 15-8-67 draws a pay of Rs. 285 immediately thereafter the pay of his senior who had passed confirmatory test before 15-8-67 and been confirmed would be entitled to the same pay of Rs. 285/- p.m. as of his junior. This provision although meets the established position of law as mentioned above to some extent makes a discrimination between seniors who had passed confirmatory test on or after 15-8-67 without any reasonable nexus. The scheme of giving advance increment on passing confirmatory test must be held to have been introduced by the management for the purpose of giving incentive to the U.D.Cs to pass the confirmatory test so that they could get a higher pay. The norm accepted by the management is that an U.D.C. passing confirmatory test is not only to be confirmed and but is to get higher pay by getting some advance increment if he passes the test within 1st three chances. This being the norm why should a senior confirmed U.D.C. who had passed confirmatory test before 15-8-67 as in the instance given above would be placed in a disadvantageous position when compared with a junior who passes confirmatory test on or after 15-8-67. In other words why should the senior be placed in the same footing as that of his junior as provided in the circular. Further if circular Ext. M-1 is upheld 'A' in the above example would go on drawing his service increments only in the Wage Board scale starting from Rs. 245/- p.m. till a junior 'B' passes the confirmatory test after 15-8-67 and gets his pay fixed at Rs. 285/- p.m. when only the pay of 'A' would be equalised with the pay of 'B' by raising the pay of 'A' to Rs. 285/- p.m. 'A' being a senior there is no reason why he should wait till 'B' passes confirmatory test to get his pay fixed at Rs. 285 p.m. Since this anomalous position created by circular Ext. M-1 did not satisfy the confirmed U.D.Cs. who had passed confirmatory test before 15-8-67 and had got their pay fixed at Rs. 245/- p.m. on 15-8-67 they made representations to the management. On account of this representations negotiation for a settlement commenced between the management and the union, namely, NCDC Headquarters Branch, Colliery Mazdoor Sangh, Ranchi before the R.L.C. and resulted in a settlement Ext. M-2. It is claimed by the management that this being a settlement in a conciliation proceeding is binding on all the workers under the management even though they were not members of the union which was a party before R.L.C. This settlement as per its provision did not modify the earlier position under the circular Ext. M-1 so far as U.D.C. who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got their pay fixed at Rs. 245/- p.m. on 15-8-67. The settlement only provided that so far as the other confirmed U.D.Cs. who had passed confirmatory test earlier to 16-8-67 and were getting pay of Rs. 285 p.m. or more on 15-8-67 would be given one ad-hoc increment in the Wage Board scale to redress their grievance. It may be stated here that the present dispute which is for adjudication does not concern such U.D.Cs. The dispute relates to the demands of those confirmed U.D.Cs. who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and whose pay on 15-8-67 was fixed at Rs. 245/- p.m. or below Rs. 285/- p.m. and who were governed by management's circular Ext. M-1. There is controversy between parties as to whether the settlement Ext. M-2 will bind the union raising the present dispute and its workers. As has been stated earlier according to the management it binds all the U.D.Cs. irrespective of the fact whether they were members of the union which was a party to the settlement. On the other hand the stand of the union is that the settlement is not valid in law as the R.L.C. who was acting as a conciliation officer had not complied with the requirements of Sec. 12(2) of I.D. Act as the union raising the dispute was not a party to the settlement and as the R.L.C. did not comply with the provisions of Sec. 18(3) of I.D. Act. The settlement therefore can not bind the union. I shall deal with this controversy later on. For the time being as the settlement Ext. M-2 does not change the position as given in the circular of 1970 Ext. M-1, I shall proceed to examine the respective cases of the parties without referring to the settlement. It is not disputed that even after this settlement the management came forward with another circular on the date following the date of settlement Ext. M-2. That circular is dated 11-7-78 and is Ext. W-1. In this circular management has reiterated what it had said in the circular Ext. M-1 and in the settlement Ext. M-2 regarding the confirmed U.D.Cs. who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got their pay adjusted at Rs. 245/- p.m. or at less than Rs. 285/- p.m. on 15-8-67. At the cost of repetition I may say here that the action of the management in dealing with U.D.Cs. who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got

their pay fixed at either Rs. 245 p.m. or at less than Rs. 285 p.m. on 15-8-67 is not only discriminatory but is arbitrary and unjustified. The manner in which these U.D.Cs. have been treated by the management goes to show that they have been treated by the management goes to show that they have been penalised and have been placed in an equal footing with their juniors who passed confirmatory test on or after 15-8-67 and got their pay fixed at Rs. 285/- p.m. The contention of the management that since the Wage Board has fixed the manner in which the pay of the employees opting for Wage Board scale will be fixed and since the management has followed it, it could not be blamed for what has happened to the U.D.Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got their pay fixed at either Rs. 245/- p.m. or at less than Rs. 285/- p.m. on 15-8-67. It may be stated here that Wage Board at the time of recommending the new scale of pay did not take into account the scheme of giving advance increment as prevalent in N.C.D.C. for passing confirmatory test. It was only by circular Ext. M-1 in the year 1970 the management for the first time said that those U.D.Cs passing confirmatory test on or after 15-8-67 would immediately get their pay fixed at Rs. 285/- which meant that they would be entitled to four advance increments. This scheme for giving advance increment out of turn could not therefore be taken as a part of Wage Board recommendation. It is the introduction of this scheme after acceptance of Wage Board's recommendation which has created the anomaly and has resulted in discriminatory treatment with regard to some U.D.Cs. Therefore the management cannot now take shelter under Wage Board's recommendation regarding fixation of pay and say that having acted upto the recommendations accepted by the Central Govt. it could not be held responsible for any disadvantageous position caused to some of the U.D.Cs. The circular Ext. M-1 is an executive order of the management which has created the anomaly and discrimination. The provision in the circular intended to give some relief to the confirmed U.D.Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and had got their pay fixed at either Rs. 245/- p.m. or at less than Rs. 285/- p.m. on 15-8-67 only equalises these U.D.Cs with their junior counterparts who passed the confirmatory test on or after 15-8-67. There appears to be no justification for this why should a senior will be put at par with his junior counterpart for no fault of his? It seems the senior is penalised for having passed the confirmatory test earlier. To act upto the circular Ext. M-1 would go against the very intention with which the scheme of giving advance increment on passing confirmatory test had been introduced. For these reasons I hold that on the basis of the two circulars Ext. M-1 and W-1 the demand of the union cannot be thrown out and that the demand of the union is justified.

I now take the controversy regarding the settlement Ext. M-2. On the very face of the document it appears that parties to the settlement were conciliation officer, the management of N.C.D.C. and the Secretary, N.C.D.C., Headquarters Branch, Colliery Mazdoor Sangh, Ranchi. Assuming that the settlement was arrived at in a conciliation proceeding it has to be seen as to whether the conciliation officer has done his duty before he arrived at the settlement as provided in Sec. 12(2) of the I. D. Act. Sec. 12(2) of the Act says that a conciliation officer shall for the purpose of finding out a settlement of the dispute without delay investigate the dispute and all matters affecting the merits and the right settlement thereof and shall do all such things as he thinks fit for the purpose of inducing the parties to come to a fair and amicable settlement of the dispute. It is rightly urged on behalf of union that there is no evidence that the conciliation officer investigated into the dispute and induced the parties to come to a fair and amicable settlement. It is further argued for the union that the settlement arrived at in the conciliation proceeding is wholly unfair in as much as it has discriminated between confirmed U.D.Cs. who had passed confirmatory test prior to 16-8-67 and their juniors who passed the confirmatory test on or after 15-8-67 without any reason and for no fault of the senior U.D.Cs. These contentions of the union have sufficient force. No evidence has been led by the management in the present case to show that the conciliation officer did his duty as provided in Sec. 12(2) of the Act in order to see that a fair settlement was arrived at between the parties. The necessary inference therefore is that the settlement Ext. M-2 which has been arrived at in the conciliation proceeding cannot be upheld on account of the fact that there is no evidence that the conciliation officer did his duty as provided in law to

arrive at a settlement which is fair to all. The next point which is urged for the union is that a settlement arrived at in a conciliation proceeding in order to be binding on all the workers irrespective of the fact whether they were represented or not must be a settlement as mentioned in Sec. 18(3) of the Act. This provision says that a settlement arrived at in course of a conciliation proceeding in order to become enforceable against all must be a settlement in conciliation proceeding in which parties other than the parties to the dispute in the proceeding had been summoned to appear as parties to the dispute. Ext. M-2 shows that the present union was not a party in the conciliation proceeding. Therefore in order to be binding on the union it must be shown by the management that in the conciliation proceeding the union was summoned to appear to be represented as parties to the dispute and to take part in the proceeding and that the union did not appear even after summons. There is nothing on record to show this. So in the absence of any evidence either oral or documentary on behalf of the management to show that provision of Sec. 18(3) of the I.D. Act was followed, it is not possible to hold that the settlement is binding on the union. The pleadings of the union go to show that it had challenged the validity of the settlement and had claimed that the same was not binding on it. Therefore in view of the admitted position as revealed from Ext. M-2 the management should have adduced evidence to show that the union was summoned in the conciliation proceeding when it has been specifically pleaded by the union that the settlement is not binding on it and the settlement shows that the union is not a party to the conciliation proceeding. This has not been done. Therefore I uphold the contention of the union and say that the settlement Ext. M-2 is not binding on the union and its members. It is asserted by the management that the members of the union raising the dispute are also members of union which was party in the conciliation proceeding. This assertion is emphatically denied by the union. In the absence of any evidence when Ext. M-2 clearly shows that the union which was a party to the conciliation proceeding is different from the union which has raised the present dispute the only conclusion is that the settlement Ext. M-2 cannot bind the present union as provision of Sec. 18(3) of the Act have not been complied with. At best the settlement may be one under Sec. 18(1) of the I.D. Act and so binding on the members of the union which is a part of the conciliation proceeding. So I hold that the settlement Ext. M-2 cannot be bar to the demand of the union which demand is the subject matter of the dispute under adjudication.

It is argued on behalf of the management on the basis of a letter written to the Secretary of the Tribunal by one of the members of the union after receipt of the order of reference from the Central Govt. that on its own showing as revealed from the letter the dispute referred to the Tribunal for adjudication is different from the union's demand. Therefore it is argued by Mr. Choudhury for the management that when the reference is something different from the demand of the union as admitted in the letter the proper course for the union would be to approach the Central Government once again for making a fresh reference in respect of its demand. This argument of Mr. T. P. Choudhury is without any force. The language of the reference says if denial of advance increments in the fixation of pay of the U.D.Cs of the Accounts Department of the Central Coalfields Ltd., Calcutta who had passed the Departmental Confirmatory Examination prior to 1-1-1975 under the Coal Wage Board pay structure is justified. As has been discussed above the demand of the union is that the senior U.D.Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 should not be placed at par with their junior counterparts who passed confirmatory test on or after 15-8-67. This demand does not affect those who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 and got their pay fixed at Rs. 285 p. m. or more, under the Wage Board pay structure. This demand of the union has been referred to in the order of reference as a demand for advance increments. The language used in the order of reference cannot be said to be incorrect although one of the officials understood it as not properly representing the union's demand. The real demand of the senior U.D.Cs who had passed confirmatory test prior to 15-8-67 is that their pay should be fixed at a higher stage, namely, Rs. 285 p.m. in the Wage Board scale with effect from 15-8-67 and thereafter they would earn service increments annually as provided in Wage Board scale. So when the demand is for a higher stage in the pay scale the same demand may be said to be a demand for advance increment. Therefore merely because one of the officers of the union misunderstanding the language

used in the order of reference wrote to the Secretary of the Tribunal that the union's demand was something different from the dispute mentioned in the order of reference it cannot be said as contended by management that the dispute referred to this Tribunal does not represent the demand of the union and so cannot be adjudicated by the Tribunal. As a matter of fact I find that the demand of the union as discussed above is the same as mentioned in the order of reference.

7. For the reasons given above I hold that the demand of the union raising the dispute is justified and that the pay of the U.D.Cs of the Accounts Department of the Central Coalfields Ltd., Calcutta who had passed the Departmental Confirmatory examination prior to 15-8-67 and got their pay fixed at less than Rs. 285 p.m. as that day has to be fixed at Rs. 285/- in the Wage Board scale with effect from 15-8-67 hereafter they would be entitled to annual service increment as provided in the Wage Board scale that the circular Ext. M-1 and M-1 and the settlement Ext. M-2 cannot stand in the way of the said U.D.Cs is getting their pay fixed as indicated above and in getting service increments annually in the Wage Board's scale thereafter. In the peculiar circumstances of the case the parties are to bear their own costs.

B. K. RAY, Presiding Officer
[No. L-19011(9)/79-D.IV(B)]
S. S. MEHTA, Desk Officer

New Delhi, the 11th May, 1981

S.O. 1595.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Area of ECL, P. O. Ukhra, Distt. Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CALCUTTA

Reference No. 62 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bankola Area of E.C.L.P.O., Ukhra, Dist. Burdwan.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. S. K. Acharya, Deputy Personnel Manager.

On behalf of Workmen.—Mr. C. S. Banerjee, Joint General Secretary, Colliery Mazdoor Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mines

AWARD

This is a reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 sent by the Central Government by its Order No. L. 19012(17)/80-D.IV(B) dated 19th July, 1980 for adjudication of an industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Area of E.C.L.P.O. Ukhra, District Burdwan, hereinafter referred to as the "Colliery", and their workmen represented by the Joint General Secretary, Colliery Mazdoor Union, Cinema Road, P. O. Ukhra, District Burdwan, hereinafter called "Union". The dispute to be decided has been mentioned in the Schedule to the Reference in the following terms :

"Whether the action of the management of Bankola Area of Messrs Eastern Coalfields Limited in denying Grade 'B' to S/Shri Abhoy Chandra Dwan and ten other workmen (as per list at Annexure) as unqualified compounders and in reducing these workmen from existing Grade 'F' to Grade 'H' retrospectively from November, 1977 is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

1. Shri Abhay Chandra Dawn
2. Shri Lakshmi Narayan Banerjee
3. Shri Dibakar Chattaraj
4. Shri Birendra Mohan Chatterjee
5. Shri Dilip Kumar Singh
6. Shri Dharamadas Chatterjee
7. Shri Pranabesh Mukherjee
8. Shri Mer Asraf Ali
9. Shri Kiriti Bhawan Chatterjee
10. Md. Ikramul Haque
11. Shri Madan Kumar Das

2. This reference was fixed for hearing on 22nd of April, 1981. When the matter was taken up a joint petition of settlement was filed by Mr. N. Das, learned Advocate appearing on behalf of the Colliery. Nobody appeared on behalf of the Union which was a party to the settlement. In the circumstances today was fixed for hearing of the matter.

3. Mr. S. K. Acharya, Deputy Personnel Manager of the Colliery appears on behalf of the management and Mr. C. S. Banerjee, Joint General Secretary of the Union is also present. They submit that the matter has been amicably settled by and between the parties and as such a joint petition of compromise containing the terms of settlement has been filed. It is prayed that an award may be passed in terms of the settlement. I have gone through the petition and I find that the settlement is legal and voluntary and for the interest of the parties.

4. As prayed for by the parties I pass an award in terms of the joint petition of compromise which shall form part hereof as Annexure 'A'.

Dated, Calcutta the 29th April, 1981.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer
[No. L-19012(17)/80-D.IV(B)]

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Ref. No. 62 of 1980

PARTIES:

Employers in relation to The Management of Bankola Area F.C.I., P.O.—Ukhra, Dist.—Burdwan,

AND

Their workmen

The Humble Petition of the Employers and of the Workmen jointly beg to state:—

1. That the subject matter of the dispute has been amicably settled by the parties on mutual discussions on the following terms.

TERMS

1. It is agreed by the workmen that designated as dresser-cum-vaccinator they are entitled to be placed in Grade-H as per the accepted recommendations of the Central Wage Board for the Coal Mining Industry and as such the management's letter dated 14-11-77 issued to the concerned workmen individually in Nov. 1977 placing them in Grade-F of the aforesaid Award contained a typographical mistake in regard to the grade and scale mentioned therein.

2. It is agreed by the workmen that the employer is entitled to correct the said typographical mistake and the letter no. BA/PD/A-III(12)/6 dated Nov. 25-11-78 issued by the employer addressed individually to the concerned workmen placing them in Grade-H instead of Grade-F retrospectively from the dates of their joining were correctly issued and the management had/has every right to

recover the excess amount paid to each concerned workman.

3. That for maintaining harmonious industrial relation in the establishment it has been agreed by the parties that in the concerned workman will be deemed to have been placed in Gr. H in the pay-scale of Rs. 274—7—344 with effect from the date of their joining in Nov. 1977 and for mitigating the difficulties which might have been and may be suffered by the concerned workman for recovery of the excess amount from their wages it has been agreed by the management that their starting basic will be Rs. 207 in the said scale (274—7—344).

4. That as regards the excess amount paid to the concerned workmen from the date of their joining in Nov. 1977 to 31st November, 1978 will be treated as amount paid on ex-gratia and in cases of the workmen where the same had been recovered it will be paid back to them.

5. That any excess amount which has been received by the concerned workmen from December, 1978 onwards shall be recovered from the wages and other dues of the concerned workmen payable hereafter in ten equal monthly instalments.

6. That one of the concerned workmen namely Shri Madan Kumar Das who has since resigned from the company's service will not be entitled to the aforesaid benefits and the Union representing the workmen gives up his claim.

7. That the parties will bear the respective cost of their reference.

The parties therefore jointly pray:—

That the Hon'ble Tribunal be pleased to accord its permission for settlement of the above dispute in terms mentioned above and to pass an Award accordingly by treating this petition as a part thereof.

For the Employers.

Sd/-

S. K. MITRA, General Manager,

Bankola Area, ECL.

Dated:—20-4-81

Union Stamp

For the Workmen,
Sd/-

C. S. BANERJEE, Joint General Secretary
Colliery Mazdoor Union, Cinema Road, P.O. Ukhra.

The Workmen:—

1. Sd/-Abhay Ch. Dan—Kumardihi 'A' Colly.
2. Sd/-Birendra Mohan Chatterjee—S. S. Pur Colly.
3. Sd/-Dibakar Chattaraj—Moirra colliery.
4. Sd/-Lakshmi Marayan Banerjee—Bankola Colly.
5. Sd/-Pranavash Mukherjee—Sarpi pit.
6. Sd/-Dharamdas Chatterjee—Kumardihi B colly.
7. Sd/-Dilip Kumar Singha—Khandra V. K.
8. Sd/-Kiriti Bhushal Chatterjee—Nanra Kunda Project.

New Delhi, the 11th May, 1981

S.O. 1596.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in respect of a complaint under section 33A of the said Act filed by Shri Baikuntha Parhi and 7 others against the management of Messrs Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Bisherganj, District Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CALCUTTA

MISC Application No. 8 of 1980

PARTIES:

Shri Baikuntha Parhi and 7 others C/o. Coal Mines Employees Union, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan.
.....Applicants

Vs.

1. The Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan.
2. Shri S. Mukherjee, Superintending Engineer (C), E.C.L., Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan.
.....Opp. Parties.

APPEARANCES:

On behalf of Applicants:

Mr. M. N. Sanyal, General Secretary, Coal Mines Employees Union.

On behalf of Opp. Parties:

Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager.

AWARD

This is an application under section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 arising out of Reference No. 73 of 1979 received by this Tribunal under Sec. 10 of the Industrial Disputes Act. On receipt of the notice of the case the Opposite parties appeared and filed written statement challenging the allegations of the applicants. On 2-4-81 a petition for withdrawal of the application under Sec. 33A of the Industrial Disputes Act was received by this office from the applicants by post and as none of the parties were present, to-day was fixed for hearing of the said application.

2. Mr. M. Sanyal, General Secretary of the Coal Mines Employees Union duly authorised by the applicants appears and Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager appears on behalf of the Opposite parties. It is stated in the petition received on 2-4-81 that to avoid the question of "concerned workman" in the pending Reference No. 73 of 1979 the applicants withdraw the instant application. Mr. Sanyal submits that the applicants want to withdraw the application and they are not going to proceed with the same.

In the circumstances, I pass an award accordingly.

Calcutta, 30th April, 1981

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer.

[No. L-19014(3)/81-D-IV(B)]

S.O. 1597.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri Indramani Baral and others against the management of Messrs Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, District Burdwan which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Miscellaneous Appn. No. 11 of 1980

PARTIES:

Shri Indramoni Baral & Others, C/o. Coal Mines Employees Union, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan—Applicants

Vs.

1. The Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan.

2. Shri S. Mukherjee, Supdt. Engineer (C), E.C.L., Sanctoria, P.O. Dishergarh, District Burdwan—Opp. Parties.

APPEARANCES:

On behalf of Applicant—Mr. M. N. Sanyal, General Secretary, Coal Mines Employees Union

On behalf of Opp. Parties—Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager.

AWARD

This is an application under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 arising out of Reference No. 73 of 1979 received by this Tribunal under Sec. 10 of the Industrial Disputes Act. On receipt of the notice of the case the Opposite parties appeared and filed written statement challenging the allegations of the applicants. On 2-4-81 a petition for withdrawal of the application under Sec. 33A of the Industrial Disputes Act was received by this office from the applicants by post and as none of the parties were present, today was fixed for hearing of the said application.

2. Mr. M. Sanyal, General Secretary of the Coal Mines Employees Union duly authorised by the applicants appears and Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager appears on behalf of the Opposite parties. It is stated in the petition received on 2-4-81 that to avoid the question of "concerned workman" in the pending Reference No. 73 of 1979 the applicants withdraw the instant application. Mr. Sanyal submits that the applicants want to withdraw the application and they are not going to proceed with the same.

In the circumstances, I pass an award accordingly

30th April, 1981 R. BHATTACHARYA, Presiding Officer

[No. L-19014(3)/81-D-IV(B)]

S.O. 1598.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri Mayadhar Samal and others against the management of Messrs Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, District Burdwan, which was received by the Central Government on the 5th May, 1981.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Misc. Application No. 10 of 1980

PARTIES:

Shri Mayadhar Samal & Others, C/o. Coal Mines Employees Union, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan—Applicants

Vs.

1. The Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan.
2. Shri S. Mukherjee, Supdt. Engineer (C), E.C.L., Sanctoria, P.O. Dishergarh, District Burdwan—Opp. Parties.

APPEARANCES:

On behalf of Applicants—Mr. M. N. Sanyal, General Secretary, Coal Mines Employees Union.

On behalf of Opp. Parties—Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager.

AWARD

This is an application under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 arising out of Reference No. 73 of 1979 received by this Tribunal under Sec. 10 of the Industrial Disputes Act. On receipt of the notice of the case the Opposite parties appeared and filed written statement challenging the allegations of the applicants. On 2-4-81 a petition for withdrawal of the application under Sec. 33A of the Industrial Disputes Act was received by this office from the applicants by post and as none of the parties were present today was fixed for hearing of the said application.

2 Mr. M. Sanyal, General Secretary of the Coal Mines Employees Union duly authorised by the applicants appears and Mr. N. R. Chatterjee, Deputy Personnel Manager appears

on behalf of the Opposite parties. It is stated in the petition received on 2-4-81 that to avoid the question of "concerned workman" in the pending Reference No. 73 of 1979 the applicants withdraw the instant application. Mr. Sanyal submits that the applicants want to withdraw the application and they are not going to proceed with the same.

In the circumstances, I pass an award accordingly.
Dated, Calcutta,

30th April, 1981.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer

No. L-19014(3)/81-D-IV (B)-III]
S. S. MFHTA, Desk Officer